शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कानून और व्यवस्था, विकास, अर्थव्यवस्था
जीडीपी एक दूसरे से ... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 22 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-292

जयशंकर के खिलाफ पाकिस्तान में रचा गया था कुचक्र

सेना और अलकायदा की साजिश थी 'ब्लैकआउट'

सूफी यायावर
नई दिल्ली, 21 अक्टूबर।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन में भाग लेने पाकिस्तान गए भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के खिलाफ पाकिस्तान में कुचक्र रचा जा रहा था। इसमें पाकिस्तान सरकार, पाकिस्तानी सेना और कुख्यात आतंकी संगठन अलकायदा से जुड़े लोग शामिल थे। यह कुचक्र पाकिस्तानी सेना की महत्वपूर्ण इकाई इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के संयोजन में रचा गया, जिसके प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी हैं। चौधरी के

लादेन के दोस्त का बेटा है आईएसपीआर का शीर्ष अफसर

पिता परमाणु वैज्ञानिक और उम्माह तामीर-ए-नौ के संस्थापक सुल्तान बशीरुद्दीन महमूद अलकायदा के प्रमुख कुख्यात आतंकी ओसामा बिन लादेन के दोस्त रहे हैं। ओसामा बिन लादेन के साथ उनकी कई मुलाकातें अंतरराष्ट्रीय खुफिया एजेंसियों की छानबीन का विषय रही हैं। लादेन के साथ

सम्बन्धों के कारण ही अमेरिका की 9/11 घटना के बाद बशीरुद्दीन महमूद को गिरफ्तार कर लिया गया था।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले दिनों पाकिस्तान यात्रा के दरम्यान आतंकवाद को संरक्षण देने के मसले पर जो बेबाक बयान दिया था, उसे पाकिस्तानी मीडिया ने ब्लैकआउट कर दिया था। यानी, भारत के विदेश मंत्री का बयान पाकिस्तानी आवाम के पास अखबारों, समाचार चैनलों या डिजिटल मीडिया के जरिए नहीं पहुंच पाया। पाकिस्तान के लोगों के पास जो भी खबरें पहुंची वह भारतीय मीडिया या यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया माध्यमों को जरिए पहुंची। जानते हैं इसके पीछे का कारण क्या है? भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन में भाग लेने के लिए इस्लामाबाद पहुंचे थे। लेकिन उनके पाकिस्तान पहुंचने की खबर से घबराई पाकिस्तान सरकार ने पाकिस्तानी सेना के साथ मिल कर पहले से ही षडयंत्र बिछाना शुरू कर दिया था। इन साजिशों में सबसे अहम था कि पाकिस्तान में एससीओ सम्मेलन में भारत के विदेश मंत्री जो कुछ कहें, उसे मीडिया में दबा दिया जाए। इसके लिए पाकिस्तानी सेना की महत्वपूर्ण इकाई इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) का सहारा लिया गया। आईएसपीआर पाकिस्तान में उसी तरह ताकतवर और प्रभावशाली

▶10पर

भारत को हासिल हुई एक और अहम कामयाबी

सीमाई तनाव कम करने पर राजी हुए भारत और चीन

- सीमा पर सेना कम करने और नियमित गश्त पर सहमति
- दोनों सेनाओं की आमने-सामने की तनातनी समाप्त होगी

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में बीते कुछ वर्षों से चल रहा सीमा तनाव सुलझ गया है। दोनों देशों के बीच सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर चली कवायद के बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त करने और सैन्य तनाव घटाने पर सहमति बन गई है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि 2020 में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हुई घटनाओं

के बाद से हम चीनी पक्ष के साथ सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर लगातार संपर्क में थे। कूटनीतिक और सैन्य कमांडर स्तर पर दोनों देशों के बीच कई दौर की बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि वार्ता की इन कवायदों के कारण कई मोर्चों पर टकराव और तनाव मिटाने में कामयाबी मिली है। फिर भी असहमति के कुछ बिंदु बाकी थे। विदेश सचिव के मुताबिक पिछले कुछ हफ्तों में हुई वार्ताओं के बाद भारत-चीन सीमा क्षेत्र में सैन्य गश्त की व्यवस्था को लेकर सहमति बन गई है। इसके चलते सेना की आमने-सामने की तनातनी वाली स्थिति अब सुलझ गई है।

भारत-चीन सीमा तनाव पर समझौते की यह खबर ऐसे समय आई है जब इस हफ्ते रूस के कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक साथ होंगे। दोनों नेताओं की बीच मुलाकात की अटकलें भी लगाई जा रही थीं। विदेश सचिव ने ब्रिक्स शिखर बैठक के हाशिए पर पीएम मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात की पुष्टि तो नहीं की लेकिन इस संभावना को खारिज भी नहीं किया।

सैन्य टकराव और तनाव के कारण गश्त कहां तक हो इसको लेकर ही दोनों पक्षों के बीच असहमति के गहरे मतभेद थे। लगातार भारत

▶10पर

अचानक जनसंख्या बढ़ाने पर आतुर हुए नायडू और स्टालिन

दो से अधिक बच्चे वाले ही लड़ेंगे चुनाव : नायडू

- 16-16 बच्चे पैदा करें युवा जोड़े: एमके स्टालिन
- बच्चों को पालेंगे कैसे? इस पर दोनों नेता चुप हैं

अमरावती/चेन्नई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देश जनसंख्या असंतुलन से आक्रांत है। वरिष्ठ राजनेताओं से लेकर जनसंख्या विशेषज्ञ तक देश में जनसंख्या के असंतुलित तरीके से बढ़ने को लेकर गहरी चिंता हैं। ऐसे में आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री अचानक जनसंख्या बढ़ाने की वकालत करने लगे हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश की जनसंख्या बढ़ाने का लोगों से आह्वान किया और यहां तक कहा कि दो से अधिक बच्चे वालों को ही चुनाव लड़ने का अधिकार दिया जाएगा। दूसरी तरफ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी युवकों से जनसंख्या बढ़ाने की अपील की। स्टालिन ने तो एक-एक युवा जोड़े को 16-16 बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित किया। अधिक बच्चे पैदा करने के बाद लोग

उनका पालन-पोषण कैसे करेंगे, इस बारे में दोनों मुख्यमंत्रियों ने कुछ नहीं कहा है। दोनों प्रदेशों के लोग इस पर कटाक्ष कर रहे हैं और सवाल उठा रहे हैं।

आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने की वकालत की है। दरअसल इस समय राज्य के कई जिलों के गांवों में बुजुर्ग ही बचे हैं और दक्षिण के कई राज्यों में प्रजनन दर लगातार गिरता जा रहा है। इस वजह से उन्होंने एलान किया है कि अब हमें भविष्य के लिए जन्म दर बढ़ाने की जरूरत है।

आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि, राज्य में विकास दर बढ़नी चाहिए। सभी को इस बारे में सोचना चाहिए और परिवारों को कम से कम दो या उससे

▶10पर

मोदी सरकार में बढ़ा शिवराज सिंह चौहान का कद

योजनाओं के काम और प्रगति पर निगरानी रखेंगे शिवराज

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मोदी सरकार में कृषि मंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता शिवराज सिंह चौहान का कद बढ़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिवराज सिंह चौहान को नई जिम्मेदारी सौंपी है। इस अहम जिम्मेदारी के तहत शिवराज सिंह चौहान को मोदी सरकार में केंद्र की योजनाओं की समीक्षा करने का पूरा अधिकार मिल गया है। प्रधानमंत्री

शिवराज के नेतृत्व में निगरानी समिति का गठन

मोदी ने एक नई टीम गठित की और इसकी कमान शिवराज सिंह चौहान को दी है।

शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में गठित यह कमेटी हर महीने समीक्षा बैठक करेगी और इसमें जारी सभी योजनाओं की रफ्तार बढ़ाने को लेकर चर्चा की जाएगी।

▶10पर

6 करोड़ का पर्दा, 64 लाख की टीवी, 12 लाख का संडास...

शाहंशाह केजरीवाल का शीशमहल

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दिल्ली के शाहंशाह पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आपा) के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने 6 फ्लैग रोड वाला बंगला खाली तो खाली कर दिया है, लेकिन खाली हुआ बंगला सजावट के बेशकीमती साजो सामान से खाली नहीं हुआ है। पीडब्लूडी ने बेशकीमती सामानों की लिस्ट जारी की है। यह लिस्ट आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल को खास आदमी पार्टी का नेता का प्रमाण पत्र है।

पीडब्लूडी की इस लिस्ट में बताया गया कि केजरीवाल के घर में 19.5 लाख रुपए की स्मार्ट एलईडी टर्नटेबल डाउनलाइट्स, घर में बॉडी सेंसर और रिमोट कंट्रोल सिस्टम वाले कुल 80 पर्दे लगे हुए थे। इनकी कीमत 4 करोड़ से लेकर 5.6 करोड़ तक है। केजरीवाल के घर में 64 लाख रुपए की लागत से 16 टीवी लगाए गए थे। 10 लाख रुपए का रिक्लाइनर सोफा, स्मार्ट एलईडी

माबदौलत के बेशकीमती घरेलू साजो सामान की लिस्ट जारी

टर्नटेबल डाउनलाइट्स, 9 लाख रुपए का रसोई में ओवन, 36 लाख रुपए तक की लागत वाले सजावटी खंभे और 10-12 लाख रुपए की कीमत वाली टॉयलेट सीट भी लगी हुई थी। इतना ही नहीं इसमें और भी सामान का जिक्र किया गया है। इस मामले पर अब आपा की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने अपनी ही पार्टी के शाहंशाह पर निशाना साधा है।

स्वाति मालीवाल ने कहा, 5.6 करोड़ के रिमोट वाले पर्दे, 1 करोड़ की रेलिंग, 70 लाख के ऑटोमैटिक दरवाजे, 65 लाख के टीवी, 30 लाख की रिमोट कंट्रोल लाइट, 12-12 लाख की टॉयलेट सीटें, 9 लाख का फ्रिज, 4 लाख की मसाज वाली कुर्सी और न जाने क्या क्या। जिस महापुरुष ने ये महल बनाया, उसी ने शीला दीक्षित के घर में लगे 10 एसी के लिए कहा था, कौन भरता है इस सब का बिल? मैं और आप भरते हैं। मेरा तो कलेजा कांप उठता है यह सोचकर कि जब दिल्ली की 40 प्रतिशत जनता झुग्गियों में रहती है तब कोई मुख्यमंत्री ऐसे आलीशान घर

▶10पर

न्यायमूर्ति बीआर गवई ने जजों से कही बड़ी बात

जज नेताओं और नौकरशाहों की तारीफ करने से बचें

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने न्यायिक अधिकारियों के एक वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पद पर रहते हुए और शिष्टाचार के दायरे से बाहर जज के किसी राजनेता या नौकरशाह की तारीफ करने से पूरी न्यायपालिका में लोगों का भरोसा प्रभावित हो सकता है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई जज अपने पद से इस्तीफा देकर चुनावों में भाग लेता है तो यह भी लोगों की धारणा पर असर डालता है।

जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि ज्यूडिशियल एथिक्स और ईमानदारी ऐसे बुनियादी स्तंभ हैं जो कानून व्यवस्था पर भरोसा बनाए रखते हैं। बेंच पर और बेंच से बाहर जज का व्यवहार ज्यूडिशियल एथिक्स के हाई स्टैंडर्ड के हिसाब से ही होना चाहिए। जस्टिस बीआर गवई ने इसको समझाने के लिए एक उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के एक जज को राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की आलोचना करने वाली टिप्पणियों के लिए माफी मांगनी पड़ी।

▶10पर

कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय वर्मा का धमाकेदार खुलासा

कनाडा की खुफिया एजेंसी के एजेंट हैं खालिस्तानी

ओटावा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने देश लौटने से पहले बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि खालिस्तानी समर्थक और आतंकवादी कनाडा सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) के एजेंट का काम करते हैं। कनाडा के सीटीवी न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में संजय वर्मा ने कनाडाई सरकार पर खालिस्तानी चरमपंथियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। संजय वर्मा ने कहा कि खालिस्तानी चरमपंथियों को हर समय प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह मेरा आरोप है, मैं यह भी जानता हूं कि इनमें से कुछ खालिस्तानी चरमपंथी और आतंकवादी सीएसआईएस के डीप-असेट्स हैं।

संजय वर्मा ने कहा कि कनाडाई सरकार को उनकी चिंताओं को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा, हम केवल यह चाहते हैं कि तत्कालीन कनाडाई शासन, तत्कालीन सरकार उन लोगों के

▶10पर

जम्मू कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार आई तो आतंकी हमले तेज हुए

सात निर्दोष की हत्या पर नेताओं के बयान जारी हैं

आतंकवादियों के हमले भी लगातार जारी हैं

जम्मू, 21 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के बाद लोकतांत्रिक सरकार का गठन होते ही आतंकी गतिविधियां फिर से तेज हो गई हैं। रविवार की रात को आतंकवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी में सात लोगों के मारे जाने के बाद देशभर में यह सवाल तेजी से उठने लगा है कि जम्मू कश्मीर में राष्ट्रपति शासन अच्छा था या सुप्रीम कोर्ट के दबाव में हुए विधानसभा चुनाव के बाद आई लोकतांत्रिक सरकार का शासन अच्छा है? कश्मीर को फिर

से शेष देश से काट कर रखने की हरकतें शुरू हो गई हैं। इसीलिए प्रदेश से बाहर के मेहनतकशों, इंजीनियरों और डॉक्टरों को निशाना बनाया जा रहा है। नेताओं की बयानबाजियां उसी तरह जारी हैं, जिस तरह से आतंकी गतिविधियां जारी हैं।

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल के गगनगीर इलाके में कल बड़ा आतंकी हमला हुआ जिसमें आतंकियों ने एक सुरंग में काम कर रहे लोगों के कैंप पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं और 7 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। इन 7 लोगों में 6 सुरंग में काम करने वाले श्रमिक और एक डॉक्टर शामिल थे। मरने वालों में मैकेनिकल कर्मचारी अनिल शुक्ला मध्य प्रदेश के रहने वाले थे। वहीं बिहार के फहीम नासिर, मोहम्मद हारिफ और कलीम भी घटना में मारे गए। पंजाब के गुरमीत, जम्मू कश्मीर के शशि अबरोल और

▶10पर

टनल निर्माण की सुरक्षा का इंतजाम क्यों नहीं था?

जम्मू, 21 अक्टूबर (ब्यूरो)।

सोनमर्ग के गगनगीर इलाके में जेड मोड़ टनल के काम में जुटे श्रमिकों और कर्मचारियों की हत्याओं के मामले में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। सबसे बड़ी जानकारी यह है कि इलाके में पिछले दस साल से कोई आतंकी घटना नहीं होने के कारण इलाके की सुरक्षा को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया था।

जम्मू कश्मीर में नई सरकार बनने के बाद टीआरएफ यानी द रजिस्टेंस फ्रंट के आतंकियों का यह बड़ा आतंकी हमला है। पिछले 10 साल में इस इलाके में कोई घातक आतंकी वारदात नहीं हुई। ऐसे में प्रशासन ने यह मान लिया था कि इलाके से आतंकवाद पूरी तरह खत्म हो चुका है। यह प्रशासन की भारी चूक थी।इस साल

▶10पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

जीतो बेंगलूरु साउथ और नॉर्थ चैप्टर के नए सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नए जोश, नवीन ऊर्जा और नई टीम के साथ काम करने के जज्बे के साथ जीतो बेंगलूरु साउथ और नॉर्थ चैप्टर, महिला तथा यूथ विंग की नई प्रबंधन समिति के सदस्यों ने यहां आयोजित एक भव्य समारोह में शपथ ग्रहण की और कार्यनिर्वाह के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। पैलेस ग्राउंड के अनंत्या सभागार में हुए इस विशेष कार्यक्रम में रणजीत सोलंकी ने जीतो बेंगलूरु साउथ तथा विमल कटारिया ने नॉर्थ के चेयरमैन पद के लिए शपथ ग्रहण की। जैन समाज के समग्र विकास के लिए शिक्षा, सेवा और आर्थिक शक्तिकरण को गति देने के उद्देश्य को सार्थक बनाने में दोनों ने अपने योगदान का वादा किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। स्वागत करते हुए साउथ और नॉर्थ के पूर्व चेयरमैन दिनेश बोहरा एवं इंदरचंद बोहरा ने पिछले वर्ष के कार्यकाल में अपने अपने चैप्टर द्वारा किए गए कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी एवं सभी का आभार माना। समारोह अमीचंद रणजीत सोलंकी

और मनोहरलाल विमल चिराग कटारिया परिवार द्वारा प्रायोजित था। जीतो एपेक्स अध्यक्ष विजय भंडारी ने जीतो बेंगलूरु साउथ और जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के नव-नियुक्त बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स व प्रबंधन समिति सदस्यों को शपथ दिलाई। अपने स्वीकृति भाषण में रणजीत सोलंकी ने विश्वास दिलाया कि जीतो की अपेक्षाओं में वे पूरी तरह से खरे उतरने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के विकास के लिए वे पूर्ण समर्पण भाव और मेहनत से कार्य करेंगे। जैन समाज की बेहतरी की दिशा में जीतो की अनेक योजनाओं का हवाला देते हुए रणजीत सोलंकी ने कहा जीतो बेंगलूरु साउथ आने वाले समय में मेगा स्टॉक मार्केट बिजनेस प्रोग्राम, इंडिया 2030 अवसर और चुनौती सेमिनार, स्पोर्ट्स एकाडमी जैसी नई पहल को आयोजित करने की रूप रेखा तैयार कर रहा है। विमल कटारिया ने अपने स्वीकृति भाषण में अनेक परियोजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में वे अनेक कार्यक्रम निर्धारित करेंगे, जिसमें आर्थिक विकास के साथ संतुलित जीवन जैसे विषय भी शामिल होंगे। एपेक्स स्तर पर बड़े कनेक्ट ईवेंट्स, करियर काउंसलिंग, वेल्यू एजुकेशन स्कॉलरशिप, संयुक्त ग्लोबल ट्रेड अवसर और उद्योग संबंधित ट्रेड मेला आयोजित करने की मंशा भी व्यक्त की। जीतो केकेजी जोन चेयरमैन प्रवीण बाफना ने दोनों चैप्टर्स की महिला विंग की चेयरपर्सन बबिता रायसोनी और लक्ष्मी बाफना तथा टीम को शपथ दिलाई। इसके बाद जीतो यूथ एपेक्स चेयरमैन रजत आर्डी ने जीतो बेंगलूरु यूथ विंग चेयरमैन मेहुल जैन और अनीश भिजानी तथा टीम को शपथ ग्रहण करवाई।

कार्यक्रम के दौरान जीतो एपेक्स चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी, जीतो एपेक्स अध्यक्ष विजय भंडारी और जीतो केकेजी जोन चेयरमैन प्रवीण बाफना ने अपने विचार व्यक्त किए। जीतो के मूल सिद्धांत, यानी सेवा, ज्ञान और आर्थिक सशक्तिकरण को पूरी तन्मयता से अपनाने पर उन्होंने जोर दिया। कोठारी ने जैन सामज की एकता के लिए भगीरथ प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने श्रमण आरोग्यम परियजोना की सराहना की और कहा कि जैन साधु साध्वी भगवंत की सेवा के हितार्थ यह प्रयास अत्यंत महत्व-पूर्ण और पुण्यदायी है। जीतो एपेक्स अध्यक्ष विजय भंडारी ने नई टीम को बधाई दी। श्रमण आरोग्यम के चेयरमैन रमेश हरण ने परियोजना पर अधिक रोशनी डाली। इस नेक कार्य को समर्पित परियोजना में छ नए ट्रस्टी सदस्यों के शामिल होने तथा बेंगलूरु साउथ में सात नए पेट्रन सदस्यों के शामिल होने की घोषणा की गई।

इनकी रही उपस्थिति

इस विशेष शाम को दिवाली के स्वागत की खुशियों के नाम किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। कन्या समूह द्वारा रंगा-रंग संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में पधारने वाले प्रथम 108 परिवारों को अर्ली बर्ड पुरस्कार दिए गए। इसके अलावा लकी ड्रा के तहत इनाम भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में फूड कमेटी की जिम्मेदारी दोनों चैप्टर से नेमीचंद चोपरा, महावीर दांतेदाडिया, राकेश पोकरणा, विनोद नंदावत ने निभाई। कार्यक्रम में संयोजक के रूप में सफल साकरिया, कोमल भंडारी, दिनेश बाफना, राकेश पोकरणा का योगदान उल्लेखानीय रहा।

कार्यक्रम में जीतो एपेक्स उप-चेयरमैन हिमांशु शाह, उपाध्यक्ष कमलेश सोजतिया, नरेंद्र श्रीश्रीमाल, सचिव ललित कुमार डाँगी, कोषाध्यक्ष संपत राज चापलोत, श्रमण आरोग्यम उपाध्यक्ष पारस चौटीआ, जेएटीएफ अध्यक्ष गौतम जैन, जेएटीएफ उपाध्यस रमेश चंद बोहरा, जीतो बेंगलूरु साउथ के उपाध्यक्ष महेंद्र जियानी, महेंद्र रांका, राजकुमार कोठारी, राजेंद्र दांतीवाडिया, महामंत्री नितिन लूणिया, कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, सहमंत्री कोमल भंडारी, प्रतीक गांधी, सह-कोषाध्यक्ष महावीर दांतीवाडिया, नरेंद्र सकलेचा, नॉर्थ के उपाध्यक्ष कमल पुनमिया, दिनेश कुमार बाफना, महामंत्री विजय सिंघवी, कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार आच्छा आदि सदस्य उपस्थित रहे।

दुखों से बचने के लिए कामनाओं का करें त्याग: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ. वरुणमुनि ने उत्तराध्ययन सूत्र के छठे अध्ययन का विवेचन करते हुए कहा कि निश्चय पूर्वक कहा जा सकता है कि दुःख कामना शक्ति से उत्पन्न होता है।

कामना के क्षेत्र में दुःख का जन्म होता है। इच्छा की भूमि पर जहाँ कामनाएं हैं, विविध विषयों को प्राप्त करने की लालसाएं हैं, वहां शान्ति का अस्तित्व कैसे रह सकता है। कामाशक्ति मनुष्य की मानसिक शान्ति का अपहरण करने में बड़ी ही कुशल होती है। वह व्यक्ति को विषयों की सामग्री एकत्र करने के लिए प्रेरित करती है। प्राणियों के मस्तिष्क में वह ऐसा भ्रम पैदा कर देती है कि जिससे वे वास्तविक स्थायी आध्यात्मिक सुख की उपेक्षा करके बाहर से प्राप्त होने वाले क्षणिक सुख की ओर आकृष्ट हो जाते हैं। इस प्रकार जीवनभर परिश्रम करके भी दौड़-धूप करके भी जीवन के सच्चे आनन्द से वंचित रहते हैं। ज्ञानी ऐसे व्यक्तियों को सावधान करते हुए कहते हैं कि जहाँ कामनाएं हैं, वासनाएं हैं, लालसाएं हैं, इच्छाएं है वहां चिन्ताएं निवास करती हैं। जहां भी चिन्ताएं हैं, वहां दुःखानुभूति अवश्य रहती है। अतःदुःखों से बचने के लिए कामनाओं का त्याग कीजिये। पूर्व में रूपेशमुनि ने उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन एवं गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

राज्य स्तरीय क्रिएटिविटी प्रतियोगिता का आयोजन

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ सभा भवन चिकमगलूरु के प्रांगण में मुनि श्री मोहजीत कुमार जी के सानिध्य में राज्य स्तरीय क्रिएटिविटी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुनि श्री के आशीर्वचन के साथ नमस्कार महामंत्र से हुआ।

उन्होंने बच्चों को नशा मुक्ति जीवन जीने की प्रेरणा देते हुए उनके शुभ भविष्य के लिए आशीर्वचन दिया। अणुव्रत समिति की ओर से अध्यक्षा मंजू भंसाली ने आए हुए सभी अतिथियों एवं बच्चों का स्वागत करते हुए कहा अणुविभा का यह एक ऐसा सुंदर उपक्रम है, जिसमें बच्चों का व्यक्तित्व निर्माण एवं संस्कारों का बीजारोपण होता है।

अणुविभा के संगठन मंत्री एवं एसीसी के राष्ट्रीय संयोजक राजेश चावत ने अणुव्रत समिति चिकमगलूरु की सराहना करते हुए इस प्रतियोगित में भाग लेने वाले

विद्यार्थियों को एसीसी के बारे में जानकारी दी। चिकमगलूरु के एटीआई कॉलेज के वाइस चांसलर सुब्बाराय, विधायक तम्मैया की धर्मपत्नी मंगला एवं ब्रह्माकुमारी की भाग्य लक्ष्मी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और अपने विचारों की अभिव्यक्ति दी। सुब्बाराय ने कहा बच्चों की प्रतिभा को उभारने में अणुव्रत समिति बहुत सुंदर कार्य कर रही है। बच्चों में प्रतियोगिता में भाग लेने की मानसिकता बहुत जरूरी है। चार दिवारी तक आपकी शिक्षा सीमित न होकर देशव्यापी बने। आध्यात्मिक और विज्ञान सिक्के के दो पहलू हैं, जो आपको ऊपर तक ले जाने में सहायक है। भाग्य लक्ष्मी ने कहा आज के बच्चे कल का भविष्य हैं। उनमें इस उम्र से ही आध्यात्मिकता और विज्ञान के बारे में समझाने का सुंदर उपक्रम है, जो राष्ट्र निर्माण के लिए बहुत ही सहायक है। कर्नाटक राज्य के बेंगलूरु, मैसूरु, हुब्बल्ली, धारवाड़, हासन, चिकमगलूरु आदि क्षेत्र से 60 बच्चों ने प्रतियोगिता में उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता का विषय व्यक्तित्व निर्माण से राष्ट्र निर्माण था। संगीत, भाषण, कविता, चित्रकला एवं निबंध पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में तेरापंथ सभा अध्यक्ष महेंद्र डोसी, ट्रस्ट, महिला मंडल युवक परिषद, टीपीएफ के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी, महासभा के कार्यकरणी माणक गादिया, विपुल छाजेड़, जैन संघ के अध्यक्ष कांतिलाल, मूर्ति पूजक संघ के अध्यक्ष लालचंद बरलोटा, पार्षद विपुल छाजेड़, गौतम गादिया, लालचंद भंसाली, अणुव्रत समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों की उपस्थिति रही। सभी विद्यार्थियों का अणुव्रत समिति के मंत्री गौतम आच्छा (कर्नाटक राज्य प्रभारी) द्वारा प्रमाणपत्र एवं मोमेंटो देकर प्रोत्साहित किया गया। 15 निर्णायकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन भरत बरलोटा ने किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में टोटल 20 विद्यार्थी प्रथम आएं जिसमें चिकमगलूरु 14, बेंगलूरु 2, हासन 1, धारवाड़ 1 और मैसूरु के 2 शामिल हैं।

मन को शिक्षित करना इंसान की सबसे बड़ी चुनौती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि संपदा और विपदा दोनों जीवन में अनिवार्य आती जाती रहती है। संपदा के समय यदि अंहकारी बन गए और विपदा के समय घबरा गए तो समझना की हम जीवन की हार की तरफ जा रहे हैं। मन को शिक्षित करना, इंसान की सबसे बड़ी चुनौती है। मन के सामने अनुकूलता के प्रसंग बनते हैं तब मन प्रसन्न हो जाता है। प्रतिकूलता के निमित्त सामने आने पर मन में क्रोध आ जाता है। ऐसा होने पर समझ लेना हमने जीवन में धन वैभव रिद्धि सिद्धि भले ही कमाई कर करोड़ो जोड़ लिया, लेकिन मन से हार गए। मन की धारा को शांत करना सीखना है। मन पर कुछ भी नकार लेने की बजाय सहजता मय बनना, यहीं से हमारी जीत शुरू होती है। जन्म मृत्यु जीवन के दो किनारे हैं, उन किनारों में एक जीवन शुरू कराता है, दूसरा उस जीवन का अंत कराता है। संपदा और विपदा ये पुण्य पाप के फल हैं।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष ललित मंडोत एवं कार्यकारिणी टीम ने ली शपथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ, बेंगलूरु की नवगठित टीम, नवनिर्वाचित अध्यक्ष ललित मंडोत सहित परामर्शक, पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, क्षेत्रीय प्रभारी व सह प्रभारी का शपथ ग्रहण समारोह यशवंतपुर स्थित मेवाड़ भवन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र द्वारा किया गया। तत्पश्चात पंडित द्वारा श्री गणेश अष्टकम की स्तुति की गई। पधारे महानुभावों का स्वागत ललित मांडोत ने किया।

पूर्व अध्यक्ष सोहनलाल मांडोत ने अध्यक्ष की शपथ करवाई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने अपनी नवगठित टीम की घोषणा करते हुए सभी को संघ की गोपनीयता की शपथ दिलवाई। राज्य सभा सदस्य लहर सिंह सिरोया ने अध्यक्ष एवं नई टीम के प्रति शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए स्वयं

मेवाड़ की धारा के सदस्यता पर गर्व करते हुए कहा कि हर कार्य में संघ के प्रति सेवा प्रदान करेंगे। उन्होंने संघ से निवेदन किया कि कोई भी कार्य हो तो उनको निशंकोच जानकारी प्रदान करें। यशवंतपुर मेवाड़ भवन के मंत्री मदन बोराणा, मेवाड़ जैन सेवा संघ से राजेश चावत ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मेवाड़ जैन मित्र मंडल के गौतम मांडोत व टीम ने अपने आगामी कार्यक्रम अपनों से अपनी बात की अध्यक्षता हेतु ललित मांडोत से निवेदन करते हुए कार्यक्रम की पत्रिका का विमोचन किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संघ सेवा हेतु सभी को निस्वार्थ भावना से तन, मन एवं धन से सहयोग के लिए आगे रहना चाहिए। कार्यक्रम में प्रवीण दक एवं अनिल पोखरणा का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ। नवगठित टीम, समाज के वरिष्ठ सहित मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ, बेंगलूरु के महानुभावों की भरपूर उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री सुरेश गन्ना ने किया।

गौशाला में जीव दया कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ कर्नाटका बेंगलूरु की युवा शाखा श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल युवा संगठन द्वारा 60वें मानव सेवा और जीव दया कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को बेंगलूरु से करीब 120 किमी दूर स्थित ध्यान फाउंडेशन चैत्रा गौशाला दोडाभयद्राहल्ली पांडवपुरा रोड में जीव दया कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मंगलाचरण से शुरुआत करते हुए युवा अध्यक्ष राकेश संचेती ने प्रायोजक परिवार एवं पधारे हुए सभी का स्वागत किया।

युवा संगठन द्वारा गौशाला में गायों को चारा, रोटी, गुड और केले खिलाए गए एवं सेड निर्माण हेतु विशेष आर्थिक सहयोग राशि प्रदान की गई। युवा मंत्री प्रकाश बाबेल ने कार्यक्रम का सुंदर संचालन करते हुए प्रायोजक परिवार एवं सभी का आभार व्यक्त किया। मानव सेवा प्रभारी महावीर ओस्तवाल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष अरिहंत कावड़िया, कोषाध्यक्ष राजेश बाफना, सह मंत्री प्रवीण कक्कड़, राहुल कावड़िया, संगठन मंत्री मनीष टुकलिया, खेल प्रभारी संदीप चौधरी, प्रचार प्रसार प्रभारी नरेश कोठारी समेत अन्य लोग उप-स्थित थे। गौशाला की संचालिका चैत्रा ने सहयोग और सेवा कार्य की सराहना करते हुए भविष्य में भी मदद की अपेक्षा की।

राजराजेश्वरी नगर उत्तम ज्ञानशाला के सम्मान से सम्मानित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ सभा बेंगलूरु के तत्व-ावधान में संचालित राजाराजेश्वरी नगर, ज्ञानशाला को संस्था शिरोमणि श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के ज्ञानशाला प्रकोष्ठ द्वारा संचालित ज्ञानशालाओं में अखिल भारतीय स्तर पर उत्तम ज्ञानशाला 2022 के सम्मान से सम्मानित किया गया। सूरत में आयोजित राष्ट्रीय ज्ञानशाला प्रशिक्षक सम्मेलन व दीक्षांत समारोह में परम पूज्य गुरुदेव के पावन सान्निध्य में ज्ञानशाला संयोजिका प्रिया छाजेड़ ने पुरस्कार ग्रहण किया। प्रिया छाजेड़ पिछले 13 वर्षों से ज्ञानशाला का संचालन बड़ी कुशलता एवं मनोयोगपूर्वक कर रही हैं। उन्होंने कहा इस उपलब्धि में हमारी सभी प्रशिक्षिका बहनों एवं प्रभारी विकास दुगड़ का योगदान रहा है। विशेष रूप से स्व संपतद-ेवी बोथरा का अहम योगदान रहा, जिन्होंने हमारे क्षेत्र में ज्ञानशाला आरम्भ करवाई एवं इस जिम्मेदारी हेतु मुझ पर इतना विश्वास किया। वर्तमान में लगभग 75 बच्चें ज्ञानशाला के माध्यम से लाभान्वित हो रहे हैं। तेरापंथ सभा बेंगलूरु के तत्वावधान में आंचलिक संयोजक माणकचंद संचेती एवं स्थानीय संयोजिका नीता गादिया का हमें पूरा सहयोग मिलता है। तेरापंथी सभा राजाराजेश्वरी नगर के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने कहा कि आज के इस भौतिक युग में बच्चों में संस्कारोपण का कार्य ज्ञानशाला के माध्यम से किया जा रहा है।

अभिनंदन समारोह का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री मोहजीत कुमारजी के सानिध्य में मलनाड क्षेत्रीय तेरापंथ समिति के तत्वावधान में श्रमण महावीर जीवन दर्शन प्रतियोगिता के विजेताओं का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया।

मलनाड समिति की तरफ से सभी विजेताओं, सयोजिकाओं को पुरस्कृत किया गया। मुनि भव्य कुमारजी ने परीक्षा के माध्यम से सभी प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया। मुनि जयेश कुमारजी ने सभी के प्रति मंगलकामना व्यक्त की। मलनाड क्षेत्रीय तेरापंथ समिति के अध्यक्ष महावीर भंसाली ने सभी का स्वागत किया। मंत्री दलीचंद भटेवडा, कोषाध्यक्ष गौतम आच्छा, उपाध्यक्ष गौतम गादिया, संगठन मंत्री पुष्पराज गादिया, चिकमगलूरु सभा अध्यक्ष महेंद्र दोसी समेत अन्य लोगों की उपस्थिति रही। सभी का आभार दलीचंद भटेवरा ने व्यक्त किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *हैदराबाद में विराजित आगम ज्ञाता वाणी के जादूगर समकितमुनि का आगामी 2025 का होली चातुर्मास राजाजीनगर बेंगलूरु श्री संघ को प्राप्त हुआ है। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्यों ने पूर्व में होली चातुर्मास की विनती गुरुदेव के समक्ष रखी थी और सोमवार को राजाजीनगर युवा सदस्यों ने उपस्थित होकर पुनः विनती रखी। जिसे गुरुदेव ने स्वीकृति प्रदान की। संघ के मंत्री नेमीचंद दलाल ने बताया कि इस अवसर पर मिलाप धारिवाल, राकेश लोढ़ा, अमित डांगी, आनंद नाहर, पंकज दूनीवाल व अन्य युवा सदस्य उपस्थित रहे।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *जेजे नगर गौरिपाल्या में आयोजित माता श्री दोडम्मा देवी पूजा उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विशेष पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। साथ ही अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

कानून और व्यवस्था, विकास, अर्थव्यवस्था जीडीपी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं: सीएम

पुलिस स्मृति दिवस समारोह में हुए शामिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को कहा कि कानून और व्यवस्था की स्थिति, विकास, अर्थव्यवस्था और जीडीपी सभी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं और उन्होंने पुलिस से शांति बनाए रखने में अपना सर्वश्रेष्ठ देने को कहा। बेंगलूरु में पुलिस स्मृति दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर राज्य की कानून और व्यवस्था की स्थिति अच्छी है तो पूंजी प्रवाह और निवेश में सुधार होता है, जिससे अधिक नौकरियां पैदा होती हैं और विकास को बढ़ावा मिलता है। ये सभी कदम एक साथ उठाए जाने से लोगों की प्रति व्यक्ति आय में सुधार होता है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि को बढ़ावा मिलता है। सिद्धरामैया ने कहा कि कांग्रेस सरकार पुलिसकर्मियों की स्थिति में सुधार लाने और नागरिकों की मदद करने के लिए उन्हें स्वतंत्र और निडर तरीके से काम करने में सक्षम बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य में 200 करोड़ रुपये की लागत से 100 नये पुलिस थाने स्थापित किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने 2025 तक 10,000 पुलिस आवासों के निर्माण के लिए 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों के बच्चों के लाभ के लिए सात विभिन्न प्रमुख स्थानों पर सात पब्लिक स्कूल खोलने की घोषणा की।

उन्होंने बताया कि अपराध को रोकने के लिए बेंगलूरु के अलावा राज्य के अन्य शहरों में 6000 सीसी कैमरे और 260 से अधिक राजमार्ग गश्ती वाहन ड्यूटी पर हैं, जिसके लिए सरकार लोगों के जीवन और संपत्तियों की रक्षा करने वाले पुलिस कर्मियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

हमारी सरकार पुलिस को स्वतंत्र रूप से कार्य करने में पूरा सहयोग देगी। पिछले एक साल में देश में 216 और प्रदेश में 12 पुलिसकर्मियों और अधिकारियों की ड्यूटी के दौरान मौत हो चुकी है। मैं उनकी शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और परिवार के दुख में शामिल हूं।

उन्होंने कहा कि ये सभी देश और प्रदेश में कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए, लोगों के जीवन और सम्मान की रक्षा करते हुए शहीद हुए हैं।

हमारे पुलिसकर्मी देश में आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने, हिंसा, अपराध और आपदाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए उनकी जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। जिस समाज में असमानता होगी, वहां शोषण और अत्याचार तो होंगे ही। यह हमारी पुलिस ही है जो इन उत्पीड़ित लोगों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने में मुख्य भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि सरकार उनके साथ रहेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि कानून-व्यवस्था और देश की जनता का जीडीपी के बीच सीधा संबंध होना चाहिए, तभी कानून-व्यवस्था पर्याप्त होगी। निवेश से रोजगार सृजन बढ़ेगा। रोजगार सृजन से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। अर्थव्यवस्था तेज होगी तो विकास बढ़ेगा।

इस मौके पर गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर, मुख्य सचिव शालिनी रजनीश, अपर मुख्य सचिव अतीक एलके, गृह सचिव उमाशंकर, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदराजू, नसीर अहमद, राज्य के पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन उपस्थित थे।

भाजपा द्वारा फैलाए जा रहे झूठ से सावधान रहें कैबिनेट सहयोगी: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अपने कैबिनेट सहयोगियों को उपचुनाव से पहले भाजपा द्वारा फैलाए जा रहे झूठ से सावधान रहने और उन्हें प्रभावी ढंग से जवाब देने को कहा।

मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक नोट के अनुसार, मुख्यमंत्री ने बैठक में उपस्थित लोगों से कहा कि तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस उम्मीदवारों के उपचुनाव जीतने की पूरी संभावना है और भाजपा नेताओं द्वारा बोले गए किसी भी झूठ को लोगों के सामने उजागर किया जाना चाहिए। लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद, भाजपा नेताओं ने झूठ फैलाया कि गारंटी वापस ले ली जाएगी। अब भी, वे नए झूठ गढ़ेंगे, जिनका जवाब देने की जरूरत है।

उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इस चुनाव के दौरान केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग भी बढ़ेगा। हालांकि मुख्यमंत्री ने संकेत दिया है कि अगली कैबिनेट बैठक में जाति जनगणना पर चर्चा की जाएगी, लेकिन उन्होंने अपने सहयोगियों को चेतावनी दी है कि भाजपा इस पर भी झूठ फैला सकती है। जाति जनगणना, आंतरिक आरक्षण और पंचमसालियों द्वारा 2ए आरक्षण की मांग पर हमने समुदाय के नेताओं से मुलाकात की है और उन्हें अपने समर्थन के लिए राजी किया है। हालांकि, भाजपा नकारात्मक प्रचार में लिप्त रहेगी क्योंकि वह केवल झूठ फैलाना जानती है।

कर्नाटक सरकार शरावती नदी का पानी नहीं भेजेगी बेंगलूरु: सागर विधायक

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

सागर विधायक बेलूर गोपालकृष्ण ने सागर के लोगों को भरोसा दिलाया है कि कर्नाटक सरकार शरावती नदी का पानी बेंगलूरु नहीं भेजेगी। यहां सोमवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कांग्रेस विधायक ने कहा कि यह परियोजना भाजपा शासन के दौरान प्रस्तावित की गई थी, जब बसवराज बोम्मई मुख्यमंत्री थे। कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद इस प्रस्ताव पर आगे अध्ययन किया गया। उन्होंने कहा सरकार का अनुमान है कि इस परियोजना पर 20,000 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। मैंने भी इस परियोजना पर अपनी राय मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को बताई। दोनों ने मुझे भरोसा दिलाया कि सरकार इस परियोजना को हाथ में नहीं लेगी। प्रस्तावित परियोजना का विरोध कर रहे सागर तालुक के लोगों, कार्यकर्ताओं, पर्यावरणविदों और संतों के विरोध का जिक्र करते हुए विधायक ने कहा कि उन्हें इस परियोजना के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। बांध परियोजनाओं के कारण सागर के लोग पहले ही परेशान हो चुके हैं। सैकड़ों परिवार विस्थापित हो चुके हैं। वे एक अन्य परियोजना के प्रभाव को लेकर चिंतित हैं। मैंने आम लोगों की भावनाओं से सरकार को अवगत करा दिया है। जिले में बांध परियोजनाओं के कारण विस्थापित लोगों को भूमि देने के मुद्दे पर किसानों के विरोध के बारे में विधायक ने कहा अब मामला अदालत में है। कांग्रेस सरकार ने मामले को संभालने के लिए कुशल अधिवक्ताओं को नियुक्त किया है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सांसद बी.वाई. राघवेंद्र इस मुद्दे को सुलझाने में विफल रहे हैं। गोपालकृष्ण ने कहा कि सरकार तीन एकड़ से कम भूमि वाले किसानों को बेदखल नहीं करेगी। वन मंत्री ने तीन एकड़ से कम भूमि वाले लोगों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। हम ऐसे किसानों के साथ खड़े रहेंगे।

महिलाओं पर कथित टिप्पणी का मामला

कोर्ट ने राहुल गांधी से माफी मांगने वाली जनहित याचिका खारिज की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सोमवार को एक जनहित याचिका (पीआईएल) खारिज कर दी, जिसमें मांग की गई थी कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारतीय महिलाओं की गरिमा को कथित रूप से धूमिल करने के लिए माफी मांगें। यह जनहित याचिका इस दावे से उपजी है कि गांधी ने जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर झूठा आरोप लगाया था कि उन्होंने बलात्कार और यौन शोषण के आरोपों का सामना करते हुए 400 महिलाओं के साथ बलात्कार किया और इस कृत्य को फिल्माया। मुख्य न्यायाधीश एनवी अंजारिया और न्यायमूर्ति के अरविंद की पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि यह न्यायिक समय की बर्बादी है। न्यायालय ने याचिका दायर करने के लिए याचिकाकर्ता, अखिल भारतीय दलित एक्शन कमेटी पर 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि सार्वजनिक भाषण के दौरान की गई गांधी की टिप्पणी बेहद गैरजिम्मेदाराना और अपमानजनक थी, खासकर हासन की महिलाओं के लिए। उन्होंने न्यायालय से अनुरोध किया कि गांधी को नोटिस जारी किया जाए, ताकि वे आरोपों का जवाब देने के लिए बाध्य हों। वकील ने कहा गांधी एक सीरियल अपराधी हैं। उन्होंने गांधी द्वारा दिए गए पिछले बयानों का हवाला दिया, जिसमें मोदी उपनाम वाले व्यक्तियों के बारे में टिप्पणियां शामिल हैं। याचिकाकर्ता ने गांधी के कथित नागरिकता संबंधी मुद्दों का भी हवाला दिया, जो दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित हैं, जो उनके कदाचार के आगे के सबूत हैं।

हालांकि, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने याचिका में कोई योग्यता नहीं पाई और इसे जुर्माने के साथ खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता के वकील ने जुर्माने में छूट की मांग की और तर्क दिया कि उन्हें सही कार्रवाई करने के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए। जनहित याचिका में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि गांधी के बिना सबूत के लगाए गए आरोपों ने जनता को गुमराह किया और भारतीय महिलाओं की विनम्रता का अपमान किया, विशेष रूप से नए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधानों के प्रकाश में। याचिका में तर्क दिया गया कि गांधी का बयान घृणास्पद भाषण है और लिंग आधारित घृणा को बढ़ावा देता है। इसमें अदालत से यह निर्देश भी मांगा गया कि गांधी सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और राष्ट्रीय महिला आयोग से उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करने को कहा जाए। याचिकाकर्ता की अपील के बावजूद, अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि मामले में आगे विचार करने की आवश्यकता नहीं है।

भारी बारिश के कारण बेंगलूरु शहर में जनजीवन प्रभावित

शहरवासी एक बार फिर हुए परेशान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सिलिकॉन सिटी में लगातार बारिश से शहरवासी एक बार फिर परेशान हो गए हैं। पिछले मंगलवार और बुधवार को लगातार बारिश हुई और भारी तबाही मची। दो दिन के विराम के बाद शनिवार शाम को बारिश शुरू हुई, जिससे निचले इलाकों के कई घरों और अपार्टमेंटों में पानी भर गया और भारी गंदगी हो गई। वहीं दूसरी ओर सड़कों पर भारी मात्रा में पानी भर गया और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बन्नेरघट्टा रोड विजयश्री लेआउट, हुलिमावु मेट्रो स्टेशन, ईजीपुरा, नागदेवनहल्ली, बटारायणपुरा, पुलकेशी नगर, कांतिरवा इंडोर स्टेडियम, शिवानंद अंडरपास, केंगेरी, आरआर नगर, इलेक्ट्रॉनिक सिटी, कुमारस्वामी लेआउट, उत्तराहल्ली, विल्सन गार्डन, सैंकी अंडरपास, ओकलीपुरम, मैसूरु रोड, शिवनहल्ली, केआरपुरा, केरेमावु, चौडप्पा बारंगे, कावेरी बारंगे सहित शहर के अधिकांश घनी आबादी वाले इलाके जलमग्न हो गए, एक द्वीप में बदल गए और निवासियों को फंसे रहना पड़ा। ईजीपुरा की मुख्य सड़क पूरी तरह से जलमग्न हो गई, पानी जमा होने के कारण यातायात बाधित हो गया और सवारियां झील जैसी सड़क पर अपने वाहन चलाते देखी गईं। वर्षाधारा के साथ-साथ गट्टीगेरे, आरआर नगर की मुख्य सड़कों पर मछलियां देखी गईं और स्थानीय लोग मछली पकड़कर खुश हुए। झील के ओवरफ्लो होने और पानी सड़क पर आने से मछलियां बह गईं और लोगों ने जाल लगाकर मछलियां पकड़ीं। राजराजेश्वरी नगर के बीईएमएल लेआउट में, पानी घरों में घुस गया और पार्किंग में खड़ी कारें और दोपहिया वाहन डूब गए और क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे भारी नुकसान हुआ। इसी तरह, नागदेवनहल्ली के निचले इलाकों के घरों में पानी घुस गया और रविवार दोपहर तक जल स्तर कम हो गया। इस मौके पर लोग बाहर निकले और जरूरी सामान लेकर घर चले गये। फिर रात की बारिश ने पानी भर दिया। बटारायणपुर में घरों में पानी भर गया, किराने का सामान, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पानी में तैर रहे थे। पुलकेशीनगर समेत अधिकांश निचले इलाकों के घरों में पानी घुस गया और भारी तबाही मच गयी। लगातार बारिश के कारण केआर बाजार में भारी व्यवधान हो गया, घुटनों तक पानी भर गया। शिवानंद अंडरपास, सैंकी अंडरपास, ओकलीपुरम की सड़कें झील की तरह थीं और दोपहिया सवार और ऑटो चालक संघर्ष कर रहे थे। जैसे ही गाड़ी पानी में चली, पानी इंजन में घुस गया और गाड़ी रोककर किनारे लगा दी गई। इससे ऑटो और दोपहिया वाहन चालकों को गंभीर वित्तीय कठिनाई का सामना करना पड़ा। एक तरफ लोग बारिश से परेशान हैं तो दूसरी तरफ संक्रामक बीमारी का डर भी लोगों को सता रहा है। लगातार बारिश के कारण कूड़ा निस्तारण में दिक्कत हो रही है, कूड़ा सड़ रहा है और बदबू दे रहा है। यह मच्छरों का प्रजनन स्थल बन गया है।

सुरक्षा उपाय करने के निर्देश

बीबीएमपी ने राजधानी में भारी बारिश के मद्देनजर सुरक्षा उपाय करने के निर्देश दिए हैं। निगम ने बारिश होने पर किसी भी कारण से घर से बाहर नहीं निकलने की हिदायत दी है। बारिश होने पर पेड़ों के नीचे खड़े न होने और कंक्रीट की दीवारों पर न झुकने और बिजली के खंभों और ट्रांसफार्मर के पास चलते समय सावधान रहने की सलाह दी गई है। बारिश के कारण सड़कों पर गड्ढे हो गए हैं और वाहन चालकों को वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। आपातकालीन सेवाओं के लिए लोगों को 1533 पर संपर्क करने की सलाह दी गई है। बेंगलूरु के अलावा तुमकुरु, मैसूरु, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, शिवमोग्गा, कोलार, बेल्लारी, रायचूर, हुब्बल्ली, धारवाड़, मेंगलूरु, चिकमंगलूरु, उत्तरी कर्नाटक समेत राज्य के ज्यादातर जिलों में बारिश हो रही है। खेतों और बगीचों में पूरी तरह से पानी भर गया और भारी मात्रा में फसल नष्ट होने के कारण किसान गंभीर वित्तीय संकट में हैं।

अगले तीन दिनों तक भारी बारिश के संकेत, येलो अलर्ट घोषित

वातावरण में बदलाव के कारण मानसून की बारिश फिर से शुरू हो गई है और राजधानी बेंगलूरु समेत राज्य के कई हिस्सों में लगातार बारिश हो रही है। भद्रावती तालुक के दासरकल्लहल्ली में 146 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं बेंगलूरु के पूर्वी हिस्से वन्नारपेट में 70.5 मिमी बारिश हुई। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक अगले चार दिनों तक बारिश जारी रहेगी। मौसम विभाग ने तीन दिनों तक राज्य के दक्षिणी और उत्तरी अंदरूनी इलाकों में भारी बारिश के मद्देनजर येलो अलर्ट जारी किया है। उत्तर-पूर्वी हवाओं की शुरुआत के बाद, मेलाई चक्रवात और अवसाद एक के बाद एक घटित हो रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार इसके परिणामस्वरूप राज्य में बादल छाए हुए हैं और लगातार बारिश हो रही है। बंगाल की खाड़ी में चक्रवात मेलाई बना हुआ है। एक और चक्रवात की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि 26 तारीख तक राज्य में बारिश जारी रहने के संकेत हैं। पिछले तीन-चार दिनों से बेंगलूरु समेत राज्य के कई जिलों में लगातार बारिश हो रही है। कल्याण कर्नाटक को छोड़कर राज्य के सभी हिस्सों में बारिश हुई।

चन्नपट्टना विधानसभा सीट को लेकर

भाजपा, जेडीएस के बीच कोई दरार नहीं: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने सोमवार को आगामी उपचुनाव के लिए चन्नपट्टना विधानसभा सीट को लेकर भाजपा और जेडी(एस) के बीच खींचतान की खबरों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि एनडीए जल्द ही सीट को लेकर फैसला लेगा। अशोक ने कहा चन्नपट्टना विधानसभा सीट को लेकर कोई खींचतान या कुछ भी नहीं है। मैंने कुमारस्वामी से इस बारे में 2 घंटे तक चर्चा की। वह अच्छे दोस्त हैं, कोई समस्या नहीं है।

उन्होंने कहा हम मंगलवार सुबह चुनाव चिह्न पर फैसला करेंगे, चाहे वह जेडीएस हो या भाजपा। इसका फैसला एनडीए करेगा। कुमारस्वामी भी इस सीट के प्रमुख हिस्सेदार हैं। रविवार को

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि कुछ लोग कांग्रेस उम्मीदवार को लाभ पहुंचाने के लिए चन्नपट्टना विधानसभा सीट को लेकर जेडी(एस) और भाजपा के बीच दरार पैदा करने की साजिश कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि उनकी योजना सफल नहीं होगी। चन्नपट्टना में 13 नवंबर को उपचुनाव होंगे। यह सीट जेडी(एस) के प्रदेश अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी के मांड्या संसदीय क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद खाली हुई थी। मांड्या जिले के सीतापुरा गांव में धान के खेत का निरीक्षण करने के बाद मीडिया से बात करते हुए कुमारस्वामी ने चन्नपट्टना में सीपी योगेश्वर के कथित नामांकन के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दिया। उन्होंने स्पष्ट किया हमने पहले ही अपने परिवार के एक सदस्य को बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के लिए भाजपा उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा है।

मुझे उम्मीद है कि हमारे सहयोगी इस उदारता का बदला लेंगे, और मुझे विश्वास है कि वे ऐसा करेंगे। योगेश्वर की संभावित उम्मीदवारी के बारे में अटकलों को संबोधित करते हुए कुमारस्वामी ने कहा इस बारे में मुझसे कोई चर्चा नहीं हुई है। मुझे सूचित नहीं किया गया है, और मेरे सामने कोई प्रस्ताव पेश नहीं किया गया है। मैंने केवल मीडिया में रिपोर्ट देखी हैं। कांग्रेस नेताओं द्वारा योगेश्वर से कथित तौर पर मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर कुमारस्वामी ने कहा पिछले पंद्रह दिनों से अफवाहें चल रही हैं कि वह स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ सकते हैं। कांग्रेस उन्हें अपने पाले में लाने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही है। उनका लक्ष्य हमारे बीच फूट डालना है। कुमारस्वामी ने कांग्रेस पर एनडीए गठबंधन के भीतर कलह पैदा करने के लिए अवसर की प्रतीक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कांग्रेस चन्नपट्टना में स्वतंत्र रूप से नहीं जीत सकती, इसलिए वे दरार पैदा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए धैर्य रख रहा हूं कि उन्हें वह मौका न मिले। हमारे पास अभी भी चार दिन बचे हैं। हम चर्चा करेंगे और बुधवार तक अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि चन्नपट्टना टिकट को लेकर दिल्ली स्तर पर कोई समस्या नहीं है, क्योंकि वे पिछले दो कार्यकाल से इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

कर्नाटक में कक्षा 8, 9 और 10 के लिए

अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित करने पर सुप्रीम रोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को निर्देश दिया कि कर्नाटक के किसी भी जिले में कक्षा आठ, नौ और दसवीं के लिए अर्धवार्षिक परीक्षाओं के परिणाम अगले नोटिस तक घोषित नहीं किए जाने चाहिए। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और एससी शर्मा की पीठ ने कर्नाटक माध्यमिक शिक्षा परीक्षा बोर्ड (केएसईएबी) से संबद्ध स्कूलों में कक्षा 5, 8, 9 और 11 के लिए बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के कर्नाटक सरकार के फैसले के खिलाफ एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश जारी किया। यह निर्देश तब आया जब एक वकील ने अदालत को कक्षा 10 के लिए अर्धवार्षिक बोर्ड परीक्षा के बारे में सूचित किया। अदालत ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि अन्य राज्यों में अर्धवार्षिक बोर्ड परीक्षाएं नहीं होती हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि ऐसी परीक्षाएं नहीं हो सकतीं और इसे राज्य का अहंकार का मुद्दा कहा। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि केवल बोर्ड परीक्षा होती है, अर्धवार्षिक बोर्ड परीक्षा नहीं। कर्नाटक सरकार के वकील ने कहा कि वे हलफनामा दाखिल करेंगे, जिसमें बताया जाएगा कि छात्रों के अंकों में गिरावट के कारण परीक्षाएं शुरू की गई थीं। अदालत ने कर्नाटक सरकार को हलफनामा दाखिल करने के लिए समय दिया, लेकिन इस बीच आदेश दिया कि अगले आदेश तक किसी भी जिले में कक्षा 8, 9 और 10वीं की अर्धवार्षिक बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित नहीं किए जाने चाहिए। अदालत ने कहा कि यह प्रथा कर्नाटक के लिए अनूठी लगती है और सुझाव दिया कि यदि राज्य वास्तव में अपने छात्रों के लिए उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करना चाहता है, तो उसे अच्छे स्कूल खोलने और सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। पिछली सुनवाई के दौरान, कर्नाटक सरकार ने अदालत को सूचित किया था कि कक्षा 5वीं, 8वीं, 9वीं और 11वीं के लिए बोर्ड परीक्षाओं की अधिसूचना वापस ले ली गई है। हालांकि, सोमवार सुबह, अपीलकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील के.वी. धनंजय ने तर्क दिया कि वापसी को पूरी तरह से लागू नहीं किया गया है और यह केवल 10वीं कक्षा को छोड़कर सात जिलों पर लागू है। अदालत ने असंतोष व्यक्त करते हुए सवाल किया कि राज्य सरकार छात्रों को परेशान क्यों कर रही है।

बेंगलूरु में बारिश की समस्या के

स्थायी समाधान के लिए समिति का गठन : डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो बेंगलूरु के शहरी विकास मंत्री भी हैं, ने कहा कि वह शहर में वर्षा जल जमाव वाले क्षेत्रों की समस्याओं का स्थायी समाधान खोजने के लिए एक समिति बनाएंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बारिश होने पर जहां पानी जमा होता है, उन जगहों को चिन्हित कर उसे दुरुस्त करने के लिए एक कमेटी बनायी जा रही है। भविष्य में इस समस्या का स्थायी समाधान ढूंढना होगा। नागरिकों को उन स्थानों के बारे में हमें आधिकारिक तौर पर सूचित करने का अवसर दिया गया है जहां भारी बारिश हो रही है और समस्या है।

यदि स्थानीय लोग लिखित रूप से शिकायत करें और स्थान का विवरण और फोटो संलग्न करें तो एक-एक करके इसकी जांच की जाएगी और समस्याओं का समाधान किया जाएगा। निम्न वर्ग के क्षेत्रों में ऐसी समस्याएँ आगे भी उत्पन्न होने की संभावना रहती है। उन्होंने कहा कि हमें इसका स्थायी समाधान ढूंढना होगा।

स्वयं कुछ स्थानों पर जाकर जांच करूंगा। भारी बारिश के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। यहां किसी को दोष देना ठीक नहीं है। बीबीएमपी के नियंत्रण कक्ष में कर्मचारी अथक परिश्रम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भविष्य में समस्याओं का व्यवस्थित तरीके से समाधान किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से इस मामले में सहयोग की अपील की। उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन लगभग पूरा हो चुका है। मंत्री की बातें सुनी गयीं। जिम्मेदारी दी गई है। जल्द ही सूची दिल्ली भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि वह यह नहीं बता सकते कि कितने लोगों के नाम भेजे जायेंगे।

कभी नहीं सोचा था कि कुमारस्वामी

इतने कमजोर हैं कि भाजपा से जेडीएस के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ने को कहेंगे: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी प्रमुख डीके शिवकुमार ने अपने जेडीएस प्रतिद्वंद्वी, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी का मजाक उड़ाया और आगामी विधानसभा उपचुनाव में चन्नपट्टना से भाजपा से अपने चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ने को कहने की उनकी दुर्दशा की ओर इशारा किया। सोमवार को अपने आवास के पास मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा मैं यह मानने के लिए मूर्ख नहीं हूं कि जेडीएस कमजोर है। लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि जेडीएस नेता कुमारस्वामी इतने कमजोर हैं कि दूसरों से अपने पार्टी चिह्न पर चुनाव लड़ने को कहेंगे। उन्होंने कहा कि नामांकन दाखिल करने के लिए अभी भी तीन-चार दिन बाकी हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने पहले ही मंत्रियों और पार्टी नेताओं के साथ चर्चा की है। हमने विधानसभा सीटों के लिए तीन उपचुनावों के लिए उम्मीदवारों के नामों को पहले ही अंतिम रूप दे दिया है और सूची दिल्ली भेज दी गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी हाईकमान अंतिम निर्णय लेगा। उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि पार्टी ने तीनों सीटों के लिए एक ही व्यक्ति का सुझाव दिया है या अधिक नामों का। शिवकुमार ने कहा कि चन्नपट्टना जेडीएस का गढ़ है और लोकसभा चुनाव में मांड्या से जीतने वाले जेडीएस के मौजूदा विधायक कुमारस्वामी के इस्तीफे के बाद उपचुनाव कराना जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा हम चन्नपट्टना में जेडीएस को कमजोर नहीं मानते। लेकिन मीडिया में ऐसी खबरें हैं कि जेडीएस भाजपा से अपना उम्मीदवार खड़ा करने और उसके चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ने के लिए कह रही है। अगर ऐसा हुआ तो जेडीएस अपना आधार खो देगी।

उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी के रिश्तेदार डॉ. सी. एन. मंजूनाथ पहले ही बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा सीट से भाजपा के चिह्न पर चुनाव लड़ चुके हैं। साथ ही उन्होंने कुमारस्वामी पर अपने रुख पर कायम न रहने का आरोप लगाया और आरोप लगाया कि कुमारस्वामी हर बार अपना रुख बदल रहे हैं जिससे उनकी पार्टी के लोग भ्रमित हो रहे हैं। हमने उन्हें गंभीरता से नहीं लेने का फैसला किया है। केपीसीसी प्रमुख ने यह बताने से इनकार कर दिया कि क्या उनके भाई डी. के. सुरेश पर चन्नपट्टना से चुनाव लड़ने का दबाव है। उन्होंने कहा चन्नपट्टना के मतदाताओं ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में भारी मतदान किया था, लेकिन सुरेश बेंगलूरु ग्रामीण से भारी अंतर से हार गए थे, जो हमारे लिए बड़ा झटका है, जिससे हम अभी तक उबर नहीं पाए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी उपचुनाव जीतने के लिए दृढ़ संकल्प है। शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने भाजपा एमएलसी और पूर्व मंत्री सी पी योगेश्वर से संपर्क नहीं किया है, जो चन्नपट्टना सीट के लिए एक मजबूत दावेदार हैं। मैंने प्रोटोकॉल के अनुसार स्वतंत्रता दिवस समारोह में उनसे मुलाकात की थी, क्योंकि वह एमएलसी हैं। कांग्रेस पार्टी का किसी अन्य पार्टी के नेताओं को अपने चुनाव चिह्न पर शामिल होने और चुनाव लड़ने के लिए कहने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने भाजपा या जेडीएस के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

कुमारस्वामी का बार-बार यह कहना कि राज्य सरकार गिर जाएगी अक्षम्य: कृषि मंत्री

जनता ने कांग्रेस पार्टी को 136 सीटें जितवाई है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के कृषि मंत्री चेलुवर्यास्वामी ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा है कि केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी जिम्मेदारी के पद पर हैं और बार-बार यह कहना कि राज्य सरकार गिर जाएगी, अक्षम्य है। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी ने पहले कहा था कि अगर वह 123 सीटों पर नहीं जीते, तो वह जद (एस) पार्टी को भंग कर देंगे। उन्होंने सवाल किया कि पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने कितनी सीटें जीती थीं और उन्होंने अब तक पार्टी को भंग क्यों नहीं किया। राज्य की जनता ने कांग्रेस पार्टी को 136 सीटें जितवाई हैं। ऐसी सरकार बार-बार गिरेगी, ऐसा कहना उनकी गरिमा के अनुरूप नहीं है। हमारी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक के बाद से ही वे कह रहे हैं कि सरकार गिर जायेगी। उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी को जेएच पटेल द्वारा सरकार को लेकर दिए गए बयान को सुधारना चाहिए। कांग्रेस पार्टी 136 विधायकों के साथ मजबूत है। केंद्र सरकार संकट में है। संख्या का अभाव है। कभी भी कुछ भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी को पहले अपनी सीट सुरक्षित करने पर

ध्यान देना चाहिए। कुमारस्वामी कह रहे हैं कि आंतरिक विद्रोह के कारण कांग्रेस सरकार गिर जाएगी। हमारी पार्टी का कोई बागी विधायक नहीं है। इसलिए केंद्रीय मंत्री को ऐसे बचकाने बयान नहीं देने चाहिए। अगर वे कोई बात करें तो उस पर हफ्तों तक बहस होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि यह जन-समर्थक भी होना चाहिए। उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन को लेकर एनडीए गठबंधन में मतभेद है। ये हमें नहीं पता था। हमने जेडीएस-भाजपा गठबंधन से नहीं कहा। हमारा एकमात्र ध्यान चुनाव का सामना करना है। उनके आंतरिक विचार हमारे काम के नहीं हैं।

रविवार रात मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंत्रियों की बैठक की और उपचुनाव और मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा की। इससे पहले सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार पर तीखा हमला करते हुए केंद्रीय मंत्री और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने रविवार को कहा कि राज्य में कांग्रेस 2028 तक नहीं टिकेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का राज्य सरकार को गिराने का इरादा नहीं है, बल्कि उनके अपने विधायक और लोग इसकी नींव को अस्थिर कर रहे हैं। कुमारस्वामी ने कहा राज्य में कांग्रेस सरकार 2028 तक नहीं टिकेगी। राज्य की जनता और विधायक ही इसे गिराएंगे। कांग्रेस विधायकों में असंतोष बढ़ रहा है। यह सच नहीं है कि हम उनकी सरकार को गिराने की कोशिश कर रहे हैं। उनके विधायक और जनता इस सरकार की नींव को कमजोर कर रहे हैं। फंड की कमी के कारण विधायक गांवों में जाकर लोगों से नहीं मिल पा रहे हैं। 2028 से पहले फिर से मुख्यमंत्री बनने का भरोसा जताते हुए उन्होंने कहा मुझे पूरा भरोसा है कि लोग मुझे एक और मौका देंगे और मैं फिर से सीएम बनूंगा। वह मौका 2028 से पहले आएगा। अगर लोग चाहते हैं, तो मैं सीएम क्यों न बनूं? मेरा 14 महीने का प्रशासन किसी और के प्रभाव में चला। भले ही सरकार किसी दूसरी पार्टी के नियंत्रण में थी, लेकिन लोग हमारे द्वारा लागू किए गए जनहितैषी कार्यक्रमों को नहीं भूले हैं। कर्नाटक एक समृद्ध राज्य है। अगर मुझे मौका दिया जाता है, तो मैं बेहतरीन काम करूंगा।

कोर्ट ने प्रज्वल रेवन्ना को दो बलात्कार और एक यौन उत्पीड़न मामले में जमानत देने से किया इनकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने तीन महिलाओं द्वारा तीन अलग-अलग शिकायतों के आधार पर उनके खिलाफ दर्ज कथित बलात्कार के दो मामलों और कथित यौन उत्पीड़न के एक मामले में पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को जमानत के साथ-साथ अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने हासन के पूर्व जेडी(एस) विधायक द्वारा दायर तीन अलग-अलग याचिकाओं को खारिज करते हुए यह आदेश पारित किया, जिसमें बलात्कार के दो मामलों में से एक में जमानत और बलात्कार के एक मामले में अग्रिम जमानत और एक महिला पर यौन उत्पीड़न के एक अन्य मामले में अग्रिम जमानत मांगी गई थी। प्रज्वल रेवन्ना की ओर से उठाया गया मुख्य तर्क यह था कि कथित अपराधों के तीन से चार साल बाद शिकायतें दर्ज की गईं। दो मामलों में, यह दावा किया गया था कि कथित बलात्कार से संबंधित वीडियो पर फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की रिपोर्ट ने न तो पीड़िता की पहचान की पुष्टि की है और न ही वीडियो के स्रोत का पता जेडी(एस) नेता से लगाया है। हालांकि, एक मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बताया था कि एफएसएल ने कहा था कि प्रज्वल रेवन्ना की आवाज के नमूने वीडियो फुटेज में दर्ज पुरुष की आवाज से मेल खाते हैं, जिसमें एक वृद्ध महिला का कथित तौर पर उसके द्वारा बलात्कार किया जा रहा था। बलात्कार के दो मामलों में से एक पूर्व घरेलू सहायिका की शिकायत पर दर्ज किया गया था, और दूसरा 60 वर्ष से अधिक उम्र की एक महिला की शिकायत पर दर्ज किया गया था, जो उसके फार्म हाउस में सहायिका के रूप में काम करती थी। यौन उत्पीड़न का तीसरा मामला एक महिला की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था, जिसने दावा किया था कि उसने अपने बेटे को स्कूल में दाखिला दिलाने के लिए पूर्व सांसद की मदद ली थी, जिसका फायदा उठाकर जेडी(एस) नेता ने कथित तौर पर उसे वीडियो कॉल करना शुरू कर दिया था। पूर्व विधायक ने कथित तौर पर महिला को वीडियो कॉल पर कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया, जिसे उसने रिकॉर्ड कर लिया।

झील में तैरते समय दो लड़के डूबे

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के मद्दुर तालुक के देशहल्ली गांव में छुट्टी होने के बाद खेलने गए पांच लड़के झील में तैरने लगे और दो डूब गए। मृतकों की पहचान शंकरपुर गांव के रंजन गौड़ा (14) और मुथुराजू (17) के रूप में हुई है। दोनों के शव पानी से बाहर निकाले गए और परिवार को सौंपे गए। रंजन गौड़ा मुरारजी स्कूल में कक्षा 9 में पढ़ता था

और मुथुराजू आईटीआई कॉलेज, सोमनहल्ली में प्रथम वर्ष का छात्र था। दोनों को तैरना नहीं आता था। जानकारी के अनुसार जब सभी लोग पानी में खेल रहे थे, उनमें से दो आगे बढ़ गए और गहराई का पता न चलने पर डूब गए। अन्य दोस्तों ने यह देखा और आवाज लगानी शुरू कर दी। खबर सुनते ही ग्रामीण देशहल्ली झील के पास जमा हो गये और छानबीन शुरू की। रात में उन्हें रंजन गौड़ा का शव मिला, जबकि मुथुराज का शव सुबह 8.30 बजे मिला। बेसागरहल्ली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

आज दुनिया भविष्य के समाधानों के लिए भारत की ओर देख रही है: मोदी

हरियाणा में भाजपा की जीत से भारत में स्थिरता का संदेश मजबूत हुआ है

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्थिरता, निरंतरता और समाधान को दुनिया के लिए आज के युग की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए सोमवार को कहा कि केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लगातार तीसरी जीत भारत में स्थिरता का संदेश है।

श्री मोदी ने कहा कि हाल में हरियाणा विधानसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लगातार दूसरी सफलता से स्थिरता का यह संदेश और मजबूत हुआ है। वह राजधानी में एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2024 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश ने पिछले 10 साल में उपलब्धियों के जो आयाम तय किए हैं, उसको देखते हुए आज दुनिया भविष्य के समाधानों के लिए भारत की ओर देख रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के हर कार्यक्रम के केंद्र में देश की जनता के विकास के साथ-साथ निरंतरता (स्वस्थ और टिकाऊ विकास) का उद्देश्य स्पष्ट रूप से आगे रखा गया है। इस सत्र में देश विदेश के नामी उद्यमियों और निवेश को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा, छह दशक में पहली बार देश के लोगों ने लगातार तीसरी बार किसी सरकार को अपना जनादेश दिया है, यह स्टेबिलिटी (स्थिरता) का संदेश है। अभी हरियाणा में हुए चुनाव में भी भारत की जनता ने स्टेबिलिटी के इस भाव को मजबूती दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को देश की जनता का पूरा समर्थन है और 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य भारत की 140 करोड़ जनता का लक्ष्य बन गया है । अब जनता इस लक्ष्य को आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी का यह समय मानव इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण समय है। ऐसे में आज के युग की बड़ी ज़रूरतें हैं, स्टेबिलिटी, सस्टेनेबिलिटी और सॉल्यूशंस (स्थिरता, निरंतरता और समस्याओं के समाधान)। यह मानव के भविष्य के लिए सबसे जरूरी शर्तें हैं और भारत आज यही हासिल करने का प्रयास कर रहा है। इसमें भारत की जनता का एक निश्चित समाधान है। श्री मोदी ने कहा कि आज भारत आकांक्षाओं से परिपूर्ण देश है। उन्होंने इसे एस्पिरेशनल इंडिया (एआई) बताते हुए कहा कि जब एस्पिरेशनल इंडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की ताकत मिल जाती है, तब विकास की गति भी तेज होने स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन शानदार रहा है और वैश्विक एजेंसियों ने भारत की वृद्धि दर के अनुमानों में सुधार किए हैं। श्री मोदी ने कहा कि भारत भविष्य की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प भी इसी सोच को दिखाता है। उन्होंने कहा, आज भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। इस युवा देश का पोटेंशियल (संभावनाएं) हमें आसमान की ऊंचाई पर पहुंचा सकती हैं । इसके लिए हमें अभी बहुत कुछ करना है और बहुत तेजी से करना है। प्रधानमंत्री ने अपने 10 साल के कार्यकाल की कुछ उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि पिछले 10 साल में भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। इस दौरान करीब 12 करोड़ शौचालय बने, 16 करोड लोगों को रसोई गैस कनेक्शन मिले। पिछले 10 साल में भारत में 350 से ज्यादा मेडिकल कॉलेज और 15 से ज्यादा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बने । इन्हीं 10 साल में भारत में डेढ़ लाख से ज्यादा नए स्टार्टअप बने और आठ करोड़ युवाओं ने मुद्रा लोन लेकर पहली बार अपना काम शुरू किया। प्रधानमंत्री ने कहा, सफलता का मापदंड सिर्फ यह नहीं है कि हमने क्या पाया? अब हम देख रहे हैं कि हमारा आगे का क्या लक्ष्य है, हमें कहां पहुंचना है। श्री मोदी ने कहा कि भारत अपनी प्रगति में पूरी मानवता की प्रगति देखता है और दुनिया भारत में विश्वास भी करती है। उन्होंने कहा, भारत की उपलब्धियों से दुनिया को खुशी होती है, दुनिया जानती है कि भारत की आर्थिक वृद्धि और विकास से हर किसी को फायदा होगा। भारत हमेशा से विश्व की आर्थिक समृद्धि में सहायक शक्ति रहा है।

पीएम मोदी की डिग्री पर टिप्पणी मामले में केजरीवाल की याचिका खारिज

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शैक्षणिक योग्यता से संबंधित कथित अपमानजनक टिप्पणी मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका सोमवार को खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने इस मामले में आठ अप्रैल को एक अलग पीठ द्वारा आम आदमी पार्टी (आपा) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की खारिज की गयी याचिका का हवाला देते हुए उन्हें (पूर्व मुख्यमंत्री को) कोई राहत देने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने श्री केजरीवाल का पक्ष रखते हुए श्री सिंह और उनके द्वारा दिए गए बयान के बीच अंतर करने की गुहार लगाई, लेकिन पीठ ने कहा कि उसे एक समान दृष्टिकोण का पालन करना होगा। श्री सिंघवी ने गुजरात विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पीयूष एम पटेल की शिकायत की वैधता पर भी सवाल उठाया और कहा कि अगर बयान अपमानजनक था तो श्री मोदी को इससे आहत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह बयान विश्वविद्यालय के लिए अपमानजनक नहीं हो सकता।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उनकी दलीलों का विरोध किया और गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला दिया, जिसमें श्री मोदी की डिग्री पर सूचना का अधिकार (आरटीआई) याचिका दायर करने के लिए उन (श्री केजरीवाल) पर जुर्माना लगाया गया था, जिसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर पहले ही डाल दिया गया था। पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल के अधिवक्ता ने पीठ द्वारा यह कहे जाने के बाद मान लिया कि यदि वह गुण-दोष के आधार पर बहस करते हैं तो याचिकाकर्ता को याचिका वापस लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी और गुण-दोष के आधार पर निर्णय दिया जाएगा। गुजरात विश्वविद्यालय ने श्री मोदी की डिग्री के संबंध में एक और दो अप्रैल, 2023 को दिए गए व्यंग्यात्मक और अपमानजनक बयानों के लिए आप नेताओं के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला दायर किया, जिसने इसकी सद्भावना और छवि को धूमिल किया है। गुजरात विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पीयूष पटेल ने श्री केजरीवाल और श्री सिंह के खिलाफ उनकी टिप्पणियों को लेकर मानहानि का मामला दायर किया था, जब गुजरात उच्च न्यायालय ने श्री मोदी की डिग्री पर मुख्य सूचना आयुक्त के आदेश को खारिज कर दिया था। श्री केजरीवाल इस मामले में उच्च न्यायालय के 16 फरवरी के आदेश से दुखी थे, जिसमें उनके खिलाफ जारी समन को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था।

जम्मू के शशि भूषण अबरोल के परिवार पर पहाड़ टूट पड़ा

जम्मू, 21 अक्टूबर।

गगनगीर आतंकी हमले में अपने प्यारे बेटे शशि भूषण अबरोल की दुखद मौत के बाद अबरोल परिवार भारी नुकसान और दुख की भावना से जूझ रहा है। शशि के बड़े भाई मनीष अबरोल ने इस घटना के विनाशकारी प्रभाव के बारे में खुलकर बात की है, उन्होंने अपनी आखिरी बातचीत और परिवार के संघर्ष के बारे में दिल दहला देने वाली जानकारी साझा की है।

मनीष ने कहा कि हम अभी भी सदमे में हैं। उनकी आवाज भावनाओं से कांप रही थी। वे कहते थे कि मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि मेरा भाई अब नहीं रहा। वह हमारे परिवार की जान था। पत्रकारों से बात करते हुए मनीष ने बताया कि उन्होंने हमले से कुछ दिन पहले शशि से आखिरी बार बात की थी।

वह सामान्य और खुश लग रहा था। उसकी आवाज में किसी तरह का डर या चिंता नहीं थी। परिवार की परेशानी तब शुरू हुई जब हमले के दिन शाम 6 बजे के बाद शशि ने उनके काल का जवाब नहीं दिया। जैसे-जैसे घंटे बीतते गए, वे दिन में बदलते गए और वे उसके ठिकाने की खबर का इंतजार करते रहे। उनके सबसे बुरे डर की पुष्टि तब हुई जब उन्हें उसके निधन की दुखद खबर मिली। मनीष ने कबूल किया कि यह एक बुरे सपने जैसा है। मैं कल्पना नहीं कर सकता कि उसकी पत्नी और उसके दो छोटे बच्चे इस नुकसान से कैसे निपटेंगे। वह परिवार का कमाने वाला था, और अब उन्हें खुद की देखभाल करनी पड़ रही है।

हिंसा में किसी प्रियजन को खोने का दर्द असहनीय होता है, और अबरोल परिवार इस पीड़ा में अकेला नहीं है। इसी तरह की क्रूर आतंकी त्रासदी ने कई अन्य परिवारों को तबाह कर दिया है। इस क्रूर आतंकी हमले में छह अन्य निर्दोष लोगों की भी जान चली गई। इस घटना ने घाटी में सदमे की लहरें फैला दी हैं, जिससे लोग गहरे दुख और भय में हैं।

गगनगीर आतंकी हमले में मारे गए डाक्टर के गांव में मातम

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 21 अक्टूबर।

सोमवार को सैकड़ों लोग बडगाम के मारे गए डाक्टर शाहनवाज डार के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। वह रविवार रात मध्य कश्मीर के गंदरबल जिले के गगनगीर इलाके में हुए बड़े आतंकी हमले में मारे गए सात लोगों में शामिल थे।

डाक्टर को नायदगाम में उनके पैतृक कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। शोक मनाने वालों ने कश्मीर में खून-खराबे को रोकने के नारे भी लगाए। गांव से शवयात्रा के गुजरने के दौरान वे चिल्ला रहे थे, निर्दोष लोगों का खून-खराबा बंद करो। अंतिम संस्कार में पुरुष, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हुए। गांव में मातम छाया रहा।

कई महिलाएं अपनी छाती पीटती नजर आईं, जबकि अन्य मौन में विलाप करती रहीं। शोक मनाने वालों के एक समूह ने का कहना था कि यहां हर आंख नम थी, क्योंकि दोनों भाई-बहन युवा थे और पूरे गांव में उनके खुशमिजाज स्वभाव के कारण उन्हें प्यार किया जाता था।

मध्य कश्मीर के गंदरबल जिले के गगनगीर इलाके में आतंकी हमले में मारे गए डाक्टर के परिवार के सदस्यों ने इस कायरतापूर्ण कृत्य की निंदा करते हुए कहा कि वह अपना पेशेवर कर्तव्य निभा रहे थे।

बडगाम के डॉ. शाहनवाज डार के चचेरे भाई एडवोकेट तारिक ने पत्रकारों को बताया कि वह अपने पीछे एक बेटी और दो बेटे छोड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि वह एक दयालु और धर्मपरायण व्यक्ति थे, जो कभी प्रार्थना करना नहीं छोड़ते थे। वे कहते थे कि वे परिवार के साथ एकजुटता दिखाने के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला सहित नेताओं के आभारी हैं।

रविवार रात को हुए आतंकी हमले में छह निर्माण श्रमिकों की भी जान चली गई, जो एक सुरंग का निर्माण कर रहे थे। आतंकवादियों ने उनके शिविर पर गोलीबारी की। शिविर स्थल पर स्थानीय और गैर-स्थानीय दोनों ही लोग मौजूद थे। कम से कम दो आतंकवादियों ने हमला किया। हमले के पीड़ितों की पहचान बडगाम के नायदगाम निवासी डा शाहनवाज, पंजाब के गुरदासपुर के गुरमीत सिंह, मोहम्मद हनीफ, सेफ्टी मैनेजर फहीम नासिर, बिहार के कलीम, मध्य प्रदेश के मैकेनिकल मैनेजर अनिल कुमार शुक्ला और जम्मू के डिजाइनर शशि अबरोल के रूप में हुई है।

ओड़ीशा सरकार चक्रवाती तूफान दाना से निपटने के लिए तैयार

भुवनेश्वर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ओड़ीशा सरकार चक्रवाती तूफान दाना से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। चक्रवाती तूफान दाना राज्य के तट से 24 अक्टूबर को टकरा सकता है। राज्य के राजस्व मंत्री सुरेश पुजारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। श्री पुजारी ने जनता से न घबराने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने ओड़ीशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ) तैनात करने और चक्रवात के कारण भूस्खलन की विस्तृत तस्वीर स्पष्ट होने के बाद संवेदनशील क्षेत्रों से सुरक्षित स्थानों पर निकासी प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

राजस्व मंत्री ने यह भी बताया कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी 30 जिलों में ओडीआरएएफ टीमें तैनात की जाएंगी और चक्रवाती तूफान के प्रभाव को कम करने के लिए हरसंभव कदम उठाए गए हैं। इस बीच, मौसम विभाग केन्द्र (आईएमडी) के पूर्वानुमान के आलोक में मुख्य सचिव मनोज आहूजा ने आगामी गुरुवार को ओड़ीशा-पश्चिम बंगाल तट पर चक्रवात दाना से भूस्खलन संभावना को देखते हुए सरकारी तंत्र की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। आज आईएमडी सूत्रों ने बताया कि उत्तरी अंडमान सागर और निकटवर्ती पूर्व-मध्य और दक्षिणपूर्व खाड़ी पर ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के कारण पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी अंडमान सागर के ऊपर रविवार को एक हवा का कम दबाव का क्षेत्र पहले ही बन चुका है। हवा के निम्न दबाव क्षेत्र के पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 22 अक्टूबर की सुबह तक दबाव तेज होने और 23 अक्टूबर तक बंगाल की पूर्व-मध्य खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है।

भारत और सिंगापुर वायु सेनाओं के बीच संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास शुरू

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत और सिंगापुर की वायु सेनाओं के बीच पश्चिम बंगाल के वायु सेना स्टेशन कलाईकुंडा में सोमवार को संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास का 12 वां संस्करण शुरू हुआ।

अभ्यास का द्विपक्षीय चरण 13 से 21 नवंबर तक होगा और इससे दोनों सेनाओं के बीच गहन सहयोग बढने की उम्मीद है। दोनों वायु सेना उन्नत वायु युद्ध सिमुलेशन, संयुक्त मिशन योजना और डीब्रीफिंग सत्र कर रही हैं। द्विपक्षीय चरण का उद्देश्य अंतरसंचालनीयता को बढ़ाना, युद्ध की तैयारी को तेज करना और दोनों वायु सेनाओं के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। सिंगापुर वायु सेना अभ्यास में अब तक की अपनी सबसे बड़ी टुकड़ी के साथ भाग ले रही है, जिसमें जी-550 एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (एईडब्ल्यूएंडसी) और सी-130 विमानों के साथ एफ-16, एफ-15 स्क्वाड्रन के एयरक्रू और सहायक कर्मी शामिल हैं। भारतीय वायुसेना राफेल, मिराज 2000 आईटीआई, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस, मिग-29 और जगुआर विमानों के साथ भाग लेगी।

यह अभ्यास दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय समझौते के दायरे में किया गया है। यह अभ्यास भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित सबसे बड़े बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यासों में से एक, एक्स-तरंग शक्ति में सिंगापुर की भागीदारी के ठीक बाद आता है, जो दोनों वायु सेनाओं के बीच बढ़ते पेशेवर सहयोग को दर्शाता है। हवाई संचालन के अलावा, दोनों वायु सेनाओं के कर्मी सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करेंगे, क्योंकि वे अगले सात हफ्तों में कई खेलों और सांस्कृतिक गतिविधियों के दौरान बातचीत करेंगे। यह अभ्यास वर्षों के सहयोग और संयुक्त अभ्यासों से बने मजबूत द्विपक्षीय रक्षा संबंधों के साथ-साथ भारत और सिंगापुर के बीच आपसी सम्मान पर प्रकाश डालता है।

जन सेवा वितरण के लिए भू-लेखों तक निर्बाध पहुंच आवश्यक : शिवराज

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान कहा है कि केंद्र और राज्यों की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सार्वजनिक सेवा वितरण की प्रभावशीलता और दक्षता बढ़ाने के लिए भूमि अभिलेखों तक निर्बाध पहुंच महत्वपूर्ण है। श्री चौहान ने सोमवार को यहां शहरी भूमि अभिलेखों के सर्वेक्षण-पुनः सर्वेक्षण में आधुनिक तकनीक का उपयोग पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाने की केंद्र सरकार की संकल्पना को सभी अंगों के सम्मिलित प्रयासों से ही साकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सही और सटीक भूमि अभिलेखों का एकत्रीकरण देश के सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने कहा कि शहरी विकास के लिए व्यवस्थित और प्रामाणिक भू-लेख की जरूरत है।

इसलिए ये काम बहुत महत्वपूर्ण है। सरकारी योजनाओं का लाभ भी सही लाभार्थियों को मिले, यह सुनिश्चित करने में भी इसकी बड़ी भूमिका है। इसलिए सरकार ने 2016 में डिजिटल इंडिया भू अभिलेख आधुनिकीकरण प्रोग्राम लागू किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के ठोस प्रयास से 6.26 लाख भू-लेख का कंप्यूटरीकरण, 223 लाख मानचित्रों का डिजिटलीकरण और पांच हजार से अधिक उप पंजीयक कार्यालयों का कंप्यूटरीकरण हो गया है। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने कृषि के लिए डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर या एग्रीस्टैक शुरु किया है। उन्होंने कहा कि प्रभावी शहरी नियोजन, भूमि प्रबंधन और बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए भूमि, उसके स्वामित्व और उपयोग के बारे में स्पष्ट डेटा की आवश्यकता होती है। एक सुदृढ़ संपत्ति रिकॉर्ड और कर प्रशासन के लिए भूमि का सटीक डेटाबेस होना चाहिए।

पुलिस स्मृति दिवस : सीएम योगी ने पुलिसकर्मियों की वर्दी का भत्ता बढ़ाया

पुलिसकर्मियों के कल्याण की कई योजनाएं घोषित

लखनऊ, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर वर्दी भत्ते में 70 प्रतिशत की वृद्धि, बैरक में रहने वाले आरक्षियों के पुलिस अकोमोडेशन अलाउंस में 25 प्रतिशत की वृद्धि और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खेलकूद में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, आहार समेत अन्य मदों के लिए अगले वित्तीय वर्ष के बजट में 10 करोड़ रुपए बढ़ाने की घोषणा की। इन घोषणाओं पर प्रदेश सरकार 115 करोड़ रुपए का खर्च वहन करेगी।

सीएम योगी ने बहु मंजिला आवास और प्रशासनिक भवन के रखरखाव के लिए 1,380 करोड़ रुपए के कॉरपस फंड की घोषणा की। वहीं अंतरराष्ट्रीय आयोजन में पुलिस बल पर आने वाले खर्च पर प्रस्तावित शुल्क लगाने की स्वीकृति की, जो पुलिस महानिदेशक के अधीन रहेगा। साथ ही इसका सम्मान प्रस्तावित कॉरपस नियमावली के तहत किया जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए दिवगंत शहीद पुलिस कर्मियों को याद किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर सोमवार को पुलिस लाइन में दो शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को सम्मानित भी किया। हर साल 21 अक्टूबर को प्रदेश में शहीद हुए पुलिसकर्मियों की याद में पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया जाता है। इस साल दो पुलिस कर्मी रोहित कुमार व सचिन राठी को श्रद्धाजंलि अर्पित की गई।

आठ जून 2024 को फतेहगढ़ जिले के नवाबगंज थाने में तैनात सिपाही रोहित कुमार साथी पुलिसकर्मियों के साथ अवैध खनन की सूचना पर दबिश देने गए थे। अवैध खनन में लगे ट्रैक्टर ट्रॉली को एक बाइक सवार रास्ता बता रहा था। रोहित ने बाइक सवार का पीछा किया। इस दौरान आरोपियों ने रोहित की बाइक में टक्कर मार दी थी। इससे रोहित ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आ गए थे। इस घटना में रोहित की मौत हो गई थी। वहीं, 25 दिसंबर 2023 को कन्नौज जिले के छिबरामऊ थाने में तैनात सिपाही सचिन राठी पुलिस टीम के साथ तस्करों के यहां दबिश देने गए थे। इस दौरान तस्करों की फायरिंग में सचिन को गोली लगी थी। सचिन की इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कर्तव्यों का पालन करते हुए शहीद पुलिसकर्मी, केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों तथा भारतीय सेवा में कार्यरत उत्तर प्रदेश के 115 शहीद कार्मिकों के आश्रितों को 36 करोड़ 20 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गयी है। वहीं जिलों में तैनात पुलिस कर्मियों की सुख सुविधा के लिए 3 करोड़ 50 लाख, कल्याण के लिए 4 करोड़, कार्यरत, सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी एवं उनके आश्रितों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति संबंधी 2,66 दावों के निस्तारण के लिए 30 लाख 56,000 रुपए की राशि दी गयी। इसी तरह पांच लाख से अधिक चिकित्सा प्रतिपूर्ति संबंधी 3,12 प्रकरण के लिए 12 करोड़ 60 लाख, 135 पुलिस कर्मियों और उनके आश्रितों की गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए अग्रिम ऋण के रूप में 5 करोड़ 5 लाख , जीवन बीमा योजना के तहत 3,06 मृतक पुलिस कार्मिकों के आश्रितों की सहायता के लिए 9 करोड़ 8 लाख रुपए, पुलिस कर्मियों और उनके आश्रितों द्वारा कराए गए कैशलेस उपचार के तहत 31 लाख 16 हजार रुपए, पुलिस कार्मिकों के 205 मेधावी छात्रों को शिक्षा निधि के माध्यम से 53 लाख 30,000 रुपए की छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया।

सीएम योगी ने कहा कि गणतंत्र और स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति द्वारा विशिष्ट सेवाओं के लिए चार तथा दीर्घ-सराहनीय सेवाओं के लिए 110 अधिकारियों और कर्मचारियों को पुलिस पदक का प्रदान किये गये। गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 1,013 पुलिस कार्मिकों को अति उत्कृष्ट सेवा पदक तथा 729 कार्मिकों को उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। वहीं तीन राजपत्रित अधिकारियों संग कर्मचारियों को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट सेवा पुलिस पदक प्रदान किया गया। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा मानदेय और राजपत्रित पुलिस कार्मिकों को उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिन्ह, 455 पुलिस कर्मियों को सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह प्रदान किया गया। पुलिस कार्मिकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश का प्रशंसा चिन्ह डीजी कमेंडेशन डिस्क 29 प्लेटिनम, 51 गोल्ड और 783 सिल्वर राजपत्रित और अराजपत्रित कार्मिकों को प्रदान किए गए।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में 2017 के बाद पुलिस विभाग के विभिन्न पदों पर 1,54,000 से अधिक भर्तियां की गयीं। इसमें 22,000 से अधिक महिला कार्मिक शामिल हैं। वहीं विभिन्न राजपत्रित पदों पर एक लाख 41,000 से अधिक कार्मिकों को पदोन्नति दी गयी। वर्तमान में 60,000 से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। सीएम ने कहा कि प्रदेश में शांति और कानून का राज्य स्थापित करने के लिए पिछले 7 वर्ष में 17 जवानों ने अप्रतिम शौर्य का प्रदर्शन करते हुए वीरगति को प्राप्त किया जबकि 1,618 पुलिसकर्मी घायल हुए। प्रदेश में अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए गैंगस्टर एक्ट के तहत 77,811 और 9,23 अभियुक्तों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। माफिया और अपराधी गिराहों के 68 मुकदमों में प्रभावी पैरवी कर 31 माफिया तथा उनके 66 सहयोगियों को आजीवन कारावास की सजा दिलायी गयी। इसके अलावा दो को फांसी की सजा हुई है।

सुरक्षा के मद्देनजर योगी सरकार का अहम फैसला

बिना जांच के महाकुंभ में किसी का प्रवेश नहीं होगा

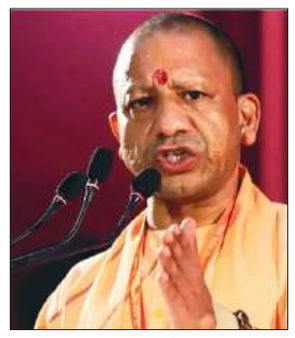

लखनऊ, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अगले वर्ष प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ की सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार ने महत्व-पूर्ण फैसला लिया है। सभी अंतरराज्यीय सीमाओं और अंतरजनपदीय सीमाओं पर बिना चेकिंग कोई भी व्यक्ति, वाहन और सामान प्रयागराज के भीतर प्रवेश नहीं कर सकेगा।

अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से चेकिंग और फ्रिस्किंग के बाद ही उसे प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। बीते दिनों एडीजी जोन प्रयागराज भानु भास्कर की अध्यक्षता में महाकुंभ की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में संबंधित जोन, रेंज, जिलों, जीआरपी के अधिकारियों की मौजूदगी में तय किया गया कि मध्य प्रदेश के सतना एवं रीवा और अंतर जोनल सीमा के जिलों समेत वाराणसी, वाराणसी, कानपुर, लखनऊ जोन के जिलों के बार्डर पर प्रत्येक व्यक्ति, वाहन, सामान की सघन जांच कराई जाए।

प्रयागराज आने-जाने वाले प्रत्येक वाहन की निगरानी के साथ पेट्रोलिंग और चौकसी की जाएगी। प्रत्येक चेकिंग प्वाइंट पर सीसीटीवी लगाए जाएंगे, जिसकी कवायद अक्टूबर माह से शुरू कर दी जाएगी। इससे आतंकवादियों और अपराधियों में डर का माहौल बनेगा। महाकुंभ में दुनिया भर की मशहूर हस्तियां और राजनयिक भी आएंगे। इसके दृष्टिगत सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए जा रहे हैं। एसएसपी महाकुंभ मेला राजेश द्विवेदी ने बताया कि मेला क्षेत्र में जल, थल और नभ तक की सिक्योरिटी को फूलप्रूफ प्लान बनाया गया है। इसके तहत स्नाइपर, एनएसजी कमांडो, कमांडो स्क्वाड, एटीएस, एसटीएफ, बीडीडीएस और स्निफर डॉग आदि तैनात होंगे। पूरे प्रयागराज, मेला क्षेत्र, प्रमुख स्थानों, मंदिरों और संगम पर विशेष फोर्स तैनात होगी। एंटी ड्रोन सिस्टम के साथ कई जगह बुलेटप्रूफ आउटपोस्ट रहेगी।

एनएसजी कमांडो की 2 टुकड़ियां और 26 एएस चेक (एंटी सबोटाज) टीम पूरे शहर में चेकिंग करेंगी। मेला क्षेत्र में एटीएस कमांडो की 4 और एसटीएफ की 3 यूनिट्स को तैनात किया जाएगा। सुरक्षा के लिए 20 स्नाइपर, 3 स्निफर डॉग, 4 स्वॉन दल भी तैनात होगा। महाकुंभ में इस बार दोगुने श्रद्धालुओं के आने की वजह से पड़ोसी जिलों की सीमाओं पर होल्डिंग एरिया बनाए जाएंगे। मेला क्षेत्र में यातायात का दबाव कम होने पर ही उनको प्रयागराज में प्रवेश करने दिया जाएगा। बता दें कि कुंभ में पिछली बार 25 करोड़ श्रद्धालु आए थे, जिनकी संख्या इस बार 45 करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। इनमें से 95 फीसद सड़क मार्ग से, 4.5 फीसद रेल मार्ग से और 0.5 फीसद वायु मार्ग से आएंगे। शासन ने तय किया है कि श्रद्धालुओं को सीमावर्ती जिलों में विशाल होल्डिंग एरिया बनाकर रोका जाए। जहां कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के साथ बिजली, पानी, शौचालय, खान-पान, मेडिकल और सीसीटीवी की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा वाहनों की पार्किंग भी बनाई जाएगी। रेलवे स्टेशनों के पास भी होल्डिंग एरिया बनाए जाएंगे।

आंध्र, तेलंगाना, महाराष्ट्र, राजस्थान और दिल्ली टेरोकोटा के मुरीद

त्यौहारी मांग पर 30 ट्रक टेराकोटा उत्पाद भेजे गए

जगमगा रही टेराकोटा शिल्पकारों की कारोबारी दिवाली

गोरखपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वर्ष 2018 में टेराकोटा को एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) में शामिल किए जाने के बाद इससे जुड़े शिल्पकारों के दिन बहुर गए हैं। ओडीओपी में शामिल होने से पहले दम तोड़ रहे इस शिल्प की धूम अब पूरे देश में हुई है। शिल्पकारों के पास काम इतना कि दम लेने की फुर्सत नहीं। साल दर साल टेराकोटा उत्पादों की बढ़ रही मांग के बीच शिल्पकारों की कारोबारी दिवाली नवरात्र से पहले ही जगमग हो चुकी है। देश के अलग अलग राज्यों में करीब 30 ट्रक टेराकोटा उत्पादों की सप्लाई करने के बाद गोरखपुर के शिल्पकार दिवाली के लिए स्थानीय बाजार के लिए उत्पादों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

दशहरा और दिवाली को लेकर गोरखपुर के टेराकोटा उत्पादों की मांग में गत वर्ष की तुलना में दोगुनी वृद्धि हुई है। त्यौहारी डिमांड की सप्लाई शिल्पकारों द्वारा नवरात्र के पहले ही की जा चुकी है। राष्ट्रीय पुरस्कार के सम्मानित टेराकोटा शिल्पकार राजन प्रजापति बताते हैं कि इस बार उन्होंने दशहरा और दिवाली को लेकर 15 ट्रक उत्पादों की सप्लाई हैदराबाद, अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, लखनऊ और राजस्थान के शहरों में की है। राजन ने पिछले साल 8 ट्रक टेराकोटा उत्पादों की आपूर्ति बाहरी राज्यों को की थी। राजन प्रजापति के अलावा पन्नेलाल प्रजापति ने 8 ट्रक, हरिओम आजाद ने 2 ट्रक, मोहनलाल व सोहनलाल प्रजापति ने 2 ट्रक और हीरालाल प्रजापति ने एक ट्रक उत्पादों की आपूर्ति की है। इन

सभी के पास आए डिमांड नवरात्र और दशहरे के पहले ही पूरे किए जा चुके हैं।

टेराकोटा शिल्पकारों का कहना है कि अब वह दिवाली पर लोकल मार्केट की मांग के अनुरूप अपने उत्पादों को अंतिम रूप दे रहे हैं। ओडीओपी में शामिल किए जाने के बाद लोकल मार्केट में भी टेराकोटा शिल्प की मांग दोगुनी से अधिक हो चुकी है। ये सभी शिल्पकार टेराकोटा के बाजार में आए बम्पर बदलाव का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देते हैं। राजन प्रजापति कहते हैं कि हमें तो माल बेचने के लिए विज्ञापन की जरूरत ही नहीं पड़ती है। टेराकोटा की ब्रांडिंग खुद सीएम योगी ने इतनी अधिक कर दी है कि हमारे पास काम की भरमार रहती है। अभी 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में हुई यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में गोरखपुर के टेराकोटा शिल्प ने देश-दुनिया के आगंतुकों के समक्ष अपनी चमक बिखेरी। प्रतिभागी शिल्पकारों और कारोबारियों को काफी नए ऑर्डर भी मिले।

शिल्पकारों का कहना है कि योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के पहले भो टेराकोटा शिल्पकारों के पास क्षमता तो थी लेकिन शासन के प्रोत्साहन और उचित प्लेटफार्म की कमी से इसका दायरा संकुचित होता जा रहा था। 2017 तक दम तोड़ रहे इस माटी शिल्प के लिए तारणहार बनकर आए। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने 2018 में टेराकोटा को एक जिला एक उत्पाद योजना में शामिल किया और फिर तबसे यह शिल्प नई ऊंचाई को छू रहा है। ओडीओपी में शामिल होने के बाद सरकार से मिल रहे प्रोत्साहन के चलते टेराकोटा का कारोबार साल दर साल विस्तृत होता जा रहा है। स्थिति यह है कि आज पुराने शिल्पकारों के पास काम की कोई कमी नहीं है। यही नहीं, टेराकोटा की भविष्य से जुड़ी संभावना को देखकर बड़ी संख्या में नए शिल्पकार और कारोबारी भी इससे जुड़ चुके हैं।

शैक्षिक भ्रमण के जरिए हजारों बच्चे जान रहे इतिहास और संस्कृति

लखनऊ, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने राज्य के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के समग्र शैक्षिक विकास के लिए एक अभिनव पहल की है। सरकार का उद्देश्य न केवल बच्चों को शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना है, बल्कि उनमें भारतीय इतिहास, संस्कृति और धरोहरों के प्रति जागरूकता और गर्व की भावना विकसित करना भी है। इसके लिए प्रदेश के सभी 75 जिलों से 15,000 बच्चों का चयन कर उन्हें राज्य के ऐतिहासिक स्थलों का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण कराया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक जिले से 200 बच्चों को इसमें सम्मिलित किया गया है, जो मुख्य रूप से ग्रामीण और शहरी परिषदीय विद्यालयों के गरीब और आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों के हैं। योगी सरकार इस योजना के अंतर्गत 75 लाख रुपए का व्यय कर रही है, जिसमें बच्चों की यात्रा के लिए भाड़े का खर्च, नाश्ता और भोजन की व्यवस्था तथा आपातकालीन परिस्थितियों के लिए बजटीय प्रावधान शामिल हैं। इसका उद्देश्य बच्चों को उनके सामान्य शैक्षिक पाठ्यक्रम से इतर व्यावहारिक और ऐतिहासिक जानकारी देना है, ताकि वे भारतीय धरोहरों और ऐतिहासिक स्थलों को न केवल देखें बल्कि उनके महत्व को समझें और उनसे प्रेरणा लें।

यह शैक्षिक भ्रमण 24 सितंबर से शुरू हुआ है और इसे बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आयोजित किया जा रहा है। हर 20 बच्चों के समूह के साथ एक शिक्षक अथवा शिक्षिका की जिम्मेदारी तय की गई है, जो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ भ्रमण के दौरान उन्हें ऐतिहासिक स्थलों से जुड़ी जानकारी भी प्रदान करेंगे। प्रत्येक जनपद से 10 शिक्षकों को इस भ्रमण कार्यक्रम में शामिल किया गया है। इन शिक्षकों को यह भी जिम्मेदारी दी गई है कि वे बच्चों को भ्रमण के दौरान भारत के इतिहास, संस्कृति और धरोहरों के प्रति जागरूक करें। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक जिले के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और संबंधित अधिकारियों को इस योजना की निगरानी और सुचारू संचालन का दायित्व सौंपा गया है ताकि भ्रमण के दौरान बच्चों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। यात्रा के दौरान बच्चों को सुरक्षा और संरक्षा के अलावा आवश्यक जानकारी और सहयोग प्रदान करने के लिए सभी प्रशासनिक और सुरक्षा संबंधित उपाय किए गए हैं।

योगी सरकार की इस पहल का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके पाठ्यक्रम से बाहर वास्तविक दुनिया में शैक्षिक अनुभव प्रदान करना है। साथ ही, इस योजना का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि बच्चों को भारत की समृद्ध धरोहरों और गौरवशाली इतिहास से परिचित कराया जाए।

भ्रमण के दौरान बच्चों को विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों, स्मारकों और संग्रहालयों की यात्रा कराई जाएगी, जहां उन्हें उन स्थलों के महत्व, उनके निर्माण के समय की परिस्थितियों और उनसे जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इससे बच्चों में न केवल इतिहास के प्रति रुचि जाग्रत होगी बल्कि उनमें राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना भी मजबूत होगी।

इस सम्बन्ध में बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह का कहना है कि सरकार का यह मानना है कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों में न केवल शैक्षिक समझ बढ़ती है बल्कि उनके व्यक्तित्व का भी सर्वांगीण विकास होता है। इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण से बच्चों की सोचने और समझने की क्षमता का विस्तार होता है। वे अपने परिवेश से बाहर निकलकर वास्तविक दुनिया के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं, जो उनके मानसिक विकास और सृजनात्मकता को बढ़ावा देने में सहायक होता है। बच्चों के लिए इस प्रकार के अनुभव बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि यह उनके भविष्य के निर्णय लेने की क्षमता और उनके सोचने के दृष्टिकोण को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

संपादकीय

पर्यटक की दृष्टि में संतुष्टि

उम्मीद की जा सकती है कि सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी तरुण श्रीधर की अध्यक्षता में गठित समिति, पर्यटन विकास निगम की घाटे की इकाइयों को सफल होने का नुस्खा सुझा दे, लेकिन सार्वजनिक उपक्रमों के बाल की खाल निकालना इतना भी आसान नहीं कि सुझावों की पवित्रता को पूरी तरह अपना लिया जाए। सुधारों की गुंजाइश सार्वजनिक क्षेत्र के हर पहलू में है। ऐसे में परिवहन निगम से मिल्क फेडरेशन तक के कामकाज को आईना दिखाया जा सकता है। इन तमाम निगमों की संपत्तियों का सही इस्तेमाल, संचालन तथा व्यावसायिक प्रबंधन के अलावा जवाबदेही तथा कार्यशैली में बदलाव की जरूरत है। मसलन एक-दो त्योहारों में मिठाई व अन्य उत्पाद बाजार में उतारने के बाद मिल्क फेडरेशन पूरा साल खामोशी से गुजार देती है। मसला मांग का नहीं है, लेकिन बाजार या उद्योग की मांग को संतुष्ट करने का है। हिमाचल का एक छोटा सा ढाबा अगर पर्यटक को संतुष्ट कर सकता है, तो निगम के पूर्ण प्रशिक्षित कर्मचारी यह सम्मान क्यों हासिल नहीं कर पाते। निस्संदेह निगम के होटलों का जायका अपनी विशिष्टता रखता है, लेकिन इस खासियत का पैगाम बिखरा हुआ है। दिल्ली के हिमाचल भवन में हिमाचली थाली में संतुष्टि का एहसास अगर राजधानी में गूंज जाए, तो ब्रांड हिमाचल सामने आएगा। आंध्र भवन में व्यंजनों की थाली क्यों दिल्ली का दिल जीतती है, अगर इसे समझ लें, तो पर्वतीय हिसाब से हम भी खासियत रखते हैं। कभी हिमाचली पर्यटन का ब्रांड, पर्यटन विकास निगम हुआ करता था। सारे टूअर और इससे जुड़े इंतजाम विकास निगम की प्रतिष्ठा के साथ अंगीकार होते थे, लेकिन या तो कार्य संस्कृति या होटल थक गए। होटल इंडस्ट्री हर साल बदल रही है और सैलानियों की अनुभूति में निरंतर ताजगी भरना ही मूल अंतर पैदा करता है। पर्यटन निगम के होटलों की ड्राइंग थक चुकी है। क्रॉकरी पुरानी हो चली है और लिनन अपना पैटर्न खो चुकी है। ऐसे में सबसे पहले पर्यटन विकास निगम को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसका मुकाबला निजी होटल से नहीं, ग्राहक की संतुष्टि से है। यह संतुष्टि आवभगत व खानपान से भी अधिक माहौल से है। टूरिज्म के होटलों का ढांचा कब तक रेस्ट हाउस से मेल खाता रहेगा। पर्वतीय शैली के तहत आधुनिक अंदाज, सुविधा और समर्पण की महक इमारतों के नक्शे बदलने से आएगी। ऐसे में थके हुए होटलों को नए पोशाक, नई ऊर्जा और नए संकल्प पहनाने की जरूरत है। पर्यटन के हिमाचली ब्रांड का सरताज अगर निगम को बनना है, तो यह अध्ययन जरूरी है कि कौनसा होटल किस श्रेणी के सैलानियों को संतुष्ट कर सकता है। आज हिमाचल में युवा पर्यटक बढ़े हैं, लिहाजा उनके स्तर के बजट होटल, कैंपिंग साइट्स तथा छात्रावास जैसे माहौल की व्यवस्था करके टूरिज्म कारपोरेशन अपनी संपत्तियों में आवश्यकतानुसार बदलाव कर सकता है। कुछ होटलों का स्तर उठाना पड़ेगा, जबकि कई बजट टूरिस्ट के मुताबिक तय करने होंगे। हिमाचल टूरिज्म कारपोरेशन को अपने संपर्क और उद्योग की हैंडलिंग का सूत्रधार बनना होगा। मसलन रेलवे के साथ जुडक़र और विभिन्न राज्यों के परिवहन निगमों, रोडवेज व पर्यटन एजेंसियों के साथ मिलकर सर्किट पर काम करना होगा। उदाहरण के लिए दिल्ली-लेह या दिल्ली-काजा यात्रा को ही पर्यटन की दृष्टि से संतुष्ट करना हो, तो कई मंजिलों पर वीरान हुई संपत्तियां आबाद हो सकती हैं। अंब-अंदौरा तक आती वंदे भारत से पर्यटन निगम ताल बैठाए या कांगड़ा, शिमला व कुल्लू की उड़ानों से सीधा जुड़े, तो सरकारी होटलों में बरकत आएगी। पर्यटन निगम को हिमाचली पर्यटन का वास्तविक ब्रांड तथा आने वाले सैलानियों की संतुष्टि का कारक बनने की जद्दोजहद करने का मादा पैदा करना है, तो यह हर तरफ से सुधार होगा।

> पर्यटन विकास निगम की घाटे की इकाइयों को सफल होने का नुस्खा सुझा दे, लेकिन सार्वजनिक उपक्रमों के बाल की खाल निकालना इतना भी आसान नहीं कि सुझावों की पवित्रता को पूरी तरह अपना लिया जाए। सुधारों की गुंजाइश सार्वजनिक क्षेत्र के हर पहलू में है। ऐसे में परिवहन निगम से मिल्क फेडरेशन तक के कामकाज को आईना दिखाया जा सकता है। इन तमाम निगमों की संपत्तियों का सही इस्तेमाल, संचालन तथा व्यावसायिक प्रबंधन के अलावा जवाबदेही तथा कार्यशैली में बदलाव की जरूरत है। मसलन एक-दो त्योहारों में मिठाई व अन्य उत्पाद बाजार में उतारने के बाद मिल्क फेडरेशन पूरा साल खामोशी से गुजार देती है। मसला मांग का नहीं है, लेकिन बाजार या उद्योग की मांग को संतुष्ट करने का है। हिमाचल का एक छोटा सा ढाबा अगर पर्यटक को संतुष्ट कर सकता है, तो निगम के पूर्ण प्रशिक्षित कर्मचारी यह सम्मान क्यों हासिल नहीं कर पाते। निस्संदेह निगम के होटलों का जायका अपनी विशिष्टता रखता है, लेकिन इस खासियत का पैगाम बिखरा हुआ है।

वर्ष 2024 में चीन की विकास दर घटकर 4.0 फीसदी होगी

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के मौके

डा. जयंतीलाल भंडारी

> आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में आसियान देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के बाद जो बयान जारी किया है, उसके मुताबिक ये देश इस समूचे क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता से असहज और परेशान हैं तथा भारत के साथ आर्थिक, कारोबारी व सुरक्षा संबंधों का नया दौर आगे बढ़ाएंगे। इसी तरह हाल ही में वल्ड बैंक के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट अक्टूबर 2024 में कहा गया है कि वैश्विक चुनौतियों के बीच चीन के प्रोत्साहन उपायों के बावजूद चीन की अर्थव्यवस्था सुस्त होगी और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

हाल ही में लाओस के वियनतियाने में आयोजित आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में आसियान देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के बाद जो बयान जारी किया है, उसके मुताबिक ये देश इस समूचे क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता से असहज और परेशान हैं तथा भारत के साथ आर्थिक, कारोबारी व सुरक्षा संबंधों का नया दौर आगे बढ़ाएंगे। इसी तरह हाल ही में वल्ड बैंक के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट अक्टूबर 2024 में कहा गया है कि वैश्विक चुनौतियों के बीच चीन के प्रोत्साहन उपायों के बावजूद चीन की अर्थव्यवस्था सुस्त होगी और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। वर्ष 2024 में चीन की विकास दर घटकर 4.0 फीसदी होगी। जबकि भारत की विकास दर 6.3 फीसदी से अधिक रहेगी। वस्तुतः भारत के पास उपभोक्ताओं का उभरता हुआ विशाल बाजार, युवाओं में जबरदस्त ढंग से आगे बढ़ने की ललक, उद्यमिता की भावना और सुधार का रवैया वैश्विक संघर्ष और चुनौतियों के बावजूद भारत के लिए नए अवसरों का आधार है। गौरतलब है कि विगत 4 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान युद्ध की अनिश्चितता के बीच भी दुनिया का भारत पर असाधारण आर्थिक विश्वास बना हुआ है। मोदी ने कहा कि दुनिया की नजरों में यह युग भारत का युग है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। दुनिया में भारत ग्लोबल फिनटेक एडाप्शन के मामले में पहले क्रम पर है। इंटरनेट उपभोक्ताओं के मामले में दूसरे क्रम पर है। स्टार्टअप के मामले में तीसरे क्रम पर है और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में चौथे क्रम पर है। इतना ही नहीं, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और मूडीज जैसी वैश्विक एजेंसियां वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत को दुनिया की सबसे विश्वसनीय और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ-साथ निवेश के पसंदीदा देश के रूप में देख रही हैं। यद्यपि इस समय पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में गिरावट का दौर बढ़ रहा है, लेकिन फिर भी भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास और तेज विकास के मद्देनजर देसी उद्यमियों के साथ वैश्विक उद्यमियों के लिए भी बढ़ते अवसरों का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है।

इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि हाल ही में दुनिया की ख्याति प्राप्त वित्तीय सेवा फर्म मॉर्गन स्टेनली ने कहा है कि सितंबर 2024 के दौरान भारत ने चीन को पीछे छोड़ते हुए खुद को निवेश की पसंदीदा जगह बना लिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने अपनी नई रिपोर्ट 2024 में कहा है कि भारत आर्थिक विकास, विदेशी निवेश और नई तकनीकों के उपयोग की ऊंची संभावनाओं वाला देश है। अमेरिका चैंबर ऑफ कॉमर्स की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024 में अमेरिका की कंपनियों की वैश्विक निवेश पसंदगी में भारत का दूसरा स्थान है। इस समय चीन अमेरिकी निवेशकों की प्राथमिकता खोता जा रहा है। इतना ही नहीं, अमेरिका और चीन में बढ़ते तनाव के माहौल में इस समय चीन में कार्यरत 12 लाख करोड़ रुपए निवेश वाली 50 अमेरिकी कंपनियां अपना कारोबार चीन से समेटने की तैयारी में हैं। इन कंपनियों में से 15 कंपनियां भारत में निवेश की तैयारी कर रही हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विगत 23 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क में एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर काम करने वाली 15 प्रमुख अमेरिकी कंपनियों के सीईओ को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के बहुआयामी क्षेत्रों में दुनिया के लिए अपार आर्थिक मौके हैं। साथ ही भारत के प्रति अपार आशावाद भी भारत को प्रगति की डगर पर आगे बढ़ा रहा है। बौद्धिक संपदा की सुरक्षा, तकनीकी नवाचार को बढ़ावा, इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी तथा विनिर्माण क्षेत्र को ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए भारत रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। भारत पिछले तीन लगातार वर्षों से 7 प्रतिशत से अधिक की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। इस समय भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अब उनके तीसरे कार्यकाल में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार भारत को 'सेमीकंडक्टर विनिर्माण का वैश्विक केंद्र' बनाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। ऐसे में वैश्विक कंपनियों को भारत की विकास गाथा का लाभ उठाना चाहिए तथा भारत के आर्थिक और तकनीकी विकास से अवसरों का दोहन करना चाहिए। इसमें कोई दो मत नहीं है कि अब भारत को आर्थिक दुनिया के एक उभरते सितारे के रूप में देखा जा रहा है, जो भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय साख को दर्शाता है। वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक मंचों पर भारत को विशेष अहमियत भारत की आर्थिक स्थिति से भी मिल रही है। अमेरिका और रूस दोनों महाशक्तियों के साथ भारत की मित्रता के नए अध्याय दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा एवं भारतीय बाजार में मौके बढ़ा रहे हैं। निःसंदेह भारत में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर, कृषि विकास और बढ़ती ग्रामीण अर्थव्यवस्था देश और दुनिया के कारोबारियों और निवेशकों के लिए मौकों का नया द्वार खोल रही है। देश में खाद्यान्न उत्पादन ऊंचाई बना रहा है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक अब देश की खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ वैश्विक खाद्य सुरक्षा में अहम भूमिका निभाने के लिए भारत रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। अब भारत दुनिया के खाद्य कटोरे के रूप में रेखांकित हो रहा है। भारत दुनिया के 150 से अधिक देशों को खाद्य पदार्थों के निर्यातक देश के रूप में दुनिया में रेखांकित हो रहा है। भारत दुनिया का आठवां बड़ा कृषि निर्यातक देश बन गया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय शेयर बाजार ऊंचाई पर है और दुनिया के लिए भारतीय शेयर बाजार में मौके बढ़ रहे हैं। वर्ष 2024 की शुरुआत से भारत में आईपीओ का बाजार गुलजार है। भारत में म्युचुअल फंड (एमएफ) में निवेश छलांगें लगाकर बढ़ रहे हैं। अगस्त 2024 तक डीमैट खातों की संख्या 17.10 करोड़ के पार हो गई है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि विदेश व्यापार में भारत की नई संभावनाएं दुनिया के लिए नए मौके के रूप में हैं। 'चीन प्लस वन' रणनीति के तहत भारत दुनिया के सक्षम व भरोसेमंद देश के रूप में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में नई भूमिका निभा रही है।

दृष्टि कोण

वित्तीय संकट में कर्मचारी हित कहां तक?

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सत्ता संभालने के बाद एनपीएस एवं सचिवालय कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उन्हें सरकार की रीढ़ की हड्डी बताया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के कठिन परिश्रम और सहयोग से ही सरकार अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को सही दिशा में क्रियान्वित कर सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार कर्मचारियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध रखेगी तथा उनके सभी देय लाभ समय पर प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है। परंतु वर्तमान सरकार के कार्यकाल का दूसरा साल भी पूरा होने को है, लेकिन कर्मचारियों के देय लाभ की अदायगी अभी तक नहीं हो सकी। हिमाचल सरकार के एक और निर्णय के अनुसार सरकार के सचिवालय, विभिन्न विभागों एवं सार्वजनिक उपक्रमों के कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को सितंबर महीने से वेतन हर महीने की 5 तारीख तथा पेंशन 10 तारीख को वितरित की जाया करेगी। इससे सरकार ब्याज के 36 करोड़ रुपए सालाना बचाएगी। सितंबर पहली तारीख को वेतन एवं पेंशन की अदायगी नहीं होने पर कर्मचारियों ने राज्य के विभिन्न स्थानों पर धरना प्रदर्शन किए। सचिवालय कर्मचारी संगठन के कुछ नेताओं को प्रिविलेज नोटिस जारी किया गया तथा अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई। कर्मचारियों तथा पेंशनरों का विरोध करना जायज है, क्योंकि कर्मचारियों को अपनी जायज मांगों के लिए प्रदर्शन करना ट्रेड यूनियन एक्ट के तहत अधिकार भी है, अगर यह नियमानुसार किया हो। परंतु सरकार ने कर्मचारियों को सितंबर महीने का वेतन पहली अक्टूबर तथा पेंशनरों को पेंशन 10 तारीख को जारी की तथा अब सरकार ने कर्मचारियों तथा पेंशनरों को अक्टूबर महीने का वेतन 28 अक्टूबर को 4 प्रतिशत महंगाई भत्ते के साथ देने का आदेश जारी किया। इस पर कर्मचारियों के नेताओं ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। इसके लिए न ही कर्मचारियों को धन्यवाद और न ही सरकार को एहसान जताना चाहिए। यह कर्मचारियों/पेंशनर्ज का अधिकार है। अभी और भी महंगाई भत्ते की किस्तें तथा इसका बकाया पेंडिंग है जिसका कोई जिक्र तक नहीं है। प्रदेश सरकार में रहे पूर्व मुख्यमंत्रियों तथा देश की केंद्रीय सरकारें तथा अन्य राज्यों की सरकारें भी महीने की पहली तारीख को वेतन/पेंशन अदा करती रही हैं और अब भी कर रही हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार को भी पूरे देश के साथ एकरूपता बनाए रखनी चाहिए और अपने इस फैसले को कर्मचारियों/पेंशनरों के हित में वापस लेना चाहिए। इसके साथ कर्मचारियों/पेंशनरों को संशोधित वेतनमान/पेंशन का एरियर्स तथा सेवानिवृत्ति लाभ एकमुश्त, अविलंब दे देना चाहिए, क्योंकि संशोधित वेतनमान लागू हुए बहुत समय हो चुका है। देय राशि को छोटी-छोटी किस्तों में देना उनके साथ न्याय नहीं है, क्योंकि यह राशि उन्होंने पूर्व में कमाई हुई है। कर्मचारी/रिटायर्ड कर्मचारी अपनी बहुत सी जिम्मेदारियों को इसी राशि से निभाते हैं। सरकार स्थायी संस्था है, ओवर ड्राफ्ट और देनदारियों का सिलसिला चलता रहता है। प्रदेश सरकार के साथ वार्ता के लिए सभी विभागों की एक फेडरेशन होनी चाहिए जिसे सरकार को मान्यता देकर हर माह वार्ता के लिए बुलाना चाहिए। इस समय हिमाचल सरकार की देनदारियां 90000 करोड़ हो गई हैं। इसका हवाला देकर वर्तमान सरकार कर्मचारियों की देय महंगाई भत्ते की किस्तें, संशोधित वेतनमान/पेंशन का एरियर्ज आदि नहीं दे रही है। कर्मचारियों तथा उनके नेताओं को चाहिए और यह आवश्यक भी है कि वे अपने-अपने विभागों के प्रबंधन के साथ मिलकर अपने संगठनों की वित्तीय स्थिति सुधारने के बारे में सोचें। यूनियन एवं प्रबंधन को कर्मचारियों के कर्तव्यों के बारे में बताना होगा ताकि विभागों की वित्तीय स्थिति में सुधार हो सके तथा संगठन के उद्देश्य प्राप्त किए जा सकें। इस समय हिमाचल प्रदेश में 23 में से 14 सार्वजनिक उपक्रम घाटे में चल रहे हैं। इनका कुल घाटा 31 मार्च 2023 को 5143.4 करोड़ रुपए था। घाटे में एचआरटीसी पहले, एचपीएसईबी दूसरे, एचपीपीसीएल तीसरे तथा एचपीटीसीएल चौथे स्थान पर है। इन सार्वजनिक उपक्रमों के घाटे से उनकी वित्तीय व्यवहार्यता, इन पीएसयू में काम करने वाले कर्मचारियों की आजीविका पर असर डाल रही है। सरकार, प्रबंधन और कर्मचारी नेताओं को इक_ बैठ कर इन पीएसयू के पुनरोद्धार के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए, ताकि ये पीएसयू अपने कर्मचारियों का वेतन, पेंशन, वेतनमानों का एरियर्ज आदि तथा अपने कर्मचारियों को ओल्ड पेंशन दे सकें। परंतु सरकार किसी संगठन में कोई सुधार कर रही है तो संबंधित विभाग की कर्मचारियों की यूनियन से सलाह लिए बगैर आदेश जारी कर रही है।

कुछ अलग

कच्ची उम्र का विवाह

यह किसी समाज के लिये बेहद नकारात्मक टिप्पणी है कि सदियों के प्रयास के बावजूद वहां बाल विवाह की कुप्रथा विद्यमान है। यहां यह विचारणीय तथ्य है कि समाज में ऐसी प्रतिगामी सोच क्यों पनपती है कि लोग परंपराओं को कानून से ऊपर समझने लगते हैं। हमें यह भी सोचना होगा कि कानून की कसौटी पर अस्वीकार्य होने के बावजूद बाल विवाह की परंपरा क्यों जारी है? यह हम सभी जानते हैं कि कम आयु के बच्चे अपने भविष्य के जीवन के बारे में परिपक्व फैसला लेने में सक्षम नहीं होते। साथ ही वे इस स्थिति में भी नहीं होते कि उनके जीवन पर थोपे जा रहे फैसले का मुखर विरोध कर सकें। उनके सामने आर्थिक स्वावलंबन का भी प्रश्न होता है। लेकिन अभिभावक क्यों इस मामले में दूरदृष्टि नहीं रखते? सही मायने में बाल विवाह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही है। भले ही मजबूरी में वे इस थोपे हुए विवाह के लिये राजी हो जाएं, लेकिन उसकी कसक जीवन पर्यंत बनी रहती है। जो उनके स्वाभाविक विकास में एक बड़ी बाधा बन जाता है। इसको लेकर समाज में जागरूकता के प्रसार की जरूरत है ताकि बच्चे भी ऐसे किसी प्रयास का विरोध कर सकें। जिसमें बाल विवाह पर नियंत्रण करने वाले विभागों की जिम्मेदारी व सजगता बढ़ाने की भी जरूरत है। जिससे बाल विवाह का विरोध करने वाले किशोरों को भी संबल मिल सके। यही वजह है कि इस संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कड़ा रुख दिखाते हुए कहना पड़ा कि कानून परंपराओं से ऊपर है। कोर्ट का कथन तार्किक है कि जिन बच्चों की कम उम्र में शादी करा दी जाती है क्या वे इस मामले में तार्किक व परिपक्व सोच रखते हैं? एक संबंधित याचिका पर सुनवायी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह समय की मांग है कि इस कानून को लागू करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाए। इस बाबत उन समुदायों व धर्मों के लोगों को बताया जाना चाहिए कि बाल विवाह कराया जाना एक आत्मघाती कदम है। यह समझना कठिन नहीं है कि कम उम्र में विवाह कालांतर जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य के लिये भी घातक साबित होता है। उनकी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती और वे अपनी आकांक्षाओं का कैरियर भी नहीं बना सकते। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कथन इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। कोर्ट को कहना पड़ा कि बाल विवाह रोकथाम अधिनियम को व्यक्तिगत कानूनों के जरिये बाधित नहीं किया जा सकता। यद्यपि कोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि यह कानून संपूर्ण नहीं है और इससे जुड़ी कुछ कमियों को दूर करने की जरूरत है। जिसके निराकरण के लिये समन्वय का ध्यान रखने की जरूरत है। अदालत ने एक महत्वपूर्ण बात भी कही कि बच्चों पर बाल विवाह थोपना उनके अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का भी दमन है। निश्चय ही इस बाबत बदलाव लाने के लिये कानून में जरूरी बदलाव लाने के साथ ही समाज में जागरूकता लाने की भी जरूरत है।

देश दुनिया से

भ्रष्टाचार से कांग्रेस ने सबक नहीं सीखने की ठान ली!

> कांग्रेस के केंद्र और ज्यादातर राज्यों से सत्ता बाहर होने का एक प्रमुख कारण भ्रष्टाचार रहा है। इसके बावजूद कांग्रेस के नेता भ्रष्टाचार से दामन नहीं छुड़ा पाएं हैं। कर्नाटक कांग्रेस की सरकार के जमीनों में बंदरबांट इसका नया उदाहरण है। इसके चलते मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मारी गौड़ा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उल्लेखनीय है कि उनका इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी बीएन पार्वती और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ चल रहे भूमि घोटाले की जांच राज्य और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की जा रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही है।

कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के कारण देशभर में हुई बदनामी से सत्ता गंवाने के बावजूद सबक नहीं सीखा है। कांग्रेस के केंद्र और ज्यादातर राज्यों से सत्ता बाहर होने का एक प्रमुख कारण भ्रष्टाचार रहा है। इसके बावजूद कांग्रेस के नेता भ्रष्टाचार से दामन नहीं छुड़ा पाएं हैं। कर्नाटक कांग्रेस की सरकार के जमीनों में बंदरबांट इसका नया उदाहरण है। इसके चलते मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मारी गौड़ा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उल्लेखनीय है कि उनका इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी बीएन पार्वती और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ चल रहे भूमि घोटाले की जांच राज्य और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की जा रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही है। सिद्धारमैया और उनकी पत्नी बीएन पार्वती पर मैसूरु के विजयनगर क्षेत्र में 14 प्लॉट आवंटित किए गए प्लॉट को लेकर सवाल उठे थे। सिद्धारमैया की पत्नी ने प्लॉट लौटाने की पेशकश की थी। जिसे वापस लेने पर प्राधिकरण ने सहमति जताई। मुख्यमंत्री के जमीन आंवटन में हेराफेरी की जांच के बीच मल्लिकार्जुन खडग़े ने कर्नाटक द्वारा आवंटित जमीन लौटा दी। यह विवाद मार्च 2024 में शुरू हुआ, जब कर्नाटक कांग्रेस सरकार ने राहुल खडग़े की अध्यक्षता वाले सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को जमीन दी। विचाराधीन भूमि मल्लिकार्जुन खडग़े के बेटे राहुल एम खडग़े को कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) द्वारा बगलूर में हाई-टेक डिफेंस एंड एयरोस्पेस पार्क के हार्डवेयर क्षेत्र में आवंटित की गई थी। कांग्रेस का शायद ही ऐसा कोई वरिष्ठ नेता होगा जिस पर भ्रष्टाचार के आरोप और मामले दर्ज नहीं किए गए हैं। पार्टी में कनिष्ठ से लेकर शीर्ष तक के नेताओं के खिलाफ गंभीर मामले चल रहे हैं। यहां तक कि पार्टी चलाने वालीं पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी भी जमानत पर चल रहे हैं। भ्रष्टाचार के मामलों को देखें तो दिल्ली से लेकर हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक के बड़े कांग्रेस नेता सीबीआई, इनकम टैक्स और ईडी जैसी एजेंसियों के निशाने पर हैं। हालांकि कांग्रेस अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार करती रही है। पार्टी का कहना है कि बीजेपी की मोदी सरकार राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है। करोड़ों की एंबुलेंस खरीद में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम के पुत्र कार्ति चिदम्बरम, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ए.ए खान, श्वेता मंगल, शफी माथेर और निदेशक एन आर एच एम के विरूद्ध 2013 तक एनआरएचएम के तहत एंबुलेंस खरीदने में हुई धांधली का मामला दर्ज किया गया था। एंबुलेंस खरीदने के लिए जो टेंडर जारी किया गया, उसमें गड़बड़ी की गई थी। इस मामले में 31 जुलाई 2014 को जयपुर के अशोक नगर थाना पुलिस ने जयपुर नगर निगम के पूर्व मेयर पंकज जोशी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। कर्नाटक में कांग्रेस के दिग्गज नेता डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति दर्ज करने का मामला चल रहा है। 2017 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने डीके शिवकुमार के 64 ठिकानों पर जबर्दस्त छापेमारी की थी। टैक्स चोरी की शिकायतों पर यह कार्रवाई हुई थी। उस दौरान डीके शिवकुमार व अन्य कांग्रेस नेताओं ने राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया था। इसी तरह वीरभद्र सिंह हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता वीरभद्र सिंह के खिलाफ भी केंद्रीय एजेंसियों ने जांच की। सितंबर 2015 में उनकी बेटी की शादी के दिन सीबीआई ने छापेमारी कर खलबली मचा दी थी। कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजनीतिक सचिव अहमद पटेल पर इतालवी चॉपर कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड से कमीशन लेने के आरोपों की सीबीआई आदि केंद्रीय एजेंसियां जांच कर रही हैं। इस मामले में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी भी फंसे हैं। यह मामला अगस्ता वेस्टलैंड कंपनी से 36 अरब रुपए के 12 वीआईपी हेलिकॉप्टर खरीदने थे से जुड़ा है। आरोप है कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया इस वीआईपी चॉपर खरीद के पीछे अहम भूमिका निभा रही थीं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने इस मामले को पिछली मोदी सरकार में उठाया था, जिसके बाद घमासान मचा था। नेशनल हेराल्ड केस-2011 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता फंसे हैं। आरोप है कि कांग्रेस के पैसे से 1938 में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड नाम की कंपनी खड़ी की गई, जो नेशनल हेराल्ड, नवजीवन और क़ौमी आवाज़ नामक तीन अखबारों का संचालन करती थी। एक अप्रैल 2008 को सभी अखबार बंद हो गए. इसके बाद कांग्रेस ने 26 फरवरी 2011 को इसकी 90 करोड़ रुपये की देनदारियों को अपने जिम्मे ले लिया था। मतलब पार्टी ने इसे 90 करोड़ का लोन दे दिया।

आप का नजरिया

प्रदूषण की 'सफेद झाग'

राजधानी दिल्ली में प्रदूषण इस पराकाष्ठा तक पहुंच गया है कि यमुना नदी में पानी के स्थान पर 'सफेद झाग' उभर आई है। यह प्रदूषित और जहरीली झाग है। यमुना नदी इतिहास के पन्नों में खो गई है। वह अब या तो गंदा नाला है अथवा सफेद झाग का कोई गहरा गड्ढा...। यमुना किनारे औद्योगिक इकाइयों के कचरे का अपशिष्ट नदी में गिर रहा है। आखिर इन इकाइयों को वहां से हटाया क्यों नहीं गया? प्रदूषण के कणों से मिलकर कचरा सफेद झाग में तबदील हो रहा है। कई बार ऐसा एहसास होता है मानो यमुना नदी की सतह पर सफेद बादल बन गए हों, लेकिन यह झाग दिल्ली के खतरनाक और जानलेवा पर्यावरण का प्रतीक है। यमुना भी एक राजनीतिक जुमला बन कर रह गई है। बीते 8 सालों के दौरान यमुना की सफाई पर करीब 6856 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। यह राशि केंद्र सरकार ने बजट के तौर पर दिल्ली सरकार को दी है। अद्र्धराज्य सरकार ने 1000 करोड़ रुपए से अधिक का उपकर 'प्रदूषण सेस' भी दिल्लीवालों पर थोपा है। यह पूरी राशि कहां खर्च की गई, यमुना अब भी प्रदूषित और जहरीली क्यों है, तत्कालीन मुख्यमंत्री केजरीवाल ने सरेआम कहा था कि यमुना में डुबकी मारने की स्थिति न हो जाए, तो दिल्ली 'आम आदमी पार्टी' को वोट मत देना, करदाता का पैसा कहां फूंक दिया गया, इन तमाम सवालों के जवाब केजरीवाल एंड कंपनी को देने ही होंगे। दिल्ली के 'गैस चैंबर' में अदालतें भी मौजूद हैं। न्यायाधीश भी बसे रहने को अभिशप्त हैं। क्या वे 'आप' सरकार को तलब करके ये सवाल नहीं पूछेंगे? यह 'सफेद झाग' जानलेवा भी साबित हो सकता है। छठ पर्व की पूजा और स्नान के दिन बहुत दूर नहीं हैं। धार्मिक आस्था के लोग अब भी सफेद झाग की यमुना में अपने बच्चों का स्नान करवा रहे हैं। ऐसी तस्वीरें मीडिया में छपी हैं। या तो उन्हें सफेद झाग के जहरीले प्रभावों की जानकारी नहीं है अथवा वे धार्मिक तौर पर विवश हैं, लिहाजा उस सफेद झाग के संपर्क में हैं! ईश्वर न करे कि वे बच्चे बीमार हों, लेकिन कोई अनहोनी हो गई, तो क्या उसका अपराध दिल्ली सरकार पर चस्पा किया जाएगा? दरअसल यह राजनीतिक जमात इतनी बेशर्म क्यों है कि यमुना की सफाई तक नहीं कराई जा सकी, जबकि सरकार को पर्याप्त बजट दिया गया था? करीब 10 साल तक केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बने रहे और यमुना की निर्मलता और विरलता के जुमले उछालते रहे, अंततः यमुना में जहरीली झाग पैदा हो गई। क्या लोकतंत्र में जवाबदेही की कोई गुंजाइश नहीं होती? चूंकि राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब और गंभीर स्थिति में पहुंच चुका है। एक दर्जन से अधिक हॉट स्पॉट ऐसे हैं, जहां वायु का स्तर 300-400 या उससे अधिक हो गया है। देश की राजधानी की 'हवा' इतनी विषाक्त हो चुकी है कि आश्चर्य होता है। सांस घुटने लगा है, खांसी लगातार हो रही है, निमोनिया के केस भी आ रहे हैं, हार्ट अटैक अचानक होने लगे हैं। दिमागी बीमारियां भी उभर सकती हैं। जन्म लेने वाले शिशुओं के वजन कम हो सकते हैं। कुछ दीर्घकालीन बीमारियां भी पैदा हो सकती हैं।

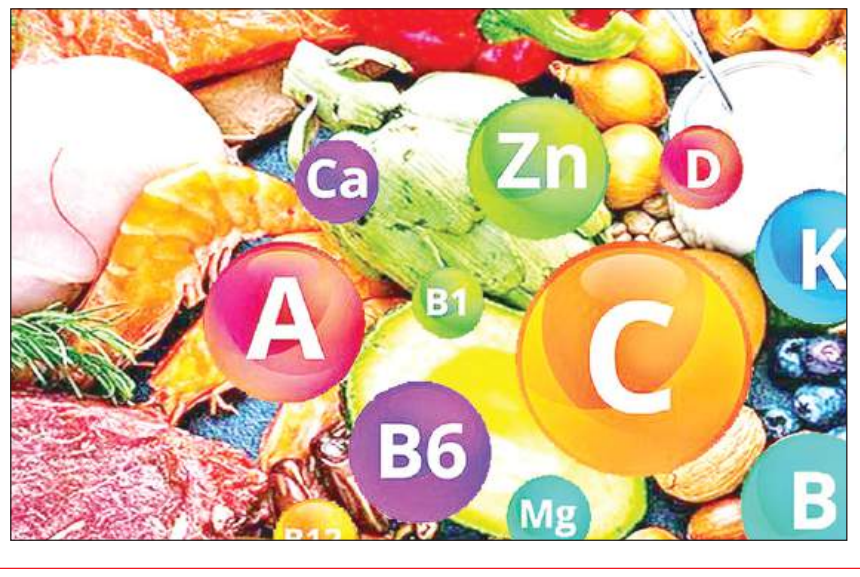

भारतीय मूल के वैज्ञानिक ने की प्रोटीन के नए फंक्शन की खोज

टोरंटो, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय मूल के एक वैज्ञानिक के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की एक टीम ने प्रोटीन के नए फंक्शन की खोज की है। इस हालिया खोज से उम्र से संबंधित बीमारियों का इलाज किया जा सकता है। कनाडा के मैकमास्टर विश्वविद्यालय की टीम ने एक प्रोटीन का एक नया, अज्ञात कोशिका-सुरक्षात्मक कार्य खोजा है जो उम्र संबंधी बीमारियों के इलाज के लिए नए रास्ते खोल सकता है और बुढ़ापे के दौरान व्यक्ति को स्वस्थ बनाए रखने की दिशा में काम करता है। ताजा अध्ययन के अनुसार, कोशिकाएं प्रोटीन को गलत तरीके से बना सकती हैं, और सफाई प्रक्रिया बाधित हो सकती है। इसके परिणामस्वरूप, प्रोटीन एक साथ चिपक सकते हैं, जिससे हानिकारक जमाव हो सकता है जो अल्जाइमर और पार्किंसन जैसी बीमारियों से जुड़ा है। शोध की देखरेख करने वाले प्रोफेसर भगवती गुप्ता ने कहा, प्रोटीन इकट्ठा होने से यदि कोशिकाएं तनाव का अनुभव कर रही हैं तो एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम को इन प्रोटीनों को बनाना बंद करने का संकेत मिलता है। शोध टीम ने पाया कि एमएएनएफ नामक सुरक्षात्मक प्रोटीन का एक वर्ग कोशिकाओं को कुशल और स्वस्थ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पहले के अध्ययनों से पता चला था कि एमएएनएफ कोशिकीय तनाव को कम करने में मदद करता है। टीम ने यह समझने की कोशिश की कि यह कैसे होता है, इसके लिए उन्होंने सी. एलिगेंस नामक सूक्ष्म कृमियों का अध्ययन किया। उन्होंने सी. एलिगेंस में एमएएनएफ की मात्रा में हेरफेर करने के लिए एक प्रणाली बनाई। ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय में पोस्ट-डॉक्टरल फेलो शेन टेलर ने कहा, एमएएनएफ मनुष्यों सहित सभी जानवरों में मौजूद है। हम मौलिक और यांत्रिक विवरण सीख रहे हैं, जिन्हें बाद में उच्च प्रणालियों में परखा जा सकता है। गुप्ता ने कहा, सेलुलर होमियोस्टेसिस में एमएएनएफ की भूमिका की खोज से पता चलता है कि इसका उपयोग मस्तिष्क और शरीर के अन्य भागों को प्रभावित करने वाली बीमारियों के उपचार को विकसित करने के लिए किया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

गहराता संघर्षः इजराइल ने फिर किया धाये और लेबनान में हमले

बेरूत। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच चल रही जंग खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। इजरायली सेना ने न केवल हवाई आक्रमण तेज किए हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर भी हमले जारी हैं। हिजबुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह के खात्मे के बावजूद संगठन अभी तक इजरायल की उम्मीदों के अनुसार कमजोर नहीं हुआ है। यही कारण है कि इजरायल ने अब हिजबुल्लाह की रीढ़ तोड़ने के लिए सभी महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। लेबनान के धाये इलाके में इजरायल की ओर से बार-बार हवाई हमले किए जा रहे हैं। धाये वही इलाका है, जहां हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह मारे गए थे। इसके अलावा, इजरायली सेना उन सभी इमारतों और प्रतिष्ठानों को भी निशाना बना रही है, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हिजबुल्लाह से जुड़े हुए हैं। चियाह और अन्य इलाकों में इजरायल की बमबारी ने वहां के निवासियों में डर पैदा कर दिया है, और लोग यह समझने में असमर्थ हैं कि अगला हमला कब और कहां हो सकता है। इजरायल का यह कदम स्पष्ट रूप से हिजबुल्लाह को हर तरह से कमजोर करने और उसके संसाधनों को खत्म करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस संघर्ष का असर लेबनान के आम नागरिकों पर भी पड़ रहा है, और पूरे क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ती जा रही है। बता दें कि जिन इलाकों में हमले हो रहे वो हिजबुल्लाह का मुख्य गढ़ माना जाता है। इजरायल अब हिजबुल्लाह के आर्थिक संसाधनों को भी खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहा है। इस क्रम में, इजरायली सेना ने कर्द अल-हसन बैंक पर हमला किया, जो हिजबुल्लाह से जुड़ा हुआ है और बिना ब्याज के लोन देता है ।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में विवादों से घिरा ऐलन मस्क का दांव

वाशिंगटन। अमेरिका में हो रहे राष्ट्रपति चुनाव में मुख्य मुकाबला डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच है। इसमें अरबपति एलन मस्क की इंट्री ने एक नया विवाद छेड़ दिया है। मस्क ने घोषणा की है कि वह नवंबर के चुनाव तक हर दिन 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 80 मिलियन रुपये) देंगे, जो उनकी ऑनलाइन याचिका पर हस्ताक्षर करेगा। पहला पुरस्कार ट्रंप समर्थक एक पीएसी (पॉलिटिकल एक्शन कमिटी) कार्यक्रम में दिया जाएगा। हालांकि, इस भुगतान की वैधता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। गवर्नर ने चिंता जाहिर की इस बीच, पेनसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने रविवार को एनबीसी के मीट द प्रेस पर मस्क की इस योजना को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा, पेन्सिलवेनिया में मतदाताओं को पैसा देने की मस्क की योजना बेहद चिंताजनक है और इसे कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा जांचा जाना चाहिए। इसके अलावा, चुनाव कानून विशेषज्ञों ने भी इस योजना पर सवाल उठाए हैं, क्योंकि संघीय कानून के प्रावधान मतदाताओं को नकद भुगतान करने पर रोक लगाते हैं। मस्क के इस विवादित कदम से राष्ट्रपति चुनाव में नया मोड़ आ गया है, और अब देखना होगा कि यह कदम चुनावी प्रक्रिया पर किस तरह का प्रभाव डालता है।

यूक्रेन को माना गया सबसे खूबसूरत महिलाओं का देश

लंदन। बीते दिनों दुनिया की सबसे खूबसूरत महिलाओं वाले देशों की सूची जारी की गई है। सूची में यूक्रेन को सबसे खूबसूरत महिलाओं का देश माना गया है। यूरोपीय संगठन द्वारा किए गए ताजा अध्ययन में महिलाओं की शारीरिक विशेषताओं जैसे त्वचा का रंग, आंखों का रंग, चेहरे की बनावट और आकर्षकता पर विशेष ध्यान दिया गया। इस अध्ययन के अनुसार, दुनिया भर में महिलाओं की सुंदरता को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण हो सकते हैं, लेकिन यूक्रेन की महिलाएं इस समय सबसे ज्यादा आकर्षक मानी जा रही हैं। यूक्रेन के बाद स्वीडन का नाम दूसरे स्थान पर आता है। वहीं, इस सूची में पोलैंड, नॉर्वे, बेलारूस, तुर्की और रूस जैसे देशों का भी उल्लेख किया गया है। यह सर्वे दुनिया भर के पुरुषों और महिलाओं के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए किया गया था, और इसके परिणाम काफी दिलचस्प हैं। यूक्रेन की महिलाओं को सुंदरता के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास और ताकत के लिए भी सराहा गया है। अध्ययन के अनुसार, यूक्रेनी महिलाएं न केवल आकर्षक होती हैं, बल्कि उन पर विश्वास भी किया जाता है कि वे अपने साथी के साथ विश्वासघात कम करती हैं।

पाकिस्तान की संसद में 26वां संविधान संशोधन विधेयक पारित

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस का कार्यकाल तीन साल तक सीमित करने का रास्ता साफ

इस्लामाबाद, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आखिरकार पाकिस्तान की हुकूमत को संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने पर कामयाबी मिल गई। इसके लिए हुकूमत को समर्थन जुटाने के लिए करीब एक माह तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। नेशनल असेंबली ने करीब पांच घंटे की बहस के बाद तड़के विवादास्पद 26वें संविधान संशोधन विधेयक को पारित कर दिया।

उपलब्ध विवरण के अनुसार, 336 सदस्यों वाली नेशनल असेंबली में मतदान के दौरान 225 सदस्यों ने विधेयक का समर्थन किया। संशोधन पारित करने के लिए सरकार को 224 मत की जरूरत थी। डॉन के अनुसार, 26वें संवैधानिक संशोधन विधेयक को संवैधानिक पैकेज के रूप में भी जाना जाता है। संसद के दोनों सदनों से अनुमोदन के बाद अब यह कानून बन गया।

इस विधेयक को शुरुआत में सीनेट ने दो-तिहाई बहुमत के साथ हरी झंडी दी थी। इसे रविवार देररात 11:36 बजे नेशनल असेंबली में कानूनमंत्री आजम नजीर तरार ने प्रस्तुत किया। इस पर रात को करीब पांच घंटे तक बहस हुई। अंततः यह सुबह पांच बजे पारित हो गया। हालांकि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और सुन्नी-इत्तेहाद परिषद (एसआईसी) के 12 सदस्यों ने इसका विरोध किया।

जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल के पांच सीनेटर और बलूचिस्तान नेशनल पार्टी-मेंगल (बीएनपी-एम) के दो सांसदों ने भी विधेयक के पक्ष में मतदान किया। विधेयक में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की नियुक्ति के लिए 12 सदस्यीय आयोग गठित करने का प्रस्ताव है। साथ ही मुल्क के प्रधान न्यायाधीश की नियुक्ति को तीन वर्ष के लिए सीमित करने का प्रावधान है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि 26वें संवैधानिक संशोधन का पारित होना राष्ट्रीय एकजुटता और सर्वसम्मति का उत्कृष्ट प्रकटीकरण है। 26वें संविधान संशोधन के पारित होने के बाद नेशनल असेंबली में उन्होंने विश्वास जताया कि यह कानून आम आदमी के लिए आसान और त्वरित न्याय सुनिश्चित करेगा। उन्होंने इसे एक बड़ा मील का पत्थर बताया। प्रधानमंत्री ने संवैधानिक संशोधन का समर्थन करने के लिए गठबंधन सहयोगियों और जेयूआई (एफ) का आभार जताया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 26वें संवैधानिक संशोधन की सहमति के लिए राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को सलाह भेजी है।

सदिग्ध आतकियों ने की पुलिस अधिकारी की हत्या

करांची। पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र समझे जा रहे उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मोटरसाइकिल सवार अज्ञात बंदूकधारियों ने आतंकवाद निरोधक विभाग के एक पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया है कि रविवार को आतंकियों ने पुलिस अधिकारी को गोलीमार कर शहीद कर दिया, दोषियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने घटना के संबंध में बताया कि उप निरीक्षक शेर अली की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वह रविवार को बन्नू जिले में स्थित एक मस्जिद में नमाज अदा करने के बाद बाहर आ रहे थे। इस हमले में एक अन्य व्यक्ति भी घायल हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और अपराधियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। इस मामले को आतंकी घटना से जोड़कर देखा जा रहा है और इलाके में पुलिस ने सर्च अभियान चलाया हुआ है।

तनातनी के बीच कनाडा में 93 में से 13 विधानसभा सीटें पंजाबियों ने जीतीं

टोरंटो, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में हाल ही में हुए चुनावों में भारतीय, खासकर पंजाबी समुदाय का उल्लेखनीय प्रदर्शन देखने को मिला है। 93 सीटों वाली विधानसभा में 13 सीटें भारतीय मूल के लोगों, विशेषकर पंजाबियों, ने जीती हैं। यह संख्या अब तक का सबसे बड़ा प्रतिनिधित्व है, जो कनाडा में भारतीय समुदाय की बढ़ती राजनीतिक ताकत को दर्शाता है। पिछले चुनाव में यह संख्या 9 थी, जो इस बार और बढ़ गई है। अपंजाबी मूल के कुछ प्रमुख विजेताओं में एनडीपी के पूर्व आवास मंत्री रवि कहलोन और पूर्व अटॉर्नी-जनरल निकी शर्मा शामिल हैं। रवि कहलोन, जो पहले एक फील्ड हॉकी खिलाड़ी रह चुके हैं और 2000 व 2008 के ओलंपिक में कनाडा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, ने राजनीति में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। कनाडा की 2021 की जनगणना के अनुसार, पंजाब से आए लोग कनाडा की कुल जनसंख्या का करीब 2 प्रतिशत हिस्सा हैं, जो उन्हें देश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण समूह बनाता है। ब्रिटिश कोलंबिया चुनाव में न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने 46 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि कंजरवेटिव पार्टी ने 45 सीटें जीतीं और ग्रीन पार्टी ने दो सीटें अपने नाम कीं। ग्रीन पार्टी की यह दो सीटें अब इस बात का निर्धारण करेंगी कि अगली सरकार किसकी होगी। जगरूप बरार ने सरे-फ्लीटवुड सीट से रिकॉर्ड 7वीं बार जीत दर्ज की। बरार, जो पंजाब के बठिंडा में जन्मे हैं, भारत की राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम का हिस्सा भी रह चुके हैं। इसके अलावा, राज चौहान ने लगातार छठी बार बर्नबी-वेस्टमिंस्टर सीट जीती, जबकि 30 वर्षीय रवि परमार ने लैंगफोर्ड-हाइलैंड्स की नई सीट से जीत हासिल की। सबसे कम उम्र के विजेता परमार का यह चुनावी जीत कनाडा में नई पीढ़ी के भारतीय नेताओं की ओर इशारा करता है। हालांकि, चुनाव में एक बड़ा उलटफेर शिक्षा मंत्री रचना सिंह की हार के रूप में सामने आया। उन्हें सरे-नॉर्थ सीट से कंजरवेटिव पार्टी के नेता मंदीप धालीवाल से हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा, हरविंदर कौर संधू ने लगातार दूसरी बार वर्नोन-मोनाशी सीट पर जीत दर्ज की।

यूएनएससी में स्थाई सदस्यताः भारत के समर्थन में एकजुट हो रहे कई देश

जिनेवा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत सुरक्षा परिषद के स्थायी और अस्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने समेत विभिन्न सुधारों के लिए वर्षों से किए जा रहे प्रयासों में सबसे आगे रहा है। भारत का कहना है कि 1945 में स्थापित 15 देशों की सुरक्षा परिषद 21वीं सदी के उद्देश्यों के लिए उपयुक्त नहीं है और समकालीन भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती।

भारत का कहना है कि वह भी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का हकदार है। पिछले महीने, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीअर स्टार्मर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद यानी यूएनएससी में स्थायी सदस्यता के भारत के दावे का समर्थन किया था। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि रूस का मानना है कि भारत, ब्राजील और अफ्रीकी देशों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। खबरों के अनुसार लावरोव ने साक्षात्कार में कहा, भारत, ब्राजील के साथ-साथ अफ्रीकी देशों को काफी समय पहले सुरक्षा परिषद में स्थायी प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए था।

अब सिनवार के शव के बदले बंधकों को रिहा कराएगा इजराइल

गाजा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

युद्ध में सब कुछ जायज है। शायद यही फार्मूला इजरायल ने अपना रखा। इजरायल लंबे समय से अपने बंधकों को रिहा कराने के प्रयास कर रहा है। कई बार की कोशिशों के बाद भी रिहाई संभव नहीं हुई है। हमास ने जिन्हे बंधक बनाया है उनमें इजरायल के अलावा 23 देशों के नागरिक शामिल हैं। अब इजरायल के हाथ हमास प्रमुख याह्या सिनवार का शव लगा है। माना जा रहा है कि इस शव को लौटाने के बदले बंधकों की रिहाई हो सकती है।

इजरायल को यकीन है कि हमास के पास अब भी 101 बंधक मौजूद हैं, जिन्हें किसी अज्ञात स्थान पर रखा गया है। ऐसे में इजरायली अधिकारी इस पर विचार कर रहे हैं कि किस प्रकार सिनवार के शव को सौदेबाजी के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इजरायली राजनयिक सूत्रों के अनुसार, अगर हमास सिनवार के शव के बदले बंधकों को मुक्त करने की पेशकश करता है, तो यह एक समझौते का हिस्सा हो सकता है। एक सूत्र ने बताया कि यदि हमास सौदे की शर्तों पर सहमत होता है, तो सिनवार का शव गाजा वापस भेजा जा सकता है।

नेतन्याहू ने हाल ही में अपने बयान में यह भी कहा कि अगर हमास बंधकों को वापस करता है, तो उन्हें गाजा छोड़ने और बाहर जाने की अनुमति दी जाएगी। इस तरह की पेशकश से इजरायल उम्मीद करता है कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित कर सकेगा, हालांकि यह प्रक्रिया अभी भी जटिल बनी हुई है।

इजरायल ने हमास के प्रमुख याह्या सिनवार को मार गिराने के बाद गाजा में अपनी सैन्य कार्रवाई को और तेज कर दिया है। सिनवार की मौत के बाद इजरायल का मुख्य फोकस हमास के कब्जे में मौजूद बंधकों की रिहाई पर है, जिनमें इजरायल के अलावा 23 देशों के नागरिक शामिल हैं। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए इन बंधकों की वापसी अब सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है।सूत्रों के अनुसार, इजरायल इस चुनौती से निपटने के लिए एक नया रास्ता ढूंढ चुका है, जिसमें सिनवार के शव को सौदेबाजी के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में 250 से अधिक लोग किडनैप किए गए थे, और सिनवार इस हमले का मास्टरमाइंड था। इस समय उसका शव इजरायली सेना के कब्जे में है, लेकिन उसकी वापसी को लेकर चर्चा जारी है।

हरिकेन ऑस्कर ने बहामास और क्यूबा में मचाई तबाही, कई जगह बिजली गुल, बाढ़ की आशंका

मियामी, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दुनियाभर में आ रहे चक्रवाती तूफानों का असर बहामास और क्यूबा में भी दिखाई दे रहा है। हरिकेन ऑस्कर रविवार को बहामास के तट से टकरा गया, जिससे क्षेत्र में भारी तबाही की आशंका जताई जा रही है। इस तूफान की रफ्तार लगभग 130 किमी प्रति घंटे तक पहुँच चुकी है, और इसके साथ मूसलधार बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है।

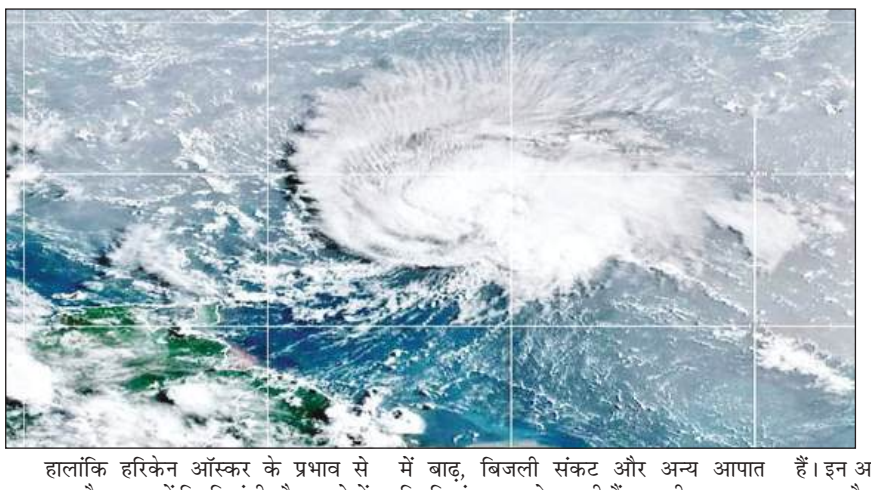

हालांकि हरिकेन ऑस्कर के प्रभाव से बहामास और क्यूबा में स्थिति गंभीर है। इन क्षेत्रों में बाढ़, बिजली संकट और अन्य आपात स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। स्थानीय प्रशासन और आपातकालीन सेवाएं इन समस्याओं से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

हरिकेन ऑस्कर ने बहामास के दक्षिण-पूर्वी इलाकों में दस्तक दी, जिससे वहां की बिजली आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई है। इस वजह से हजारों लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं।

तूफान के चलते ग्रेट इनागुआ आइलैंड और आसपास के इलाकों में भारी बारिश और तेज हवाओं के साथ बाढ़ की आशंका है। नेशनल हरिकेन सेंटर के अनुसार, इन क्षेत्रों में 2 से 6 इंच तक बारिश हो सकती है, जिससे बाढ़ और अन्य आपदाएं आ सकती हैं। इन आपात स्थितियों में स्थानीय प्रशासन ने राहत और बचाव कार्यों को तेज कर दिया है।

हरिकेन ऑस्कर अब क्यूबा की ओर बढ़ रहा है, जिससे वहां के लोगों में भी भय और चिंता बढ़ गई है। क्यूबा में 5 से 10 इंच तक बारिश हो सकती है, और कुछ जगहों पर 15 इंच तक बारिश का अनुमान है।

पिछले कुछ दिनों में क्यूबा पहले ही बिजली संकट का सामना कर चुका है, जब लाखों लोग 48 घंटों तक बिना बिजली के रहे थे। अब इस तूफान के आने से वहां की स्थिति और बिगड़ सकती है। तूफान के चलते क्यूबा में बाढ़ और भूस्खलन जैसी समस्याओं का सामना हो सकता है। नेशनल हरिकेन सेंटर के अनुसार, हरिकेन ऑस्कर का उत्पन्न होना अप्रत्याशित था।

इस क्षेत्र में पहले भी कई तूफान आ चुके हैं, जिससे भारी नुकसान हुआ है। अब ऑस्कर की रफ्तार और दिशा को देखते हुए, विशेषज्ञों ने इन क्षेत्रों में आने वाले दिनों में भारी नुकसान की चेतावनी दी है।

तैराकी विश्व कप : चीन ने छह स्वर्ण 11 रजत और सात कांस्य पदक जीते

शंघाई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

शंघाई में रविवार को फिना तैराकी विश्व कप का समापन हुआ, जिसमें चीन ने कुल छह स्वर्ण, 11 रजत और सात कांस्य पदक जीते। प्रतियोगिता के अंतिम दिन तांग कियांटिंग और तांग मुहान ने एक-एक स्वर्ण पदक जीता।

चीनी तैराकों ने महिलाओं की 800 मीटर फ्रीस्टाइल में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर पोडियम पर कब्जा किया। तांग मुहान ने 8: 15.34 के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया, उसके बाद गाओ वेइज़होंग और कोंग याकी का स्थान रहा।

जीत के बाद तांग मुहान ने कहा, मैं परिणाम से संतुष्ट हूं क्योंकि यह मेरे वर्तमान प्रदर्शन की स्थिति को दर्शाता है। कुछ चीजों में सुधार की आवश्यकता है क्योंकि मैं शॉर्ट कोर्स तैराकी करने का आदी नहीं हूं। मुझे शॉर्ट कोर्स प्रतियोगिताओं में अधिक तेज़ी से मुड़ने के बेहतर तड़ुरीके खोजने की आवश्यकता है।

तांग कियांटिंग ने महिलाओं की 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में 28.76 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जिससे एशियाई रिकॉर्ड टूट गया। दो स्वर्ण पदकों के साथ, वह चीनी तैराकों में सबसे अधिक स्वर्ण पदक जीतने के मामले में किन हैयांग के साथ बराबरी पर आ गईं। विश्व चैंपियन किन हैयांग ने पुरुषों की 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में रजत पदक जीता, उन्होंने विश्व कप में कुल दो स्वर्ण और एक रजत पदक के साथ अपना अभियान समाप्त किया। यू यितिंग ने महिलाओं की 100 मीटर बटरफ्लाई और 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले में दो रजत पदक अर्जित किए। इसके अतिरिक्त, स्विट्जरलैंड की नोए पोंटी ने सुबह की हीट के दौरान पुरुषों की 50 मीटर बटरफ्लाई में 21.67 के समय के साथ विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। चीन के पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल ओलंपिक चैंपियन पैन झानले 200 मीटर फ्रीस्टाइल हीट में 1:44.13 के समय के साथ नौवें स्थान पर रहीं, जो फाइनल में पहुंचने से केवल 0.06 सेकंड दूर थीं। फ्रांस के तैराकी स्टार लियोन मार्चैंड ने रविवार को पुरुषों की व्यक्तिगत मेडले में अपना दबदबा कायम रखते हुए 400 मीटर मेडले में जीत हासिल की, इसके अलावा उन्होंने 100 मीटर और 200 मीटर स्पर्धाओं में भी स्वर्ण पदक जीते। 2024 फिना तैराकी विश्व कप में तीन चरण होंगे। शंघाई इवेंट के बाद, प्रतियोगिताएँ 24 से 26 अक्टूबर तक इंचियोन में और 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक सिंगापुर में आयोजित की जाएँगी।

न्यूज़ ब्रीफ

इथियोपियाई एथलीटों ने जीता एम्स्टर्डम मैराथन

द हेग। इथियोपिया के एथलीट त्सेगाये गेटाचेव ने रविवार को एम्स्टर्डम मैराथन जीत लिया है, जबकि यालेमजेरफ येहुआलॉ महिला वर्ग में जीत हासिल की । गेटाचेव ने 2 : 05 : 38 के समय के साथ एम्स्टर्डम मैराथन में अपनी दूसरी जीत हासिल की। उनके ठीक पीछे इथियोपिया के बोकी असेफा थे, जो 2 : 05 : 40 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे, और इज़राइल के मारू टेफ़री, जो 2 : 05 : 42 के समय के साथ तीसरे स्थान पर आए। महिलाओं की दौड़ में, पसंदीदा यालेमज़र्फ येहुआलॉ ने 2 : 16 : 52 में जीत हासिल करते हुए एक नया कोर्स रिकॉर्ड बनाया। इथियोपिया की ही हेवन हैलू 2 : 19 : 29 के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि केन्या की विनफ्रिदा मोसेटी तीसरे स्थान पर रहीं।

मजबूत वापसी की कसम खाई ऋषभ पंत ने

नई दिल्ली। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट मैच में मिली करारी हार के बाद एक भावुक पोस्ट साझा किया और मजबूत वापसी करने की कसम खाई। पंत ने कहा कि क्रिकेट एक ऐसा खेल है जो आपकी सीमाओं की परीक्षा लेता है, लेकिन जो इसे पसंद करते हैं, वे हर बार और मजबूत होकर उभरते हैं। पहली पारी में भारत केवल 46 रन पर ऑलआऊट हो गया था, लेकिन दूसरी पारी में सरफराज खान (150) और ऋषभ पंत (99) की शानदार पारियों ने भारत को 462 रन तक पहुंचाया। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 177 रनों की अहम साझेदारी ने न्यूजीलैंड को दबाव में डाल दिया। हालांकि, पंत अपने घुटने में चोट के बावजूद बल्लेबाजी करते हुए शतक से चूक गए और इसके बाद उन्हें न्यूजीलैंड की दूसरी पारी के लिए मैदान से बाहर रहना पड़ा। पंत ने अपने एक्स पर पोस्ट किया, यह गेम आपकी सीमाओं का परीक्षण करेगा, आपको नीचे गिराएगा, आपको उठाएगा और आपको फिर से वापस फेंक देगा। लेकिन जो लोग इसे पसंद करते हैं वे हर बार मजबूत हो जाते हैं। उन्होंने बेंगलुरु की अद्भुत भीड़ का धन्यवाद भी किया, जिसने उन्हें प्यार और समर्थन दिया। उन्होंने आगे कहा, हम वापस आएंगे, जो उनकी वापसी की दृढ़ता और आत्मविश्वास को दर्शाता है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट 24 अक्टूबर से पुणे में खेला जाएगा, जबकि सीरीज का तीसरा और आखिरी टेस्ट 1 नवंबर से मुंबई में होगा।

रियल मैड्रिड के लिए खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने लुका मोड्रिक

पोंटेवेद्रा । लुका मोड्रिक ने रियल मैड्रिड के इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 39 साल और 40 दिन की उम्र में विगो के बैलाडोस स्टेडियम में सेल्टा के खिलाफ मैदान पर उतरकर वह रियल मैड्रिड के इतिहास में आधिकारिक मैच खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। इस मैच में उतरकर उन्होंने हंगरी के दिग्गज खिलाड़ी फेरेंक पुस्कस का 1966 का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 39 साल और 36 दिन की उम्र में अपना आखिरी आधिकारिक मैच खेला था। इसके साथ ही, लुका ने रियल मैड्रिड के लिए अपनी 250वीं लालिगा जीत भी दर्ज की, जो कि उनके करियर का एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वह क्लब के साथ अपने 13वें सीज़न में हैं और 369वां लालिगा मैच खेल रहे हैं। मॉड्रिक ने 2012 में लालिगा में पदार्पण किया था और तब से उन्होंने रियल मैड्रिड को 4 लालिगा चैंपियनशिप जीतने में मदद की है। मोड्रिक ने अब तक रियल मैड्रिड के लिए 547 मैचों में 27 खिताब जीते हैं, जिनमें 6 यूरोपीय कप, 5 क्लब विश्व कप, 5 यूरोपीय सुपर कप, 4 स्पेनिश लीग खिताब, 2 स्पेनिश कप, और 5 स्पेनिश सुपर कप शामिल हैं, जो उन्हें क्लब के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक बनाता है।

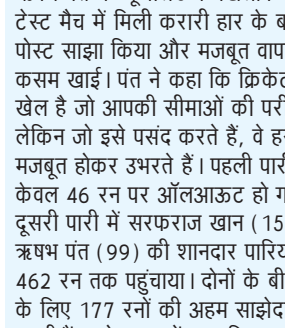

महिला टी-20 विश्व कप जीतने के बाद सोफी डिवाइन ने कहा- भारत के खिलाफ जीत ने हमारे लिए लय तय कर दी

दुबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

टी20 विश्व कप 2024 से पहले, न्यूजीलैंड ने लगातार 10 हार का सामना करते हुए चुनौतीपूर्ण दौर का सामना किया था। 2023 टी20 विश्व कप में, वे नॉकआउट चरण में आगे बढ़ने में विफल रहे और ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के साथ उनका अभियान समाप्त हो गया। मार्च 2023 से इस विश्व कप तक, न्यूजीलैंड ने केवल पांच जीत हासिल की और 16 मैच हारे।

इन असफलताओं के बावजूद, वे 2024 टूर्नामेंट की अपनी तैयारियों केंद्रित रहे। भारत के खिलाफ शुरुआती गेम में उनके प्रयासों का तुरंत ही फल मिला, जहां एक प्रभावशाली प्रदर्शन ने एक कठिन समूह में उनके सेमीफाइनल की संभावनाओं को प्रभावी ढंग से बढ़ा दिया।

कप्तान सोफी डिवाइन ने भारत के मैच को अपने विश्व कप अभियान के लिए लय तय कर दी, जिसका समापन उनकी पहली टी20 विश्व कप जीत में हुई, जब उन्होंने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 32 रनों से हराकर ट्रॉफी जीती।

विश्व कप जीतने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिवाइन ने कहा, किसी एक पल या एक मैच को चिन्हित करना वाकई मुश्किल है। हालांकि, हाल ही में भारत के साथ हुआ मैच शायद सबसे खास था। मुझे लगता है कि दक्षिण अफ्रीका में हुए विश्व कप के बाद से यह शायद हमारा सबसे संपूर्ण प्रदर्शन था और सब कुछ एक साथ आया और जैसा कि मैंने कहा, इसने इस समूह में विश्वास और आत्मविश्वास दिखाया और यह पता चला कि हम यह कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह हमारे लिए बहुत बड़ा क्षण था और इसने आज रात यहां तक पहुंचने में हमारी मदद की। इसे ठीक से बताना मुश्किल है क्योंकि इसमें बहुत कुछ शामिल है। मेरा मतलब है कि हर कोई खेलों के बारे में सोचता है लेकिन पर्दे के पीछे जो काम होता है, उसे बहुत से लोग नहीं देख पाते। लेकिन हां, मुझे लगता है कि अगर आप प्रदर्शन की बात कर रहे हैं, तो भारत के उस प्रदर्शन ने शायद हमारे लिए लय तय कर दी।

2024 टी20 विश्व कप जीत न्यूजीलैंड की महिलाओं का वर्ष 2000 में 50 ओवर के विश्व कप ट्रॉफी को जीतने के बाद पहला वैश्विक खिताब था।

वर्ष 2000 विश्व कप जीतने वाली टीम ने डिवाइन सहित क्रिकेटरों की एक पीढ़ी को प्रेरित किया, और अनुभवी क्रिकेटर ने उम्मीद जताई कि यह खिताब युवा लड़कियों और लड़कों दोनों को खेल अपनाने के लिए प्रेरित कर सकता है।

डिवाइन ने कहा, मुझे लगता है कि 2000 विश्व कप जीतने वाली टीम से मुझे और उस समय आने वाले कई युवा बच्चों को प्रेरणा मिली। मुझे वास्तव में उम्मीद है कि आज रात की जीत न केवल युवा लड़कियों बल्कि युवा लड़कों की अगली पीढ़ी को भी क्रिकेट का बल्ला, क्रिकेट की गेंद उठाने के लिए प्रेरित कर सकती है।

उन्होंने कहा, अभी भी यह बहुत ही अवास्तविक लगता है और उम्मीद है कि आज रात हम जो हासिल करने में सक्षम हैं उसका प्रभाव लंबे समय तक रहेगा और दूरगामी होगा। हर कोई विजेता को पसंद करता है, इसलिए, यह हमारे लिए बहुत अच्छा होने वाला है और उम्मीद है कि इसका प्रभाव देखने को मिलेगा। जाहिर है कि हमारे पास एक बड़ा समर आने वाला है और फिर 12 महीने के समय में एक और विश्व कप है, इसलिए हम निश्चित रूप से इसका लुत्फ़ उठाएंगे और इसका आनंद लेंगे। लेकिन हाँ, यह देखना अच्छा होगा कि इसका प्रभाव क्या होगा। मुझे लगता है कि प्रभाव को समझने में थोड़ा समय लगेगा। हमने इसके बारे में पहले भी बात की है, 2000 विश्व कप और उसका प्रभाव और मुझे लगता है कि इसमें वर्षों लग गए, संख्याओं में वृद्धि और क्रिकेट में रुचि बढ़ने को देखने में, और उम्मीद है कि हम घर पर भी ऐसा कर पाएंगे - खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को प्रेरित कर पाएंगे।

उन्होंने कहा, लेकिन मुझे लगता है कि कीवी होने की सबसे अच्छी बात यह है कि हम सभी एक-दूसरे का साथ देते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कौन सा खेल खेलते हैं। मुझे लगता है कि हमें साथी एथलीटों, आम लोगों और मशहूर हस्तियों से जितना समर्थन मिला है, वह समर्थन पाना बहुत अच्छा रहा है और यह दिखाता है कि न्यूजीलैंड कितना जुड़ा हुआ है और आपको कीवी होने पर वास्तव में गर्व होता है।

बता दें कि खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 158 रन बनाए, जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 126 रन ही बना सकी और 32 रन से मैच हार गई।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में वाशिंगटन सुंदर की वापसी

मुंबई,21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय सीनियर पुरुष चयन समिति ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शेष टेस्ट श्रृंखला के लिए ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भारतीय टीम में शामिल किया है। सुंदर इस समय रणजी ट्रॉफी मैच में दिल्ली के खिलाफ तमिलनाडु के लिए खेल रहे हैं, जहां उन्होंने पहले ही मैच की पहली पारी में 152 रन बनाए और दो विकेट भी लिए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सुंदर पुणे में 24 अक्टूबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे। 25 वर्षीय सुंदर ने 2021 में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था और अब तक चार टेस्ट मैच खेल चुके हैं। उनकी आखिरी टेस्ट उपस्थिति 2021 में अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में हुई थी। सुंदर ने चार टेस्ट मैचों में 265 रन बनाए हैं और छह विकेट भी लिए हैं। भारतीय टीम को बेंगलुरु में न्यूजीलैंड से पहले टेस्ट में आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। यह 1988 के बाद (36 वर्षों के बाद) भारत में न्यूजीलैंड की पहली टेस्ट जीत थी, और भारतीय धरती पर न्यूजीलैंड की 37 टेस्ट मैचों में तीसरी जीत थी। टीम में पहले से ही तीन स्पिनर मौजूद हैं, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, और कुलदीप यादव। संभावना है कि पुणे में होने वाले दूसरे टेस्ट में सुंदर इनमें से किसी एक की जगह टीम में शामिल होंगे। हालांकि, भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टीम पर विश्वास जताया है और कहा कि इस तरह के खेल होते रहते हैं। उन्होंने कहा, हम सकारात्मक चीजें लेंगे और आगे बढ़ेंगे। ऐसे लोग हैं जो पहले भी इस स्थिति में रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए भारत की टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मो. सिराज, आकाश दीप, वाशिंगटन सुंदर।

मोहम्मद शमी ने नेट पर किया अभ्यास, क्या खेलेंगे दूसरा टेस्ट?

बेंगलुरु, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने रविवार को बिना किसी परेशानी के करीब एक घंटे तक नेट पर गेंदबाजी की। शमी, जो इस साल की शुरुआत में टखने की सर्जरी से उबर रहे हैं। शमी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के पहले टेस्ट मैच के बाद नेट सत्र में गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल की निगरानी में अभ्यास किया।

34 वर्षीय शमी ने छोटे रनअप से शुरुआत की और धीरे-धीरे अपने पूरे रनअप और अच्छी गति के साथ गेंदबाजी की। इस दौरान उन्होंने सहायक कोच अभिषेक नायर को अपनी स्विंग गेंदों से परेशान किया। शमी के बाएं पैर में पट्टी बंधी हुई थी, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज करते हुए काफी अच्छे से गेंदबाजी की। उन्होंने अभ्यास के दौरान क्षेत्ररक्षण अभ्यास भी किया और बाद में गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल से चर्चा की।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने हाल ही में कहा था कि शमी अभी पूरी तरह से फिट नहीं हैं और टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए उन्हें जोखिम में नहीं डालना चाहती। रोहित ने कहा था, ईमानदारी से कहूं तो हमारे लिए अभी यह फैसला करना काफी मुश्किल है कि वह वर्तमान श्रृंखला या ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पूरी तरह

फिट हो पाते हैं या नहीं। हाल ही में उनके घुटने में सूजन थी, जो असामान्य है। उन्होंने बताया कि शमी अपनी फिटनेस हासिल करने की प्रक्रिया में थे, लेकिन घुटने में सूजन के कारण इस प्रक्रिया में देरी हो गई है। वह इस समय एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में हैं, जहां फिजियो और चिकित्सक उनकी देखरेख कर रहे हैं इस बीच, शुभमन गिल, जो गर्दन में जकड़न के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में नहीं खेल सके थे, ने भी नेट सत्र के दौरान शमी के साथ अभ्यास किया। गिल ने मोर्कल और टीम फिजियो के साथ हल्का अभ्यास किया और फिर ड्रेसिंग रूम लौट गए।

आईएसएल : हैदराबाद एफसी पर दबदबा कायम रखना जमशेदपुर एफसी का लक्ष्य

जमशेदपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के पांचवें मैच सप्ताह के अंतिम मुकाबले में शानदार फॉर्म में चल रही जमशेदपुर एफसी और जुझारू हैदराबाद एफसी आज शाम जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भिड़ेंगी। जमशेदपुर एफसी ठोस शुरुआत को जारी रखना चाहती है जबकि हैदराबाद एफसी सीजन की अपनी पहली जीत की उम्मीद कर रही है।

जमशेदपुर की टीम गोल पोस्ट के सामने घातक रही है, क्योंकि उन्होंने अपने पिछले सात आईएसएल मैचों में से प्रत्येक में स्कोर किया है। वे सीजन की अपनी सर्वश्रेष्ठ शुरुआत करके चार मैचों में नौ अंक जुटा चुके हैं।

जमशेदपुर ने हैदराबाद एफसी के खिलाफ अपने पिछले तीन मुकाबलों में जीते हैं, जिससे उनका दबदबा नजर आता है। अगर वे आगामी मैच जीत लेते हैं, तो आईएसएल इतिहास में किसी भी टीम के खिलाफ लगातार

चार जीतने के अपने रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे।

हैदराबाद एफसी ने अपने पिछले मैच में चेन्नइयन एफसी के खिलाफ क्लीन शीट हासिल की और अपने पिछले पांच मैचों में कम से कम दो गोल खाने का अनचाहा सिलसिला तोड़ा। वो मार्च 2023 के बाद पहली बार लगातार क्लीन शीट रखने के लक्ष्य के साथ उतरेगी। हालांकि, उसे अपने हमलों में पैनापन लाने की जरूरत है, क्योंकि वो इस सीजन में जीत से वंचित है। कोच थांगबोई सिंग्टो की टीम का इरादा इस सीजन में लगातार सकारात्मक परिणाम पाने का होगा। हैदराबाद के पास पहली बार लगातार आईएसएल मैचों में अपराजित रहने का मौका है। वो दिसंबर 2022 से फरवरी 2023 तक लगातार चार मैचों में अपराजित रही थी।

जमशेदपुर एफसी के हेड कोच खालिद जमील अपनी टीम को घरेलू परिस्थितियों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें हैदराबाद एफसी की क्षमताओं की जानकारी है। जमील ने कहा, यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण मैच है। हम अपने घरेलू दर्शकों के सामने एक अच्छी टीम से खेलेंगे। हैदराबाद पहले से अधिक मजबूत हुई है। हमें अच्छी तैयारी के साथ माकूल परिणाम पाने हैं। हेड कोच थांगबोई सिंग्टो के अनुसार हैदराबाद एफसी पिछले कुछ हफ्तों में टीम के रूप से बेहतर हुई है। इससे उन्हें मैदान पर सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, खिलाड़ी एक टीम के तौर पर मजबूत हुए हैं। फुटबॉल एक टीम खेल है। अगर वे इस भावना को मैदान पर उतारेंगे तो परिणाम अपने आएंगे।

द हंड्रेड टीमों के लिए बोली लगाने वाली फ्रैंचाइजियों में एमआई, सीएसके, एसआर च और केकेआर शामिल

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की आधा दर्जन से ज़्यादा फ्रैंचाइज़ियों ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा संचालित 100-बॉल लीग द हंड्रेड में औपचारिक रूप से रुचि दिखाई है। शुक्रवार, 18 अक्टूबर को पहले दौर की बोलियाँ जमा करने की समयसीमा थी, और आधिकारिक तौर पर रुचि दिखाने वालों में से ज़्यादातर भारतीय निवेशक हैं, ख़ास तौर पर आईपीएल फ्रैंचाइज़ी।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), सनराइज़र्स हैदराबाद (एसआरएच), लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी), मुंबई इंडियंस (एमआई), कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने बोलियाँ जमा की हैं। हालाँकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन समझा जाता है कि राजस्थान रॉयल्स ने भी बोली लगाई है, साथ ही महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की एक फ्रैंचाइज़ी यूपी वॉरियर्स

ने भी बोली लगाई है, जिसका स्वामित्व दुबई स्थित कैप्री ग्लोबल ग्रुप के पास है।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के सह-मालिक और आईएलटी20 में डेजर्ट वाइपर्स टीम के संचालक, एवरम ग्लेज़र की लांसर कैपिटल्स ने भी बोली में भाग लिया है। दिलचस्प बात यह है कि ब्रिटिश फर्म डियाजियो के स्वामित्व वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स की तरह ही बोली नहीं लगाई, जिसने इंग्लिश लीग में टीम के मालिक बनने के अवसर से दूर रहने का विकल्प चुना।

अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि गुजरात टाइटन्स बोली में हिस्सा ले रहा है या नहीं, लेकिन अहमदाबाद फ्रैंचाइज़ के मालिक सीवीसी कैपिटल का यू.के. में एक कार्यालय है। सीवीसी के भारतीय अधिकारियों को इस बात की जानकारी नहीं है कि यू.के. कार्यालय ने बोली लगाई है या नहीं। विभिन्न खेल संपत्तियों में सीवीसी कैपिटल की विश्वव्यापी भागीदारी को देखते हुए, ऐसी धारणा है कि उन्होंने भी रुचि दिखाई होगी। संयोग से, गुजरात टाइटन्स के परिचालन प्रमुख निक क्लैरी लंदन में रहते हैं, जिससे उनकी संभावित भागीदारी की संभावना बढ़ जाती है। चूंकि यह बोली का केवल पहला दौर है, इसलिए इस स्तर पर निवेशकों के लिए द हंड्रेड में आठ टीमों में से किसी एक का चयन करने की कोई आवश्यकता नहीं है। यह निर्णय दूसरे और अधिक गंभीर दौर में आएगा, जो ईसीबी के अनुसार, आईपीएल नीलामी समाप्त होने के बाद हो सकता है। दूसरे दौर में वाणिज्यिक चर्चाएँ भी अपेक्षित हैं, सूत्रों से पता चलता है कि ईसीबी 75 मिलियन पाउंड और 100 मिलियन पाउंड के बीच फ्रैंचाइज़ मूल्यांकन की उम्मीद कर रहा है। ईसीबी द्वारा साझा किए गए सूचना ज्ञापन (आईएम) के अनुसार, इंग्लिश बोर्ड वर्तमान में द हंड्रेड प्रतियोगिता और इसकी सभी टीमों का 100 प्रतिशत स्वामित्व रखता है। यह आठ टीमों में से प्रत्येक का कम से कम 49 प्रतिशत हिस्सा नए निवेशकों को बेचेगा, जिनके पास द हंड्रेड को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए दृष्टि, अनुभव और क्षमताएं हैं। किसी टीम में हिस्सेदारी खरीदने के इच्छुक निवेशकों को किसी एक टीम में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए 40 मिलियन पाउंड से 50 मिलियन पाउंड के बीच निवेश करना पड़ सकता है। बोली के दूसरे दौर के दौरान मूल्यांकन सामने आएगा। शेष 51 प्रतिशत प्रत्येक टीम से जुड़ी काउंटियों के पास रहेगा, जिससे नए निवेशक संबंधित काउंटी के साथ संयुक्त उद्यम में भागीदार बन जाएंगे। निवेशकों के पास काउंटियों के 51 प्रतिशत का कुछ या पूरा हिस्सा खरीदने का विकल्प भी है।

चार दिन की तेजी के बाद सोने में मामूली गिरावट, चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार चार दिन की तेजी के बाद सोने की कीमत में मामूली गिरावट नजर आ रही है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में मामूली तेजी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 79,560 रुपये से लेकर 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,920 रुपये से लेकर 72,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने के विपरीत चांदी के भाव में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 99,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,920 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,820 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सेना और अलकायदा....

है, जिस तरह पाकिस्तानी सेना की खुफिया इकाई इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस यानी आईएसआई। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसप-ीआर) पाकिस्तान सशस्त्र बलों की मीडिया और जनसम्पर्क शाखा है। यह देश के नागरिक मीडिया और नागरिक समाज को सैन्य समाचार और सूचना प्रसारित और समन्वयित करता है। पाकिस्तानी मीडिया आईएसपीआर के चंगुल में है। आईएसपीआर ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान या उनके वक्तव्य से जुड़ी खबरें पाकिस्तानी मीडिया में प्रकाशित और प्रसारित न हों, इसकी पूरी व्यवस्था कर रखी थी। यही वजह है कि एससीओ समिट में एस जयशंकर का महत्वपूर्ण भाषण पाकिस्तानी मीडिया में सुर्खियां नहीं बना और उसे पूरी तरह ब्लैकआउट कर दिया गया। भारत की वैदेशिक खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड अनालिसिस विंग (रॉ) ने यह रिपोर्ट दी है कि पाकिस्तानी सेना की इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) शाखा के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी कुख्यात अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन अल कायदा से सम्बद्ध हैं। लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी पाकिस्तानी सेना में तीन सितारा जनरल हैं। यानी, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के खिलाफ पाकिस्तान में जो कुचक्र रचा जा रहा था, उसमें पाकिस्तान सरकार, पाकिस्तानी सेना और अलकायदा जैसे आतंकी संगठन शामिल थे।

लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी के पिता परमाणु वैज्ञानिक और उम्माह तामीर-ए-नौ का संस्थापक सुल्तान बशीरुद्दीन महमूद हैं। यह वही सुल्तान बशीरुद्दीन हैं, जिन्हें तालिबान के साथ संदिग्ध संबंधों के कारण 9/11 के हमलों के बाद वर्ष 2001 में गिरफ्तार किया गया था। सुल्तान बशीरुद्दीन महमूद को तालिबान और अलकायदा को रासायनिक, जैविक और परमाणु हथियारों के बारे में जानकारी देने के लिए संयुक्त राष्ट्र से प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा था। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बताती है कि बशीरुद्दीन महमूद ने अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन के साथ लगातार कई बैठकें की थीं, और परमाणु हथियारों के बुनियादी ढांचे और उनके संभावित प्रभावों के बारे में लादेन के साथ जानकारियां साझा की थीं। इसके अतिरिक्त बशीरुद्दीन पर उम्मा तामीर-ए-नौ नामक एक कट्टरपंथी समूह के लिए धन जुटाने का भी आरोप है। जर्मनी और यूनाइटेड किंगडम में शिक्षित सुल्तान बशीरुद्दीन महमूद को पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने पाकिस्तान के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान सितारा-ए-इम्तियाज से सम्मानित किया था।

पाकिस्तानी सेना की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) ने भी लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी के पिता की अलकायदा से संबंधों की जांच की थी। बशीरुद्दीन महमूद ने पाकिस्तान परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक चौधरी अब्दुल मजीद के साथ मिलकर उम्माह तामीर-ए-नौ (यूटीएन) की स्थापना की थी। यूटीएन एक स्वयंसेवी संगठन था जो तालिबान शासित अफगानिस्तान में धर्मार्थ कार्यों के लिए धन जुटाता था। आईएसआई के पूर्व महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल हामिद गुल भी इसके सदस्य हुआ करते थे। इसी संगठन ने कंधार में स्कूल और अन्य सुविधाएं भी बनाईं। 2001 में अपनी गिरफ्तारी के बाद, सुल्तान बशीरुद्दीन महमूद ने ओसामा बिन लादेन से मिलने की बात स्वीकार की थी। हालांकि वे बार-बार यही कहते रहे कि लादेन से उनकी चर्चा अफगानिस्तान में एक तकनीकी कॉलेज के लिए धन जुटाने के बारे में थी। जबकि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों ने यही निष्कर्ष निकाला था कि बशीरुद्दीन महमूद अलकायदा के साथ परमाणु हथियारों के रहस्यों को साझा कर रहे थे। हालांकि बशीरुद्दीन महमूद को बाद में रहस्यमय तरीके से रिहा कर दिया गया था।

सीमाई तनाव ...

की जमीन पर अपना कब्जा बढ़ाने की जुगत में लगे चीन की नीयत को लेकर भी सवाल थे। ऐसे में भारत ने सैन्य पैंतरों का उसी भाषा में जवाब देने के साथ ही चीन को समझौते की मेज पर रजामंदी की दस्तखत करने की नौबत तक ला ही दिया।

विदेश सचिव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कल कजान के लिए रवाना होंगे। इस सम्मेलन का विषय वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना है। भारत ब्रिक्स में अहम स्थान रखता है और उसके योगदान ने आर्थिक और सतत विकास, वैश्विक शासन सुधार जैसे क्षेत्रों में ब्रिक्स के प्रयासों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिछले साल जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स के विस्तार के बाद यह पहला शिखर सम्मेलन होगा।

उन्होंने बताया कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में संस्थापक सदस्यों के साथ-साथ नए सदस्य भी शामिल होंगे। शिखर सम्मेलन 22 अक्टूबर से शुरू होगा और पहले दिन की शाम को केवल नेताओं के लिए रात्रिभोज होगा। सम्मेलन का मुख्य दिन 23 अक्टूबर है। दो मुख्य सत्र होंगे। मिस्री ने कहा कि नेताओं से उम्मीद की जा रही है कि वे कजान घोषणा को अपनाएंगे, जो ब्रिक्स के लिए आगे का मार्ग प्रशस्त करेगा। शिखर सम्मेलन 24 अक्टूबर को समाप्त होगा। लेकिन प्रधानमंत्री 23 अक्टूबर को नई दिल्ली लौटेंगे। शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री की कुछ द्विपक्षीय बैठकें भी हो सकती हैं।

रक्षा विशेषज्ञ भारत चीन के बीच हुए एस समझौते को काफी महत्वपूर्ण मानते हैं, खास तौर पर बढ़ते अंतरराष्ट्रीय तनाव के मौजूदा दौर में। भारत और चीन के बीच लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर पेट्रोलिंग को लेकर और सेना कम करने को लेकर बनी द्विपक्षीय सहमति के बड़े मायने हैं। पिछले लंबे अर्से से हो रही कवायद और कूटनीतिक वार्ताओं के बाद भारत-चीन सीमा क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पैट्रोलिंग व्यवस्था पर सहमति बनी है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि 2020 में इन क्षेत्रों में जो मुद्दे उठे थे, उनका समाधान हो रहा है। सीमा पर मुद्दों को सुलझाने के लिए भारतीय और चीनी वार्ताकार पिछले कुछ हफ्तों से संपर्क में हैं। यह समझौता देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों में पैट्रोलिंग व्यवस्था से संबंधित है। पूर्वी लद्दाख सीमा पर 2020 में हुई झड़प के बाद से चीन और भारत दोनों पड़ोसियों के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। इसके कारण ही गलवान में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे और बड़ी संख्या में चीनी सैनिकों की भी मौत हुई थी।

भारत के लिए यह बड़ी सफलता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर पीएम मोदी 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कल कजान के लिए रवाना होंगे। ब्रिक्स के इस सेशन का विषय वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना है। भारत ब्रिक्स के लिए बहुत महत्व रखता है और इसके योगदान ने आर्थिक विकास और वैश्विक शासन सुधार जैसे क्षेत्रों में ब्रिक्स प्रयासों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

दो से अधिक....

अधिक बच्चे पैदा करने का लक्ष्य रखना चाहिए। दरअसल केंद्र की यूथ इन इंडिया-2022 रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश में 25 करोड़ युवा 15 से 25 साल के बीच के हैं। अगले 15 साल में यह और तेजी से गिरेगी।

उन्होंने कहा, हालांकि अतीत में मैंने जनसंख्या नियंत्रण की वकालत की, लेकिन अब हमें भविष्य के लिए जन्म दर बढ़ाने की जरूरत है। सीएन नायडू ने बताया कि, राज्य सरकार एक कानून लाने की योजना बना रही है, जिसके तहत केवल दो या उससे अधिक बच्चों वाले लोग ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ सकेंगे। बता दें कि देश में औसत प्रजनन दर जहां 2.1 है (ये चिंता का विषय नहीं है), वहीं दक्षिणी राज्यों में यह आंकड़ा गिरकर 1.6 तक (ये चिंता का विषय है) पहुंच गया है।

दूसरी तरफ, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील की है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री हिंदू धार्मिक और बंदोबस्ती बोर्ड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा कि अब समय आ गया है कि नवविवाहित जोड़े 16 बच्चे पैदा करें। एमके स्टालिन ने कहा, कलैगनार ने बहुत पहले फिल्म पराशक्ति में एक संवाद लिखा था। इसमें उन्होंने कहा था हम मंदिरों के खिलाफ नहीं है बल्कि मंदिरों के भयानक पुरुषों का शिविर बनाने के खिलाफ हैं। हमारी आबादी कम हो रही है, जिसका असर हमारी लोकसभा सीटों पर भी पड़ेगा। इसलिए हम 16-16 बच्चे पैदा करें।

स्टालिन ने कहा, पहले बड़े बुजुर्ग ने नवविवाहित जोड़ों को 16 तरह की संपत्ति हासिल करने का आशीर्वाद देते थे। लेकिन अब इसके बजाय 16 बच्चे पैदा किए जाए। जब बड़े बुजुर्ग कहते थे कि तुम 16 संतानें प्राप्त करो और समृद्धि जीवन जियो, तो इसका मतलब 16 संतानें नहीं बल्कि 16 प्रकार की संपत्ति थी। लेकिन अब केवल पर्याप्त संतान होने और समृद्ध जीवन जीने का आशीर्वाद दिया जा रहा है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सच्चे भक्त डीएमके सरकार द्वारा मंदिरों के रखरखाव और संसाधनों को सुव्यवस्थित करने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना करते हैं। लेकिन कुछ लोग भक्ति को मुखौटे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग परेशान हैं और हमारी सफलता को रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

योजनाओं के....

प्रधानमंत्री मोदी ने शिवराज सिंह चौहान को केंद्र के सभी प्रोजेक्ट्स की प्रगति देखने की जिम्मेदारी दी है। 2014 के बाद एनडीए सरकार में जो भी प्रोजेक्ट्स घोषित किए गए हैं या घोषित किए जाने वाले हैं, उन सब की समीक्षा शिवराज सिंह चौहान करेंगे। इसको लेकर वह संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी देने के लिए अधिकृत किए गए हैं।

अधिकारियों से मीटिंग करने के बाद शिवराज सिंह चौहान प्रधानमंत्री मोदी को पोर्टल पर प्रकाशित सभी योजनाओं, परियोजनाएं और बजट की घो-षणाओं की समीक्षा करेंगे। अगर किसी भी प्रोजेक्ट में देरी हो रही होगी, तो इस संबंध में वह विभाग के संबंधित सचिवों से सीधे सम्पर्क साधेंगे। 18 अक्टूबर को प्रधानमंत्री कार्यालय में इस कमेटी की पहली बैठक हो चुकी है। इसमें सरकार के सभी सचिव शामिल हुए। पीएम मोदी कई सरकारी योजनाओं के लागू होने में हो रही देरी को लेकर चिंतित है। पीएम मोदी इसको लेकर अधिकारियों को निर्देश भी दे चुके हैं।

शाहंशाह केजरीवाल ...

में कैसे रह सकता है।

पीडब्लूडी की लिस्ट जारी होने के बाद आपा पर भाजपा हमलावर है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास में फुली ऑटोमेटिक सेंसर वाली स्मार्ट टॉयलेट सीट लगाई गई थी। इसमें ऑटोमेटिक ओपन-क्लोज सीट, हीटेड सीट, वायरलेस रिमोट डिओडराइजर और ऑटोमेटिक फ्लशिंग जैसी सुविधाएं थीं। इसकी कीमत 10-12 लाख रुपए के बीच थी। यह सीट अब गायब है। इसके साथ ही और भी कई सारा सामान गायब है।

इस मामले पर आम आदमी पार्टी का भी बेवकूफाना बयान सामने आया है। दिल्ली की सीएम आतिशी मारलेना ने कहा कि हम दिल्ली वालों की सेवा करने आए हैं। अगर केंद्र सरकार को सीएम आवास मुख्यमंत्री को नहीं देना है तो वह उन्हें मुबारक है। हम दिल्ली वालों के लिए सड़क पर रहकर भी काम कर लेंगे। हम जनता के दिलों में बसते हैं तो भारतीय जनता पार्टी चाहे कितनी भी गंदी राजनीति कर ले, वह हमें रोक नहीं पाएंगे।

जज नेताओं और....

गवई ने कहा कि न्याय के लिए लोग, भीड़ के न्याय जैसे तरीके अपना सकते हैं। इससे समाज में कानून और व्यवस्था को काफी नुकसान होता है। इतना ही नहीं लोग केस दर्ज करवाने और कोर्ट का दरवाजा खटखटाने में भी हिचकते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि लंबी मुकदमेबाजी और कम स्पीड से चलने वाली अदालती प्रक्रियाएं ज्यूडिशियल सिस्टम से मोहभंग पैदा करती हैं। न्याय देने में देरी से निष्पक्ष सुनवाई करना भी काफी मुश्किल हो जाता है।

जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि इस देरी से बाद में निर्दोष पाए जाने वाले आरोपियों को काफी नुकसान होता है और जेलों में भीड़ काफी बढ़ जाती है। जज ने कहा कि संवैधानिक बेंच की अब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और लाइव स्ट्रीमिंग से कोर्ट की पारदर्शिता में इजाफा हो रहा है। यह न्यायपालिका के लिए बेहद ही अच्छा कदम है। इससे लोगों को रियल टाइम फैसले देखने की भी इजाजत मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि कोर्ट की कार्यवाही की छोटी सी क्लिप जजों के बारे में गलत धारणा पैदा कर सकती है। जस्टिस गवई ने कहा कि लाइव स्ट्रीमिंग के लिए भी कुछ गाइडलाइन बनाने की जरूरत है।

कनाडा की....

साथ सहानुभूति रखने के बजाय मेरी मूल चिंताओं को ईमानदारी से समझे जो भारतीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को चुनौती देने की कोशिश कर रहे हैं। भारत में क्या होगा यह भारतीय नागरिकों द्वारा तय किया जाएगा। ये खालिस्तानी चरमपंथी भारतीय नागरिक नहीं हैं, वे कनाडाई नागरिक हैं और किसी भी देश को अपने नागरिकों को दूसरे देश की संप्रभुता को चुनौती देने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। राजदूत ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के संबंध में ओटावा द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों से भी इनकार किया।

ट्रूदो सरकार के आरोपों पर संजय वर्मा ने कहा, कोई सबूत पेश नहीं किया गया। ये राजनीति से प्रेरित है। मुझे देखने दीजिए कि वह (विदेश मंत्री मेलानी जॉय) किस ठोस सबूत के बारे में बात कर रही हैं। जहां तक मुझे चिंता है, वह राजनीतिक तौर पर बात कर रही हैं। भारत के उच्चायुक्त के तौर पर मैंने कभी इस तरह का कुछ नहीं किया। कनाडा में खालिस्तानी समर्थक तत्वों की निगरानी करना राष्ट्रहित का मामला है और उनकी टीम खुले सोर्स के माध्यम से जानकारी इकट्ठा करती है।संजय वर्मा ने कहा कि हम अखबार पढ़ते हैं, हम उनके बयान पढ़ते हैं, चूंकि हम पंजाबी समझते हैं, इसलिए हम उनके सोशल मीडिया पोस्ट पढ़ते हैं और वहां से निष्कर्ष निकालने की कोशिश करते हैं। भारत और कनाडा के बीच संबंधों में तब खटास आ गई जब कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने पिछले साल कनाडाई संसद में आरोप लगाया कि निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का उनका आरोप है।

भारत ने सभी आरोपों का खंडन करते हुए उन्हें बेतुका बताया है और कनाडा पर अपने देश में चरमपंथी और भारत विरोधी तत्वों को जगह देने का आरोप लगाया है। खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर को 2020 में भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा आतंकवादी घोषित किया गया था। उसकी पिछले साल जून में सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

संजय वर्मा ने कहा, खालिस्तानी चरमपंथी भारतीय नागरिक नहीं हैं, वे कनाडाई नागरिक हैं और किसी भी देश को अपने नागरिकों को दूसरे देश की संप्रभुता को चुनौती देने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। भारतीय राजदूत ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के संबंध में ओटावा की तरफ से उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों से भी इन्कार किया। संजय वर्मा ने पुष्टि की, इस मामले में कोई सबूत पेश नहीं किया गया, ये सब राजनीति से प्रेरित है। मुझे देखना है कि वह (विदेश मंत्री मेलानी जॉय) किस ठोस सबूत की बात कर रही हैं। उन्होंने कहा, जहां तक मेरा सवाल है, वह राजनीतिक रूप से बात कर रही हैं।राजदूत संजय वर्मा ने निज्जर समेत खालिस्तानी समर्थक कार्यकर्ताओं के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए व्यक्तियों को निर्देश देने या मजबूर करने के आरोपों से भी इनकार किया। उन्होंने कहा, भारत के उच्चायुक्त के रूप में मैंने कभी ऐसा कुछ नहीं किया। उन्होंने बताया कि कनाडा में खालिस्तानी समर्थक तत्वों की निगरानी राष्ट्रीय हित का मामला है और उनकी टीम खुले स्रोतों से जानकारी इकट्ठा करती है। इस दौरान संजय वर्मा ने स्पष्ट किया, हम समाचार पत्र पढ़ते हैं, हम उनके बयान पढ़ते हैं, क्योंकि हम पंजाबी समझते हैं, इसलिए हम उनके सोशल मीडिया पोस्ट पढ़ते हैं और वहां से अनुमान लगाने की कोशिश करते हैं।

सात निर्दोष ...

डॉ. शाहनवाज भी आतंकवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी का शिकार हुए। घायलों में इंदर यादव, मोहन लाल, मुश्ताक अहमद लोन, इशफाक अहमद भट और जगतार सिंह हैं। आतंकियों ने उस समय हमला बोला जब रात के खाने की तैयारी चल रही थी। तभी अचानक तीन हथियारबंद आतंकी मेस में पहुंचे और वहां मौजूद वर्कर्स पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। गोलियां इतनी मारी गई कि दो गाड़ियां भी जलकर खाक हो गई।

हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन द रेजिस्टेंट फ्रंट ने ली है। यह हमला नई सरकार बनने के मात्र चार दिन बाद ही किया है। इससे पहले भी उमर अब्दुल्ला की सरकार बनने के बाद पहली बार हमला 18 अक्टूबर को हुआ था। हमले में गैर स्थानीय व्यक्ति अशोक चौहान को गोली मारी गई थी। इन हमलों के बाद सेना ने बारामुला में हथियारों से लैस आतंकी को मार गिराया। उसके पास से हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद किया गया है। ये हथियार ऐसे थे जैसे वो किसी युद्ध कि तैयारी के लिए जुटाए गए हों। उसके पास से एके 47, दो एके मैग्जीन, 57 एके राउंड, दो पिस्टल के अलावा कई अन्य खतरनाक हथियार मिले हैं।

कश्मीर में पांच दिन के भीतर प्रवासी मजदूरों पर यह दूसरा आतंकी हमला है। इन हमलों ने एक बार फिर घाटी में काम करने वाले 50 हजार से अधिक प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आतंकियों ने 2021 में भी इसी तरह प्रवासी मजदूरों पर आतंकी हमले किए थे। 16 और 17 अक्टूबर 2021 को बिहार एवं यूपी के चार मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। तब घाटी से बड़े स्तर पर प्रवासी मजदूरों ने पलायन किया था। अब फिर कश्मीर में वैसा ही माहौल पैदा करने की कोशिश की जा रही है।

कश्मीर के अलग-अलग जिलों में चलने वाली तमाम बड़ी परियोजनाओं में प्रवासी मजदूर काम करते हैं। बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब के मजदूर कश्मीर में सेब के बगीचों और इसकी पैकिंग में काम करते हैं। निर्माण कंपनियों के विभिन्न प्रोजेक्ट में ये काम करते हैं। यहां तक कि कश्मीर में स्थानीय स्तर पर फल-सब्जी बेचने वालों में भी इनकी बड़ी संख्या है। रेलवे की योजनाओं में भी इन मजदूरों से काम लिया जाता है।

पिछले तीन दिन में आतंकी हमले में सात प्रवासी मजदूर मारे जा चुके हैं। हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन लश्कर-ए- ताइबा के सहयोगी संगठन द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। घटना के बाद पूरे इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है। प्रवासी मजदूरों के कैंप की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त फोर्स तैनात की गई है। वाहनों की तलाशी भी ली जा रही है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि गगनगीर में नागरिकों पर हमला निंदनीय है। जिन लोगों ने इस घृणित कृत्य को अंजाम दिया है उन्हें हमारे सुरक्षाबल कठोर जवाब देंगे। इस मौके पर हमारी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा, मैं आतंकी हमले की निंदा करता हूं। मैं लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि जो लोग भी इसके पीछे हैं वे सजा से वंचित नहीं रहेंगे। पुलिस सेना तथा सुरक्षा बलों को पूरी आजादी दी गई है। वह यह सुनिश्चित करेंगे कि आतंकियों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। पूरा देश दुख की इस घड़ी में साथ खड़ा है। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कायरतापूर्ण हमला बेहद दुखद है। ये लोग इलाके में एक प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजना पर काम कर रहे थे। मैं निहत्थे निर्दोष लोगों पर हुए इस हमले की कड़ी निंदा करता हूं और उनके प्रियजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना है।

टनल निर्माण...

जितने भी बड़े आतंकी हमले हुए वह जम्मू में हुए हैं। यह पहली बार है जब कश्मीर में इतना बड़ा आतंकी हमला हुआ। यह भी पहली बार हुआ है कि विकास की परियोजनाओं को आतंकियों ने निशाना बनाया। यह भी पहली बार हुआ कि लोकल और नॉन लोकल दोनों को टारगेट किया गया है।

विकास परियोजनाओं में शामिल लोगों के हौसले पस्त करने की खौफनाक रणनीति अब आतंकी संगठन अपना रहे हैं। गंदरबल में जिस टनल के पास यह आतंकी हमला हुआ है, वह ऑल वेदर रोड है। इस ऑल वेदर रोड का निर्माण पिछले कुछ सालों से चल रहा है1 यह रोड सीधे गंदरबल से सोनमर्ग और वहां से लेह को कनेक्ट करता है।

इस हमले के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि इतनी अहम टनल के निर्माण के लिए यहां सुरक्षा का कोई इंतजाम क्यों नहीं था? क्योंकि जिस तरह से आतंकी आए और फिर वारदात को अंजाम देकर लौट गए, उसे सुरक्षा में चूक ही माना जाएगा।

दिवाली पर वास्तु के हिसाब से जलाएं दीपक

घर पर जमकर बरसेगा धन

दिवाली का सनातन धर्म के सबसे खास पर्वों में से एक है। इस दिन को बड़ी ही धूमधाम और उत्साह के साथ परिवार के सभी लोग मिलकर मनाते हैं। वैदिक पंचांग के अनुसार इस बार दिवाली का त्योहार 31 अक्टूबर 2024 को पड़ेगा। इस दिन भक्त भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा करते हैं। यह मान्यता है कि इस दिन दाम धर्म के काम करने से माता लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है।

दिवाली प्रकाश का पर्व है। सभी लोग अपने- अपने घरों को दियों की रोशनी से रोशन करते हैं, लेकिन शास्त्रों में इसके नियम बताए गए हैं। हम आपको इस आर्टिकल में दियों को प्रज्वलित करने का सही तरीका बताएंगे।

दिवाली पर दीये जलाने का सही तरीका

एक दीपक सबसे पहले मंदिर में जलाकर रखना चाहिए।

दीपक को जलाने के लिए सरसों के तेल व घी का ही उपयोग करें।

दिवाली पर दिये जलाने के लिए सूर्यास्त के बाद, प्रदोष काल के आसपास का समय चुनना चाहिए। ऐसा करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

मिट्टी के दियों को ही जलाना चाहिए क्योंकि यह वास्तु के अनुसार घर में सकारात्मक ऊर्जा लेकर आता है।

दीपक को वास्तु अनुसार बताई गई दिशाओं में ही जलाएं।

दिवाली के दिन घर के मुख्य द्वार पर दिया जरूर जलाएं, जिससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। आपके घर को माता लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलेगा।

लिविंग रूम और मंदिर में दीपक जरूर रखें।

घर की रसोई में दिये को जलाकर जरूर रखें।

रसोई के दक्षिण-पूर्व कोने में दिये को जलाकर रखने से स्वास्थ्य अच्छा होता है।

दीपक जलाने की सही दिशा

पूर्व - इस दिशा में दिये जलाने से परिवार के सदस्यों को स्वास्थ्य, सद्भाव व शांति की प्राप्ति होती है।

उत्तर - इस दिशा में दिये जलाने से समृद्धि और सफलता मिलती है।

दक्षिण - वास्तु शास्त्र की मानें, तो इस दिशा में दिये जलाकर नहीं रखने चाहिए।

कब है छोटी दिवाली? इस दिशा में जलाएं यम दीया

अकाल मृत्यु के भय से मिलेगी मुक्ति

हिंदू धर्म में प्रत्येक वर्ष कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को नरक चतुर्थी का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व दिवाली से एक दिन पहले मनाया जाता है। इसे छोटी दिवाली भी कहा जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता माने जाने वाले, यमराज की पूजा करने का विधान है और उनके समस्त दीपक भी जलाया जाता है।इस दिन का क्या महत्व है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 30 अक्टूबर सुबह 11 बजकर 23 मिनट से हो रही है। इसका समापन 31 अक्टूबर दोपहर 2 बजकर 53 मिनट पर होगा, क्योंकि चतुर्दशी तिथि में संध्या के समय यम दीया जलाया जाता है और यम देवता की पूजा की जाती है, इसलिए नरक चतुर्दशी 30 अक्टूबर को ही मनाई जाएगी।

अकाल मृत्यु के भय से मिलेगी मुक्ति

धार्मिक मान्यता के अनुसार, नरक चतुर्दशी के दिन यम के नाम का दीपक जलाने से अकाल मृत्यु का भय खत्म होता है। दीपक जलाकार यम से प्रार्थना की जाती है कि वो नरक के द्वार सदा हमारे लिए बंद रखें, ताकि हमें मोक्ष की प्राप्ति हो सके। इसके अलावा कई लोग बुराई व जीवन में मौजूद नकारात्मकता को दूर करने के लिए भी इस दिन दीपक जलाते हैं।

जानिए कैसा दीपक जलाना होगा शुभ

यमराज के प्रति नरक चतुर्दशी के दिन चौमुखी दीपक ही जलाना चाहिए। दीपक में सरसों का तेल भरना चाहिए। घर की अलग-अलग दिशा में अलग-अलग देवी-देवता का वास होता है। यमराज की दिशा शास्त्रों में दक्षिण दिशा बताई गयी है। इसलिए इस दक्षिण दिशा की तरफ दीपक को रख कर जलाना चाहिए।

भूल से भी ना करें इस दिन ये काम

- यमलोक के देवता कहलाने वाले यमराज की नरक चतुर्दशी के दिन पूजा की जाती है। इसलिए इस दिन किसी भी जीव की हत्या न करें।

- यम की दिशा दक्षिण मानी गयी है। इसलिए इस दिन घर की दक्षिण दिशा को भूल से भी गंदा ना रखें।

- शास्त्रों में तेल का दान विशेष महत्व रखता है, लेकिन इस दिन तेल का दान नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे देवी लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं। साथ ही इस दिन तामसिक भोजन नहीं खाना चाहिए।

इस चीज से बनाएं यम दीया

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि नरक चतुर्दशी के दिन मृत्यु के देवता यम के नाम से गोधूलि बेला में गोबर का बना हुआ चतुर्मुखी दीप जलाना चाहिए। इससे परिवार के सदस्य के ऊपर अकाल मृत्यु का संकट समाप्त हो जाता है। ध्यान रहे कि चतुर्मुखी दीप हमेशा घर की दक्षिण दिशा में ही जलाएं। इसके लिए सबसे पहले गाय के गोबर का चतुर्मुखी दीया बना लें। उसमें लाल बाती लगाएं और सरसों तेल डालें। फिर दीया जलाएं। ऐसा करने से घर का अमंगल नाश होगा और सभी प्रकार के संकट समाप्त होंगे।

दीपावली से पहले धनतेरस पर इन चीजों की करें खरीदारी

घर में आएगी सुख-समृद्धि, आर्थिक संकट भी होगा खत्म!

दीपावली से ठीक पहले धनतेरस का त्योहार आता है। धनतेरस पर खरीदारी करना बेहद शुभ माना जाता है। इस दिन धन के देवता कुबेर और धन्वंतरि की पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसा करने से साल भर घर में धन और समृद्धि बनी रहती है। रीति-रिवाजों के अनुसार, धनतेरस के दिन लोग सोना, चांदी, बर्तन, वाहन, और अन्य वस्त्रों की खरीदारी करते हैं।

माना जाता है कि ऐसा करने से माता लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर बेहद प्रसन्न होते हैं। लेकिन एक ऐसी सस्ती वस्तु भी है, जिसकी खरीदारी से माता लक्ष्मी अत्यधिक प्रसन्न होती हैं और घर में आर्थिक उन्नति होती है। देवघर के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित नंदकिशोर मुद्गल ने बताया कि हर साल धनतेरस, कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन मनाया जाता है। यह दिन बेहद शुभ होता है क्योंकि इस दिन प्रदोष व्रत भी रहता है।

इस साल 29 अक्टूबर को धनतेरस का त्योहार मनाया जाएगा। इस दिन कुछ न कुछ खरीदने से माता लक्ष्मी अत्यधिक प्रसन्न होती हैं।

ज्यादातर लोग सोना, चांदी, या कोई बर्तन अवश्य खरीदते हैं, लेकिन जो लोग इन महंगी वस्तुओं को खरीद नहीं सकते, वे एक सस्ती वस्तु खरीदकर भी माता लक्ष्मी को प्रसन्न कर सकते हैं। जो लोग सोना, चांदी, वाहन, या आभूषण नहीं खरीद पाते, उन्हें धनतेरस के दिन एक झाड़ू जरूर खरीदनी चाहिए। झाड़ू को गृह लक्ष्मी माना जाता है।

उन्होंने कहा कि झाड़ू की खरीदारी से माता लक्ष्मी अत्यधिक प्रसन्न होती हैं और घर में हमेशा आर्थिक बरकत बनी रहती है। झाड़ू से घर की सफाई होती है और जहां सफाई होती है, वहां देवी-देवताओं का वास होता है।

दीपावली पर गलती से भी न लाएं ये सामान, नहीं तो हो सकते हैं कंगाल

दीपावली त्यौहार आने वाला है और बाजारों में दीपावली को लेकर रौनक बढ़ गई है। यह त्यौहार भारत में बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन पटाखे फोड़कर दीपावली का जश्न मनाते हैं। इस दिन माता लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा आराधना की जाती है। विधि विधान के साथ माता लक्ष्मी की पूजा आराधना करने से साल भर घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और धन की बढ़ोतरी होती है।

देवघर के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित नंदकिशोर मुद्गल ने बताया कि हर साल दीपावली का त्योहार कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। इस साल 31 अक्टूबर को दीपावली का त्योहार मनाया जाएगा। इस दिन माता लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा आराधना करनी चाहिए। इसके साथ ही इस दिन अर्धरात्रि में माता काली की भी पूजा आराधना होती है।

ज्योतिषाचार्य पंडित नंदकिशोर मुद्गल ने कहा कि दीपावली से पहले कुछ वस्तुओं को खरीदकर घर लाना बेहद शुभ होता है जैसे सोना, चांदी, आभूषण और झाड़ू।

उन्होंने बताया कि दीपावली से पहले काले रंग का वस्तु भूलकर भी नहीं खरीदना चाहिए और कोशिश करें 15 दिन तक काला कपड़ा भी ना पहनें। इससे नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वहीं उन्होंने कहा कि कार्तिक महीने की शुरुआत लेकर दीपावली तक 15 दिनों का यम पक्ष रहता है। इन दिनों में धारदार वस्तु जैसे कैंची, कचिया, लोहा इत्यादि का नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। दीपावली से पहले या दीपावली के दिन खट्टा सामान जैसे नींबू, आचार आदि की खरीदारी नहीं करनी चाहिए। माता लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं और आर्थिक तंगी झेलनी पड़ सकती है। दीपावली से पहले घर में साफ सफाई रखनी चाहिए। पुराने जूते-चप्पल, टूटा हुआ सामान आदि घर से निकाल दें। अन्यथा माता लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं।

दिवाली पर दिखे सफेद उल्लू, छछूंदर तो समझ लें आने वाले हैं ऐसे दिन, किस तरफ करते हैं इशारे?

हिन्दू धर्म का सबसे बड़ा त्योहार माना जाने वाला दिवाली हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। इस दिन घी के दीप जलाए जाते हैं और धन की देवी मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। इस त्योहार को लेकर कई सारी मान्यताएं हैं। वहीं ज्योतिष शास्त्र में भी इसको लेकर कई अहम बातें कही गई हैं। ऐसा माना जाता है कि, यदि आपको इस दिन उल्लू और छछूंदर दिखाई देते हैं तो यह बेहद ही शुभ होता है। ऐसा क्यों है और ये आपको क्या संकेत देते हैं? आइए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से।

उल्लू के दिखने के संकेत

हिन्दू धर्म में उल्लू को माता लक्ष्मी का वाहन माना जाता है। इसलिए धार्मिक मान्यता है कि यदि आपको इस दिन उल्लू दिखाई देता है तो यह अत्यंत शुभ है। यह आपके घर में शुभता के आगमन के संकेत देता है। ऐसा भी कहा जाता है कि, दिवाली पर उल्लू का दिखाई देना आपके घर की आर्थिक स्थिति में सुधार होने का संकेत होता है। यह दर्शाता है कि दिवाली पर आपके घर मां लक्ष्मी का आगमन होने वाला है और साथ ही घर में सकारात्मकता आने वाली है।

छछूंदर के दिखने के संकेत

आपको बता दें कि, जिस प्रकार माता लक्ष्मी को धन की देवी माना गया है, वैसे ही भगवान कुबेर का संबंध भी धन से माना गया है और यह माता लक्ष्मी के भाई माने जाते हैं। हिन्दू धर्म में छछूंदर को कुबेर देव का ही प्रतीक माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि, यदि आपको दिवाली पर छछूंदर दिखाई देती है तो आपको भगवान कुबेर की कृपा मिलने वाली है।

दिवाली पर पुरानी झाड़ू का क्या करें? गलती से भी न निकालें घर से बाहर

दिवाली के त्योहार में अब कुछ ही दिन रह गए हैं और हर घर में साफ-सफाई का काम जोरो पर है। साफ-सुथरे घर में हर कोई माता लक्ष्मी के स्वागत की तैयारी कर रहा है। धनतेरस और दिवाली पर यूं तो सोना-चांदी समेत कई चीजें खरीदने की प्रथा है। इन सारी चीजों के साथ ही दिवाली पर झाड़ू खरीदने का भी शगुन होता है। ऐसी मान्यता है कि धनतेरस या दिवाली के दिन घर में नई झाड़ू जरूर लानी चाहिए। ये बात तो आपने भी सुनी होगी। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पुरानी झाड़ू का क्या करना चाहिए या उसे घर से बाहर कब निकालना चाहिए? कहीं दिवाली पर नई झाड़ू लाकर, पुरानी झाड़ू आप घर से बाहर तो नहीं करते क्योंकि ऐसा करके आप लक्ष्मी माता को नाराज करते हैं। आइए जातने हैं प्रसिद्ध ज्योतिष डॉ. गौरव कुमार दीक्षित से कि घर में झाड़ू को रखने, नई झाड़ू लाने, पुरानी झाड़ू को घर से निकालने के ज्योतिष में क्या नियम हैं।

- अगर झाड़ू पुरानी जो जाए या टूट जाए तो उसे इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। झाड़ू को हमेशा सही स्थिति में ही इस्तेमाल करना चाहिए।

- पुरानी झाड़ू को घर से हटाने से पहले घर में नई झाड़ू जरूर ले आनी चाहिए।

- दिवाली पर नई झाड़ू खरीदना शुभ माना जाता है। इसके अलावा हफ्ते के शुक्रवार और शनिवार का दिन झाड़ू खरीदने के लिए सबसे शुभ माना जाता है।

- धनतेरस, नर्क चतुर्दशी, अमावस्या को नई झाड़ू तो खरीदनी चाहिए, पर पुरानी झाड़ू को बिलकुल भी घर से बाहर नहीं निकालना चाहिए। पुरानी झाड़ॅ अगर इन दिनों घर से निकालें तो इससे लक्ष्मी जी रुष्ट हो सकती हैं।

- झाड़ू को हमेशा साउथ-वेस्ट यानी दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। झाड़ू को हमेशा किसी स्थान पर छिपा कर रखना चाहिए। उसे जमीन पर लिटा कर रखना चाहिए। झाड़ू को कभी भी खड़ा कर के नहीं रखना चाहिए।

- वहीं बिस्तर पर भी झाड़ू कभी नहीं रखना चाहिए न इससे कभी बिस्तर झाड़ना चाहिए। जो लोग ऐसा करते हैं, उनकी पत्नी की तबियत खराब हो जाती है।

- फूल झाड़ू और सींक की झाड़ू को एकसाथ रखा जा सकता है। इसके अलावा झाड़ू को नॉर्थ-ईस्ट यानी उत्तर-पूर्व दिशा में भी रख सकते हैं। वही याद रखें कि झाड़ू को खड़ा कर के न रखें। इसके अलावा घर में एक जैसी झाड़ू भी कभी नहीं रखनी चाहिए। अगर इन्हें साथ रखेंगे, तो निश्चित रूप से धन हानि सकती है।

कशिका कपूर लव यू फादर के साथ कर रही हैं अपना टॉलीवुड डेब्यू

बॉलीवुड डेब्यू के बाद, आयुष्मती गीता मैट्रिक पास की अभिनेत्री कशिका कपूर टॉलीवुड इंडस्ट्री में लव यू फादर के साथ कदम रखने जा रही हैं। यह फिल्म पुष्पा: द राइज के सह-निर्देशक पवन केथाराजु द्वारा निर्देशित है। कशिका कपूर अब दोनों इंडस्ट्रीज़ में अपनी पकड़ मजबूत कर रही हैं और वह इस समय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की सबसे होनहार उभरती सितारों में से एक के रूप में पहचानी जा रही हैं।आयुष्मती गीता मैट्रिक पास, जो लड़कियों की शिक्षा के संदेश पर आधारित है, से बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद, कशिका अब अपनी नई फिल्म लव यू फादर के साथ टॉलीवुड की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं। लव यू फादर एक भावनात्मक कहानी है जो एक पिता और बेटी के बीच के रिश्ते को दर्शाती है। इस फिल्म में कशिका मुख्य भूमिका में होंगी, और उनके साथ श्री हर्षा मुख्य पुरुष किरदार निभा रहे हैं। इसके अलावा, नवाब शाह, जिन्हें डॉन 2 और दिलवाले में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए जाना जाता है, भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। नवाब शाह की उपस्थिति इस प्रोजेक्ट को और भी प्रभावशाली बनाती है। फिल्म की कहानी एक पिता-पुत्र की जोड़ी पर आधारित है, जहां एक पिता अपने बेटे के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की कोशिश करता है। यह पूरी कहानी काशी की पृष्ठभूमि में घटित होती है और इसमें शिवा के आदर्श को प्रस्तुत करने का एक छोटा सा प्रयास किया गया है। फिल्म में एस।पी। चरण, रघु बाबू, शकलाका शंकर और अर्जुन श्रीवास्तव जी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कशिका ने कहा, हर दिन ऐसा महसूस होता है जैसे मैं अपने सपनों की ओर एक नई सीढ़ी चढ़ रही हूं। दोनों फिल्में मेरे दिल के बहुत करीब हैं और मैं इन प्रोजेक्ट्स में डाली गई मेहनत और समर्पण को दर्शकों के सामने पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। लव यू फादर के साथ एक नई इंडस्ट्री में कदम रखना और पिता-पुत्र के खूबसूरत रिश्ते को दर्शाने वाली इस कहानी का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास है। मुझे यकीन है कि दर्शक इस फिल्म से व्यक्तिगत रूप से जुड़ेंगे।आयुष्मती गीता मैट्रिक पास जहां लड़कियों की शिक्षा के मजबूत संदेश पर केंद्रित है, वहीं लव यू फादर पारिवारिक रिश्तों की भावनाओं को गहराई से दिखाने वाली फिल्म है। कशिका कपूर अपनी भूमिकाओं की विविधता और प्रभावशाली प्रोजेक्ट्स के चयन के माध्यम से यह साबित कर रही हैं कि वह केवल एक खूबसूरत चेहरा नहीं, बल्कि एक मजबूत अभिनेत्री हैं। हम बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि कशिका दर्शकों के लिए और क्या खास लेकर

शेरशाह के बाद फिर बड़े पर्दे पर रोमांस करेंगे सिद्धार्थ-कियारा

लव स्टोरी में आएंगे नजर!

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 2021 की फिल्म शेरशाह में अपनी केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीत लिया था। अब इस रियल लाइफ कपल के फैंस उन्हें एक बार फिर से पर्दे पर साथ देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि उनकी ख्वाहिश पूरी होने वाली है। कथित तौर पर यह जोड़ी एक लव स्टोरी में नजर आने वाली है जिसके लिए मैडॉक फिल्मस से बात चल रही है।रिपोर्ट्स के मुताबिक कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने एक प्रेम कहानी के लिए मैडॉक फिल्म्स के साथ चर्चा शुरू कर दी है। हालांकि अभी तक कोई और डिटेल सामने नहीं आई है लेकिन इतना पता चला है कि यह यूनिक लव स्टोरी होगी। यह लव स्टोरी काफी यूनिक और टर्न एंड ट्विस्ट वाली होगी। इसमें रोमांस के साथ फैंटेसी एलीमेंट को भी जोड़ा जाएगा। शेरशाह में सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कैप्टन विक्रम बत्रा का किरदार निभाया था, जबकि कियारा आडवाणी ने उनकी गर्लफ्रेंड डिंपल चीमा का किरदार निभाया था। विष्णुवर्धन द्वारा निर्देशित शेरशाह अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी।वर्कफ्रंट की बात करें तो सिद्धार्थ मल्होत्रा की अपकमिंग फिल्मों में एक्शन मोशन रेस 4 भी है जिसमें उनके अपोजिट सैफ अली खान होंगे। पिछली बार उन्हें इंडियन पुलिस फोर्स में देखा गया था जिसमें उनके साथ शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय थे। वहीं कियारा ऋतिक रोशन के साथ वॉर 2 की शूटिंग में बिजी हैं। इसके साथ ही वे राम चरण के साथ गेम चेंजर में भी नजर आएंगी। पिछली बार कियारा को कार्तिक आर्यन के साथ सत्य प्रेम की कथा में देखा गया था।

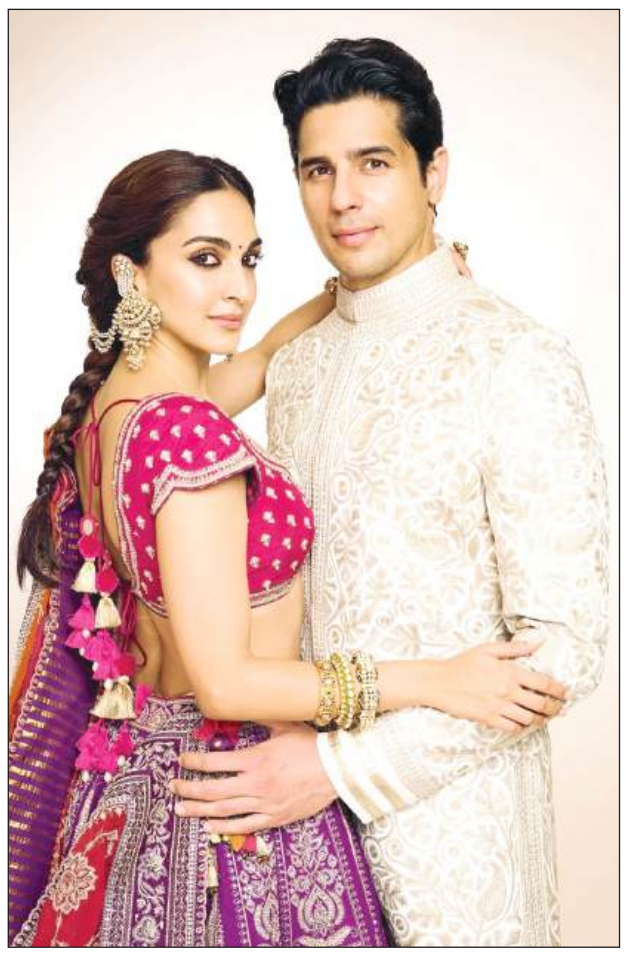

बिन्नी एंड फैमिली की तेलुगु और तमिल में बनेगा रीमेक लाइका प्रोडक्शंस ने हासिल किए अधिकार

रजनीकांत और अक्षय कुमार अभिनीत 2.0 (2018), मणिरत्नम की पोन्नियिन सेलवन - भाग 1 (2022), पोन्नियिन सेलवन - भाग 2 (2023) और कई अन्य फिल्मों जैसे मेगा-बजट ब्लॉकबस्टर का निर्माण करने वाली प्रमुख फिल्म निर्माण कंपनी लाइका प्रोडक्शंस ने हाल ही में रिलीज हुई पारिवारिक मनोरंजन फिल्म बिन्नी एंड फैमिली के तेलुगु और तमिल रीमेक अधिकार हासिल कर लिए हैं। यह एक छोटे बजट की फिल्म है जिसे सीमित सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है। फिर भी, इसे दर्शकों और आलोचकों से समान रूप से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है और यह अपने कंटेंट की शक्ति से अपने मजबूत भावनात्मक जुड़ाव के साथ परिवारों के दिलों पर कब्जा कर रही है।लाइका प्रोडक्शंस इंडिया के प्रमुख तमिल कुमारन ने कहा, हमारे समूह के अध्यक्ष को फिल्म का विषय और संवेदनशीलता बहुत पसंद आई। हमारा मानना है कि यह ऐसी सामग्री है जो दुनिया भर में पारिवारिक दर्शकों के दिलों को छूने की क्षमता रखती है। उन्होंने आगे कहा, फिल्म की सार्वभौमिक अपील और दर्शकों

की अभूतपूर्व प्रशंसा और जुड़ाव इसे हमारे प्रदर्शनों की सूची में एक आदर्श जोड़ बनाते हैं।इस अधिग्रहण के साथ, लाइका का लक्ष्य बिन्नी एंड फैमिली की कहानी को बड़े दर्शकों के करीब लाना है। लाइका प्रोडक्शंस, लाइका ग्रुप, यूके की एक सहायक कंपनी है और 5 महाद्वीपों के 22 से अधिक देशों में सफलतापूर्वक काम करती है।बिन्नी एंड फैमिली 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और यह वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन का एक्टिंग डेब्यू है। अंजिनी के अलावा, इसमें पंकज कपूर, हिमानी शिवपुरी, राजेश कुमार, नमन त्रिपाठी और चारु शंकर भी हैं और इसे संजय त्रिपाठी ने लिखा और निर्देशित किया है। यह महावीर जैन फिल्म्स और वेवब्रांड प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है और एकता आर कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स, शशांक खेतान और मृगदीप सिंह लांबा द्वारा प्रस्तुत की गई है। फिल्म सिनेमाघरों में पीवीआर द्वारा रिलीज की गई है।बिन्नी एंड फैमिली एक किशोरी की कहानी है जो अपने माता-पिता के साथ यूनाइटेड किंगडम में रहती है। जब बिहार में रहने वाले उसके दादा-दादी उसके घर आते हैं और उसके कमरे पर कब्ज़ा कर लेते हैं, तो उसकी ज़िंदगी में उथल-पुथल मच जाती है।

क्रॉप टॉप पहने अनुष्का सेन ने कैमरे के सामने दिए किलर पोज

एक्ट्रेस अनुष्का सेन आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टा पर पोस्ट की हैं, जिसमें वो बेहद ही शानदार पोज देते हुए अलग-अलग आउटफिट में फोटोज क्लिक करवा रही हैं। टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर पोस्ट होते ही तबाही मचाने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपनी अलग-अलग आउटफिट्स में फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस अनुष्क सेन जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर फिदा हो जाते हैं। ये ही नहीं उनका हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कभी ब्लैक टॉप तो कभी ग्रै टॉप पहने हुए नजर आ रही हैं। वहीं, वो मिरर सेल्फी लेते हुए अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।बालों को बांधकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस की खूबसूरती देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।अनुष्का सेन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

वरुण धवन की बेबी जॉन से जैकी श्रॉफ का खतरनाक पोस्टर जारी, जल्द होगा बड़ा खुलासा

वरुण धवन अभिनीत बेबी जॉन एक आगामी एक्शन से भरपूर फिल्म है जो हाल ही में एक बड़ी चर्चा पैदा कर रही है। वरुण धवन के खतरनाक लुक से लेकर सलमान खान के कैमियो तक, फिल्म रिलीज से पहले से ही जबर्दस्त सुर्खियां बटोर रही है। अब, निर्माताओं द्वारा जारी किए गए एक नए पोस्टर के साथ प्रचार वास्तविक हो गया है, जिससे संकेत मिलता है कि कुछ बड़ा आने वाला है।निर्माताओं द्वारा जारी किए गए नए पोस्टर में जैकी श्रॉफ का लुक टीज किया गया है। हम ब्लैक एंड व्हाइट पोस्टर में उनके चेहरे का केवल आधा हिस्सा ही देख सकते हैं, जिस पर जैकी श्रॉफ लिखा हुआ है।

निर्माताओं ने फिल्म को लेकर और अधिक उत्साह पैदा कर दिया है क्योंकि उन्होंने कैप्शन में उल्लेख किया है कि वे जल्द ही एक मुख्य खुलासा करने जा रहे हैं।जैकी श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्टर साझा करते हुए लिखा, कुछ बड़ा आ रहा है, अंतिम खुलासे के लिए बने रहें। बेबी जॉन 25 दिसंबर, 2024 को रिलीज हो रहा है। फिल्म में सलमान खान के कैमियो की खबर सामने आने के बाद से ही प्रशंसक इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। सलमान खान और वरुण धवन के स्पेशल एक्शन सीन वाली फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने के लिए दर्शकों का उत्साह चरम पर है। बेबी जॉन वरुण के किरदार के इर्द-गिर्द है। वरुण का किरदार एक पुलिस अधिकारी है, जो एक व्यक्तिगत समस्याओं का सामना करने के बाद पुलिस बल छोड़ देता है, जबकि वह अपनी बेटी को सुरक्षित वातावरण में पालने के लिए छिप जाता है, लेकिन फिर वह अपने उग्र स्वभाव में वापस आ जाता है, जब उसकी बेटी की सुरक्षा को खतरा होता है।बेबी जॉन का निर्देशन कलीज द्वारा किया जा रहा है। एक्शन फिल्म में वरुण धवन मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ जैकी श्रॉफ, सान्या मल्होत्रा, वामिका गब्बी और कीर्ति सुरेश भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। एटली, ज्योति देशपांडे और मुराद खेतानी द्वारा निर्मित बेबी जॉन 25 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज छात्रों के लिए सुनहरा दिन रहेगा , आपकी लोकप्रियता दिनोंदिन बढेगी . इस अवधि के दौरान व्यवसाय के हिसाब से यात्रा हो सकती हैं. आपके द्वारा अपनी पूरी कार्य क्षमता का प्रयोग आपको हर हल में सफल बनाएगा।

प्रेमी जोडों के लिए समय शुभ नहीं है. आपको अपने जीवनसाथी का ख्याल रखने की जरुरत है. सहोदर सम्बन्ध मे कुछ मतभेद आ सकते हैं. चिकनाई वाला भोजन आप को हृदय सम्बंधित तकलीफ दे सकता हैं संतुलित आहार लें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

तकनीकी क्षेत्र से जुड़े हुए व्यवसायी को अधिक महनत करनी पडेगी उस के बाद भी आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे. आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा. किसी जरूरी काम में जीवनसाथी की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा. निजी क्षेत्र मे जॉब करने वाले लोगों के लिए आज का दिन फायदेमंद है. सोचे हुए सभी काम समय पर पूरे होंगे. आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. आप की सन्तान कन्या के रूप मे है तो कुछ ना कुछ उपहार जरूर दे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप कलाकार हैं तो आप की बड़े स्तर पर पहचान बनेगी धन कोष मे भी बढोत्तरी होगी नयी कम्पनी से जुड़ने का आफर भी मिल सकता हैं. अपने जीवन साथी की इच्छाओं को आप पूरा करने का भरपूर प्रयास करेंगे रिश्तोमे मे मीठास बढेगी ।

ध्यान रखें रिश्तों के प्रति अपनी इच्छाओं को इतना न बढ़ाते चले जाएं कि उसका बुरा असर अपने जीवन रेखा की धारा को ही मोड दें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह बडे बुजुर्गों का सम्मान एवं आशीर्वाद लेकर चलें। कठिनाइयों को दूर करने मे आप सक्षम होंगे. आपकी मेहनत का बराबर महन्ताना आप को मिलेगा आज व्यावसायिक रूप से आपके पास अपने आर्थिक पक्ष को बढ़ाने के लिए बहुत अच्छे अवसर होंगे. आज साझेदारी का कारोबार भी आप को लाभ की स्थिति मे ले आएगा बढ़े हुए व्यय के कारण साझेदारी मे कुछ समस्याएं आ सकती है. आज आप थोड़े लापरवाह मूड में हो सकते हैं। आप को पारिवारिक जरुरतों को पहले पूरा करना चाहिए सेहत तंदुरुस्त रहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज धार्मिकता मन मे बढ़ेगी आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा. शिक्षकों को अपने छात्रों पर कड़ी मेहनत करने की जरुरत है. किसी भी काम को शुरूआत करने से पहले जीवनसाथी से राय- मशविरा कर लेने से अच्छा रहेगा. आप कहीं लंबी यात्रा पर जा सकते हैं. कुछ मामलों में आप अपनी बातों पर कायम नहीं रह पायेंगे.कोई नया दोस्त बन सकता है. शाम का समय कठिन परिस्थितियो वाला हो सकता हैं अपने भरोसेमंद साथीयो से मदद मिल जाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप अपनी शारीरीक क्षमताओं के बलबूते अपने विरोधियों को परास्त करने मे सफल होंगे अपने काम को भी आगे बढ़ाएंगे . आप अपनी बुरी आदतों को छोड़ कर अच्छी आदतों को अपनाना चाहेंगे. आप अपने रिश्तों पर भी एक नजर डालेंगे और उन्हें और अच्छा बनाने की सोचेंगे. आज अज्ञात कारण वश मन चिंतित रहेगा. प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक नहीं होगा. कामकाज के क्षेत्र में भी अपने साथीयों का पूरा सहयोग रहेगा , स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपनी कार्यशैली को सुधारने की आवश्यकता हैं किसी सहकर्मी की मदद लेने की जरुरत पडेगी . आपको अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेंगे. राजनीति मे नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं. मीडिया से जुड़े क्षेत्रों के लोगों के पास खुद को व्यस्त रखने के लिए पर्याप्त काम होगा. बच्चे और परिवार भी आप की सफलता का भरपूर आनंद उठाएंगे . अपने बच्चों के लिए विवाह के लिए नये रिश्ते आ सकते हैं आप की जिम्मेदारी पूरी हो सकती हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कुछ जरुरतमंदो को अनाज दान करें सहयोग करें आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा. आप को बड़े अधिकारियों का सहयोग मिलेगा. आमदनी में इज़ाफ़ा होने के आसार नज़र आ रहे हैं. पूरे दिन खुद को तरोताज़ा महसूस करेंगे. आप सामाजिक क्षेत्र से जुड़े हुए है तो आज यात्रा का बन रहा हैं. घर परिवार का वातावरण शांतिदायक रहेगा.
आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान रहेगा. कुछ अन्तराल के बाद परिवार के साथ पहाड़ी क्षेत्र पर सैरसपाटे के लिए जाएंगे

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन तो शान्त रहेगा परन्तु नौकरी में संगी-साथी से मतभेद के चलते कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है. किसी भी चीज को छोटा न समझें, आप के जीवन मे नए संबंध बन सकते हैं आप के लिए लाभकारी रहेगा . वाहन खरीदने के योग बनेंगे सुख-सौभाग्य बना रहेगा. कारोबार के क्षेत्र का वातावरण अनुकूल रहेगा. सभी कार्य किसी रूकावट के बिना पूर्ण होंगे ।
गणेश जी को बूंदी के लड्डू का भोग लगाए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धन सम्बन्धित चिंता से मुक्त रहेंगे परन्तु स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं आर्थिक मामलों में सुधार होगा. जो काम आरंभ करेंगे उस मे सफ़लता मिलेगी. प्रभावशाली एवं महत्वपूर्ण व्यक्तियों से आपका मिलना होगा और इससे आपको फायदा भी होगा. लाभप्रद सौदे हाथ लगेंगे. परिवार के साथ आनंददायी समय बीतेगा. बच्चे शिक्षा पढाई को लेकर आप को परेशान कर सकते हैं योग प्राणायाम करते रहें तभी स्वास्थ्य सुधरेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज गणेश मंत्र का जप करके ही कार्य का आरंभ करें धन लाभ निश्चित होगा आपका दिन शानदार रहेगा. लोगों का विश्वास आप पर बना रहेगा. अगर आप हाई एजुकेशन पाने की ख्वाहिश रखते हैं तो गणेश जी के मंत्र के साथ सरस्वती मंत्र का जप करें .
शिक्षा मे उन्नति होगी बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिलेंगें. घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा. दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य उत्तम रहेगा. नियमित कामकाज में आपका मन लगेगा. रोजमर्रा के कामों से फायदा होगा. अगर आप का पैसा कारोबार में रूका हुआ हैं तो बहते हुए जल मे आटा और चीनी प्रवाहित करें पैसा वापस मिलेगा.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप को सतर्क रहना पडेगा अकस्मात कुछ घट सकता हैं प्रातः काल सूर्य को अर्घ्य और शिवमंत्र का जप करें आज आप का मान-सम्मान बढ़ेगा और धनलाभ होगा. हर काम को बड़ी कुशलता से निपटा लेगे. भावनाओं में बहकर किसी अनुचित काम ना करें. वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है. नौकरी मे मुश्किलें बन रही है तो अपने मित्रों का सहयोग लेने से मत कतराएं आप का आसान हो जाएगा ।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 22 अक्टूबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 01:31 तक
नक्षत्र : आर्द्रा उत्तर रात्रि 05:39 तक
योग : परिघ प्रातः 08:44 तक
करण : गर दोपहर 01:55 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 05:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 05:57 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 05:49 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 05:41 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
ल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : स्कन्द षष्ठी , हेमन्त
ऋतु आरंभ , भद्रा रात्रि 01:29 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा चुनाव नतीजों को लेकर कांग्रेस अदालत का रुख करेगी

चंडीगढ़, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने सोमवार को संकेत दिया कि विधानसभा चुनाव में गड़बड़ी की आशंकाओं को लेकर कांग्रेस अदालत का रुख कर सकती है।

श्री हुड्डा ने पटना में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री दिवंगत कृष्ण सिंह के जयंती समारोह में शिरकत करने के संबंध में यहां जारी बयान में बताया कि वहां पत्रकारों के सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि हरियाणा के चुनावी नतीजों पर पार्टी मंथन कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी की तरफ से चुनाव में गड़बड़ी की आशंका को लेकर चुनाव आयोग को भी शिकायत की गई है। वहां से अगर संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो कांग्रेस कोर्ट का रुख करेगी क्योंकि ईवीएम में गड़बड़ी को लेकर कई विधानसभा सीटों से उम्मीदवारों द्वारा शिकायत दर्ज करवाई गई है।

श्री हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस पूरी कोशिश करेगी कि मशीन मानव व लोकतंत्र पर भारी न पड़े और किसी भी तरीके से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के साथ खिलवाड़ न हो। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को अपेक्षाओं के विपरीत 37 सीटें ही मिली हैं और भारतीय जनता पार्टी ने 48 सीटें जीतकर तीसरी बार सरकार बना ली है। कांग्रेस मतगणना के दिन, आठ अक्टूबर, से ही ईवीएम में गड़बड़ी के आरोप लगा रही है।

किशोरी से दुष्कर्म के तीन दोषियों को 20-20 साल की कैद

यमुनानगर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। नाबालिग किशोरी का अपहरण और दुष्कर्म मामले में अदालत ने सात महीने में ही केस पर फैसला सुनाते हुए तीन दोषियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 20-20 साल कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दो दोषियों पर 30-30 हजार रुपये और एक अन्य आरोपी पर 38 हजार रुपये जुर्माना लगाया है। जुर्माना न भरने पर दोषियों को एक-एक साल की अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। दोषियों की पहचान योगेश, रजनीश उर्फ रजत और अतुल के तौर पर हुई है।

मार्च 2024 को थाना गांधी नगर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत दी थी कि उसकी 14 साल की बेटी घर से लापता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर किशोरी की तलाश की तो वह गोल्डन पुरी में

कोर्ट ने सात महीने के भीतर सुनाया फैसला जुर्माना भी ठोंका

एक मकान में मिली। किशोरी का मेडिकल करवाने के बाद उसके साथ दुष्कर्म की पुष्टि हुई। आदर्श नगर कैंप निवासी मुख्य आरोपी योगेश को गिरफ्तार किया था। इसके बाद उसके दोनों साथी थाना छप्पर निवासी रजनीश और अतुल को गिरफ्तार कर सभी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। रजनीश की मोटरसाइकिल पर फर्जी नंबर प्लेट लगी होने पर पुलिस ने उसके खिलाफ धोखाधड़ी का मामला भी दर्ज किया था।

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वह किशोरी को अगवा कर बरवाला ले गया था, जहां एक मकान में किशोरी के साथ दुष्कर्म किया गया। इसके बाद मुख्य आरोपी योगेश किशोरी को यमुनानगर ले आया और गोल्डन पुरी में अपने मकान में बंद कर दिया, जहां से पुलिस ने किशोरी को बरामद किया था। आरोपी के बयान के बाद पुलिस ने आरोपी की मां और दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया था। केस की सुनवाई पूरी होने के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी योगेश की मां को बरी कर दिया, जबकि तीन दोषियों को सजा सुनाई है।

विस उपचुनाव में होम वोटिंग के लिए बुधवार तक किया जा सकता है आवेदन

जयपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में आगामी 13 नवंबर को होने वाले सात विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव के दौरान बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा उपलब्ध रहेगी और इसके लिए बुधवार तक आवेदन किया जा सकता है। 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाता घर पर रहकर ही वोट डालने के लिए निर्धारित प्रपत्र 12डी में बुधवार तक बीएलओ के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने सम्बंधित विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पात्र मतदाताओं को आवेदन के आधार पर नियमानुसार होम वोटिंग की सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। श्री महाजन ने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के लिए चुनाव प्रक्रिया को समावेशी और अधिकतम मतदाताओं की भागीदारी के लिए सुलभ बनाना आवश्यक है। श्री महाजन के अनुसार

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर होम वोटिंग के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत उपचुनाव के लिए निर्धारित प्रपत्र 12डी में आवेदन बुधवार तक किए जा सकते है। सोमवार तक होम वोटिंग के लिए कुल 2431 मतदाताओं की ओर से बीएलओ के माध्यम से आवेदन प्राप्त हुए हैं, इनमें 85 वर्ष से अधिक आयु के 1,663 और 768 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन की पहल पर बीते दिनों राजस्थान में 100 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं का अभिनन्दन किया गया। एक अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के मौके पर राज्य में कुल 11 हजार 164 शतायु मतदाताओं का सम्मान किया गया।

श्री महाजन ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों द्वारा विभिन्न चुनावों के दौरान मतदान के जरिए निर्वाचन प्रक्रिया में सहभागिता और लोकतंत्र को मजबूत करने की प्रतिबद्धता का सम्मान करने के साथ ही नई पीढ़ी को मतदान के प्रति जागरूक करना है। निर्वाचन विभाग की ओर से वृद्धजनों का अभिनन्दन करने पर उनके परिजनों, पड़ोसियों सहित अन्य युवाओं को भी मतदान के जरिए लोकतंत्र में भागीदारी बढ़ाने की प्रेरणा मिलेगी।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार सम्मान कार्यक्रमों की श्रृंखला जिला एवं ब्लॉक से लेकर बूथ स्तर तक आयोजित हुई, जिसमें वृद्ध मतदाताओं को शाल, श्रीफल और अभिनन्दन पत्र भेंट किए। इस दौरान कई मतदाता जो शारीरिक स्थिति के कारण पोलिंग बूथ आदि सार्वजनिक स्थान पर नहीं आ सके, उनको बीएलओ एवं अन्य अधिकारियों ने घर पर जाकर अभिनन्दन-पत्र भेंट किए गए।

कोचिंग सेंटर के बाहर तेजधार हथियारों से छात्र की हत्या, दो अन्य घायल

जींद, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के जींद के नरवाना बस स्टैंड के पास एक 18 वर्षीय छात्र की तेजधार हथियारों से हमला करके हत्या कर दी गई। जिस समय हत्या की गई, छात्र कोचिंग सेंटर से बाहर निकला था। उसी समय कई युवकों ने उस पर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। इसमें दो अन्य छात्र भी घायल हुए हैं। गांव ढाकल निवासी 18 वर्षीय आर्य नरवाना बस स्टैंड के पास एक कोचिंग सेंटर में कोचिंग के लिए आता था। सुबह वह कोचिंग सेंटर में गया था। शाम को लगभग चार बजे जब वह कोचिंग सेंटर से बाहर निकला तो उसे कुछ युवक मिले। उन्होंने युवकों से पूछा कि तुम में से आर्यन कौन है।

आर्यन ने कहा कि वह है, उसी वक्त तेजधार हथियारों से सात-आठ युवकों ने उस पर वार करने शुरू कर दिए। उसके बचाव के लिए जब दो साथी आए तो वह भी घायल हो गए। तेजधार हथियारों से आर्यन लहुलूहान हो गया और वहीं गिर गया। लोगों व उसके साथियों ने उसे नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। नरवाना शहर थाना प्रभारी कुलदीप ने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। फोरेंसिक टीम को बुलाकर मौके से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है।

लोकरंग महोत्सव में देशभर से आए लोक कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

जयपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में जयपुर के जवाहर कला केन्द्र की ओर से आयोजित 27वें लोकरंग महोत्सव में चौथे दिन सोमवार को राजस्थान के लोक नाटक, विभिन्न राज्यों की लोक कला प्रस्तुतियों से कलाप्रेमी मुग्ध हो गए।शिल्पग्राम के मुख्य मंच पर हेला ख्याल, मांड गायन, अलगोजा वादन, चकरी नृत्य, कालबेलिया, चरी, बिहार का झिझिया, तमिलनाडु का कुदुम्बाट्टम, हरियाणा का फाग, मध्य प्रदेश का सैला एवं गुदुम बाजा, ओडिशा का रसरकेली, जम्मू-कश्मीर का जागरणा और उत्तर प्रदेश के मयूर नृत्य की प्रस्तुतियों ने मन मोहा। लोक नाटकों में राजस्थानी रामलीला की प्रस्तुति हुई। मध्यवर्ती के मंच पर मध्य प्रदेश के मटकी, गुजरात के केरबा नो वेश, अरुणाचल के रिखम पदा, गोवा के देखणी, उत्तराखंड के छपेली, मिजोरम के चैरो, असम के तिवा नृत्य, तमिलनाडु के कड़गम-कावड़ी, महाराष्ट्र के सोंगी मुखवटे और गुजरात रास की प्रस्तुति हुई।

लोकरंग का रंग अब परवान चढ़ने लगा है। मध्यवर्ती में अब ठंडी हवाएं अब दस्तक देने लगी है, लोक कलाकारों की जोश और उत्साह भरी प्रस्तुतियां नयी ऊर्जा और उमंग से कला प्रेमियों को सराबोर कर रही हैं। सोमवार को मध्यवर्ती में पहली आई प्रस्तुतियां और अरसे बाद यहां आई कलाओं को भी मंच मिला। मध्य प्रदेश मालवा की कलाकारों ने मटकी नृत्य के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। मालवा का यह प्रसिद्ध नृत्य हर मांगलिक अवसर पर किया जाता है। ढोल की थाप पर पारंपरिक लोकगीतों पर महिलाएं नृत्य करती हैं। गुजरात का केरबा नो वेश नृत्य ने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया जब नर्तक ने नाचते हुए कपड़े से आकृतियां साकार

की। धार्मिक अनुष्ठान में यह नृत्य किया जाता है। कलाकार कपड़े से घोड़ा, तोता व अन्य जीवों की आकृति बनाती है जिससे जीव संरक्षण का संदेश दिया जाता है।जेकेके में पहली बार अरुणाचल प्रदेश के रिखमपदा नृत्य की प्रस्तुति हुई। अरुणाचल प्रदेश में बहुतायत में रहने वाली निशि जनजाति की महिलाएं समारोह में स्वागत के लिए यह नृत्य करती हैं। मधुर गीतों पर पारंपरिक परिधान में होने वाले नृत्य में युवतियां अपने प्रेमी को प्रणय निवेदन स्वीकार करने के लिए आमंत्रित करती हैं। गोवा के कलाकारों ने मधुर गीतों पर देखणी नृत्य प्रस्तुत किया। महिलायें नाविक से नदी पार करवाने का अनुरोध करती हैं। उत्तराखंड के छपेली और मिजोरम के चैरो नृत्य के बाद असम के कलाकारों ने तिवा नृत्य पेश किया। यह विधा भी पहली बार यहां प्रस्तुत हुई। पांच से सात साल के अंतराल पर फसल काटने से पूर्व होने वाले बारात उत्सव में यह नृत्य किया जाता है। युवतियां उत्सव में पूजन करती है उसके बाद यह नृत्य होता है।तमिलनाडु के कड़गम कावड़ी नृत्य ने सभी में जोश भर दिया। नादस्वरम, पम्बई, तविल जैसे वाद्य यंत्रों से प्रांगण गूंज उठा। महोत्सव का हिस्सा होने वाले नृत्य में कलाकार सिर पर कलश और लकड़ी की कावड़ रखकर बेहतर संतुलन को दर्शाते हैं। महाराष्ट्र से आए कलाकारों की सोंगी मुखवटे प्रस्तुति ने सभी को रोमांचित किया। चैत्र पूर्णिमा पर कोंकणा जनजाति की ओर से यह नृत्य किया जाता है। मुखौटे का अद्भुत प्रयोग इस नृत्य को खास बनाता है। काल भैरव और बेताल इसके मुख्य पात्र होते हैं। तीव्र लय पर किये जाने वाले नृत्य में सिंह एवं अन्य पात्रों का स्वांग रचा जाता है। अंत में हुई वीर रस से सराबोर तलवार रास की प्रस्तुति ने सभी को जोश से भर दिया। तलवार और डाल हाथ में लेकर रण कौशल दिखाते कलाकारों ने यह नृत्य पेश किया। कृषि करने वाले महर समुदाय के लोग यह नृत्य करते हैं। वीर रस से ओत-प्रोत तलवार रास महर समुदाय के जीवन का हिस्सा बन गया है, हर मांगलिक उत्सव यथा नवरात्र, शादी, होली में खुशी जाहिर करने के लिये यह नृत्य किया जाता है।

भजनलाल से भारत में अमरीकी राजदूत एरिक गार्सेटी की मुलाकात

जयपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सोमवार को यहां भारत में अमरीकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने मुलाकात की।इस दौरान मुख्यमंत्री ने आगामी 9 से 11 दिसम्बर को आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में श्री गार्सेटी एवं अमरीकी निवेशकों को आमंत्रित किया।

इस अवसर पर श्री शर्मा ने कहा कि राज्य में अक्षय ऊर्जा, खनन, आईटी और विनिर्माण क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सौर एवं पवन ऊर्जा के क्षेत्र में देश में पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा एक नई पर्यटन नीति लाई जा रही है, जिसमें निवेशकों को कई तरह के लाभ दिए जाएंगे। राज्य में कौशल विकास, आईटी, बुनियादी ढ़ांचे के आधुनिकीकरण एवं रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं तथा इन क्षेत्रों में निवेशकों के लिए ढेरों अवसर हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य में जलवायु, सतत् विकास, ग्रीन टैक्नोलॉजी, स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा अनुसंधान, पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिकी साझेदारी एवं सहयोग पर जोर दिया। श्री शर्मा ने अमेरिकी विश्वविद्यालयों के राजस्थान में कैम्पस खोलने, जीसीसी एवं डाटा सेन्टर के क्षेत्र में भी काम करने के लिए आमन्त्रित किया। अमेरिकी राजदूत ने महिला विकास, ऊर्जा, शहरी विकास, खेलकूद इत्यादि के क्षेत्र में भी अमेरिका द्वारा सहयोग की इच्छा व्यक्त की। श्री गार्सेटी के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमण्डल ने श्री शर्मा द्वारा दिए प्रस्तावों पर गहन रूचि दिखाई।

शहीदों के बलिदान से प्रेरणा लेकर देश की सेवा का संकल्प लें: साहू

जयपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने कहा है कि देश के अमर शहीद पुलिस कार्मिकों के बलिदान से प्रेरणा लेकर सभी पुलिस अधिकारी और पुलिस कर्मी अपने कर्तव्य का ईमानदारी से पालन करते हुये देश की सेवा का संकल्प लें।

श्री साहू ने सोमवार को पुलिस शहीद दिवस के अवसर पर जयपुर में राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुये कहा कि 65 वर्ष पहले 21 अक्टूबर 1959 के दिन लद्दाख के दुर्गम क्षेत्र में भारतीय पुलिस के जवानों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुये अपने प्राण न्योछावर कर दिये थे। इन अमर जवानों की शहादत को याद करने और उनसे प्रेरणा ग्रहण करने के लिये पूरे देश में हर पुलिस संगठन और संस्थान में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस शहीद दिवस मनाया जाता है।उन्होंने कहा कि पुलिस के इन वीर जवानों का बलिदान भारतीय पुलिस के कार्यों की उच्चतम परम्पराओं का प्रतीक है, जो देशभर में पुलिस जवानों के समक्ष कर्त्तव्यनिष्ठा का अनुपम और अनुकरणीय आदर्श प्रस्तुत करता है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शहीद पुलिस कार्मिकों के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर हुआ। परेड में श्री साहू ने सलामी ली। उन्होंने एवं पूर्व पुलिस महानिदेशक अजीत सिंह ने आरपीए में शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित करके शहीद पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि दी। शहीद स्मारक पर सेवा निवृत्त डीजीपी ओपी गल्होत्रा एवं एसपीएस श्रीवास्तव, एडीजी (प्रशिक्षण) अशोक राठौड़, आईबी के संयुक्त निदेशक रमाकांत शर्मा, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) अशोक कुमार, एडीजी एवं आरपीए के निदेशक एस. सेंगाथिर, जयपुर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कुंअर राष्ट्रदीप सिंह सहित पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्री साहू ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पूरे भारत में एक सितम्बर 2023 से 31 अगस्त 20224 की अवधि में राष्ट्र सेवा में वीरगति प्राप्त करने वाले 216 पुलिस अधिकारियों और कार्मिकों के नाम वाचन करते हुये राजस्थान पुलिस परिवार की ओर से उन्हें भावांजलि अर्पित की। इससे पहले उन्होंने राजस्थान के शहीद पुलिस कर्मियों एएसआई रामचंद्र, एएसआई राम स्वरूप, हेड कास्टेबल चंदा कुमारी, हेड कांस्टेबल खुशीराम राजलवाल, हेड कांस्टेबल लहर चंद, हेड कांस्टेबल शीशराम, हेड कांस्टेबल सुखराम, हेड कांस्टेबल उमराव सिंह, हेड कांस्टेबल विनोद कुमार, कांस्टेबल भंवर लाल, कांस्टेबल धारा सिंह मीना, कांस्टेबल कुम्भाराम, कांस्टेबल महेन्द्र राम, कांस्टेबल महिपाल, कांस्टेबल निरंजन सिंह, कांस्टेबल प्रवीण चंद्र, कांस्टेबल सत्येन्द्र सिंह, कांस्टेबल सुखराम, कांस्टेबल सुरेश मीना एवं कांस्टेबल थानाराम सहित देश के अन्य राज्यों के साथ बीएसएफ, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, फायर सर्विसेज-होमगार्ड्स और आरपीएफ के जवानों का स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

पुलिस स्मृति दिवस : शहीदों की वीरगाथा को नमन

हाजीपुर और सहरसा में आयोजित कार्यक्रमों में दी गई श्रद्धांजलि

वैशाली/सहरसा (एजेंसियां)।

बिहार सहित पूरे देश में 21 अक्तूबर को पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें शहीद हुए पुलिसकर्मियों की बहादुरी और उनकी शहादत को याद किया गया। इस मौके पर हाजीपुर के पुलिस लाइन और सहरसा के पुलिस लाइन में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां शहीद जवानों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

हाजीपुर में आयोजित कार्यक्रम में वैशाली एसपी हर किशोर राय की अध्यक्षता में शहीदों के सम्मान में स्मृति परेड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसपी ने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को अंग वस्त्र देकर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम में पिछले वर्ष वैशाली जिले के सराय में अपराधियों के साथ मुठभेड़ में

शहीद हुए जमुई निवासी पुलिसकर्मी अमिताभ बच्चन को भी श्रद्धांजलि दी गई। उनकी पत्नी को सम्मानित कर उनकी वीरगति को याद किया गया। इस अवसर पर कई पुलिस पदाधिकारी, एसडीपीओ और थाना अध्यक्ष भी मौजूद रहे।

इसी तरह, सहरसा के पुलिस लाइन में भी संस्मरण दिवस के मौके पर शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। सदर एसडीपीओ आलोक कुमार और मुख्यालय डीएसपी धीरेंद्र पांडे ने अन्य पुलिसकर्मियों के साथ शहीदों की शहादत को नमन किया। एसडीपीओ ने कहा कि शहीद पुलिसकर्मियों ने कर्तव्य निभाते हुए देश और समाज की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है, जिनसे प्रेरणा लेकर हमें भी अपनी जिम्मेदारियों का पालन करना चाहिए।

गौरतलब है कि पुलिस स्मृति दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 1959 से जुड़ी है, जब 21 अक्तूबर को लद्दाख की बर्फीली ऊंचाइयों पर हॉट स्प्रिंग में चीनी आक्रमणकारियों ने सीआरपीएफ की एक टुकड़ी पर हमला किया था। इस हमले में 10 बहादुर जवानों ने अंतिम सांस तक लड़ाई करते हुए शहादत दी थी। इस घटना की याद में 1961 से हर साल 21 अक्तूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है।

स्मृति दिवस के अवसर पर शहीदों की वीरता को सलाम करने के लिए पूरे देश में कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां पुलिसकर्मियों ने अपने शहीद साथियों को श्रद्धांजलि दी और उनके कर्तव्यों का पालन करते हुए समाज की रक्षा करने का संकल्प लिया।

ज्वेलर्स के दुकान में लूटने के दौरान कर्मी ने दो अपराधियों को मारी गोली

बाकी दो अपराधी हुए फरार

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय में ज्वेलर्स के दुकान में दो अपराधी हथियार के बल पर लूट करने की कोशिश की। तभी दूकान के अंदर मौजूद सुरक्षा गार्ड ने उन लूटेरों पर गोली चला दी, जिसमें दो अपराधी गोली लगने से घायल हो गये। उन्हें गोली लगते ही बाकी के दो अपराधी वहां से फरार हो गये। मामला नगर थाना क्षेत्र के पटेल चौक स्थित पी पी ज्वेलर्स की है।

घटना के संबंध में दुकानदार ने बताया कि चार लूटेरे पी पी ज्वेलर्स में घुसे और हथियार के बल पर लूटपाट करने लगे। तभी दूकान के अंदर मौजूद सुरक्षा गार्ड ने उन लूटेरों पर गोली चला दी, जिसमें दो अपराधी गोली लगने से घायल हो गये। गिओली चलते ही बाकी दो अपराधी वहां से फरार हो गये । इस घटना के बाद लोगों ने खदेड़ कर एक अपराधी को पकड़ कर जमकर पिटाई कर

दी। इस घटना के बाद जब पुलिस अपराधी को ले जा रही थी, तभी उग्र भीड़ जमकर हंगामा करने लगे और पुलिस के सामने ही अपराधी की जमकर पिटाई कर दी।

इस घटना के संबंध में पी ज्वेलर्स के मालिक ने बताया है कि चार की संख्या में अपराधी आए थे और हथियार के बल पर लूटने लगे। जब मेरे स्टाफ ने उनका विरोध किया तब अपराधियों ने मेरे एक स्टाफ को गोली मार दी। खुद को बचाने के दौरान अपना पिस्तौल निकाल कर दो अपराधियों को गोली मार दी। इस संबंध में व्यवसायियों का कहना है कि लगातार अपराधी बड़ी-बड़ी घटना को अंजाम दे रहे हैं, लेकिन पुलिस प्रशासन अपराधी को रोकने में नाकाम साबित हो रहे हैं। इसको लेकर व्यवसायियों में काफी पुलिस के खिलाफ आक्रोश भी देखी जा रही है। इस घटना के संबंध में उसके मालिक प्रमोद कुमार ने बताया है कि चार की संख्या में अपराधी आए और 40 लख रुपए की लूट की घटना को अंजाम दिया है हालांकि दो अपराधी पुलिस के पकड़ में हैं।

गिरिराज सिंह के हिन्दू स्वाभिमान यात्रा पर उपेंद्र कुशवाहा का तंज

हिन्दू धर्म पर नहीं है खतरा

दरभंगा (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्य सभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा बिहार यात्रा पर दरभंगा पहुंचे। वहां वह संगठन विस्तार एवं सदस्यता कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने संगठन विस्तार को लेकर समीक्षा करते हुए कई निर्देश दिए। वहां उपेंद्र कुशवाहा ने गिरिराज सिंह के ''हिंदू धर्म खतरा'' वाले बयान पर कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का ऑफिशल स्टेटमेंट है कि यह केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का निजी बयान है। उनके इस बयान से भारतीय जनता पार्टी को कोई लेना-देना नहीं है।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्य सभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने खुद ही कहा है कि यह यात्रा भारतीय जनता पार्टी का नहीं है। इसलिए उनके यात्रा पर हम लोगों को कुछ भी टिप्पणी करना उचित नहीं है। इतना हम जरूर कहेंगे कि मंत्री गिरिराज सिंह जो कह रहे हैं कि हिंदू धर्म खतरे में है। हम इसको बचाने के लिए यह यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म हो या फिर कोई अन्य धर्म हो, बिहार में किसी धर्म को कोई खतरा नहीं है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्य सभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार जब से सरकार में हैं, छिटपुट घटनाओं को अपवाद के रूप में छोड़ दीजिए तो कोई बड़ी घटना नहीं हुई है। बिहार में 2005 के पहले सांप्रदायिक तनाव और घटनाएं होती रहती थी। जब से बिहार में एनडीए और नीतीश कुमार की सरकार बनी है, तब से तनाव में बहुत कमी आई है। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि बिहार में चाहे हिंदू हो या फिर इस्लाम धर्म हो, खतरे में नहीं है। यहां कम संख्या वाले धर्म के लोग के भी एक दूसरे के साथ एक होकर रहते हैं।

मुजफ्फरपुर के धोबौली घाट पर पुल निर्माण को लेकर ग्रामीण करेंगे आंदोलन

मुख्यमंत्री नीतीश की घोषणा भी रह गई अधूरी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले के धोबौली गांव के हजारों ग्रामीण आज भी बागमती नदी की उपधारा को पार करने के लिए रस्सी और नाव का सहारा लेने को मजबूर हैं। यह गांव गायघाट, बंदरा और बोचहा प्रखंडों की सीमा पर स्थित है, जहां की आबादी 10 हजार से अधिक है। पुल की मांग पिछले कई दशकों से की जा रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसको लेकर अब गांव के लोग बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं।

गौरतलब है कि धोबौली घाट पर पुल निर्माण की मांग कोई नई नहीं है। इस पुल की जरूरत और महत्व को 1980 के दशक में ही महसूस किया गया था। 1996 में तत्कालीन केंद्रीय मंत्री और मुजफ्फरपुर के पूर्व सांसद दिवंगत कैप्टन जयनारायण निषाद ने यहां

पुल निर्माण की नींव रखी थी, लेकिन वह परियोजना अधूरी रह गई। समय के साथ उस योजना को भुला दिया गया।

पिछले कई वर्षों में इस मुद्दे पर कई चुनावी वादे किए गए। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने चुनावी भाषण में पुल निर्माण की घोषणा की थी। उन्होंने एनडीए के उम्मीदवार अजय निषाद के पक्ष में प्रचार करते हुए कहा था कि पुल का निर्माण जल्द ही कराया जाएगा, जिससे क्षेत्र के लोगों को राहत मिलेगी। बावजूद इसके, आज तक पुल का निर्माण शुरू नहीं हो पाया।

गांव के लोग अब नेताओं की घोषणाओं से निराश हो चुके हैं। उन्होंने इस बार आंदोलन करने का मन बना लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि हर चुनाव में पुल निर्माण का वादा किया जाता है, लेकिन चुनाव के बाद इसे भुला दिया जाता है। अब गांव के लोग खुद सड़कों पर उतरकर सरकार को अपनी मजबूरी दिखाने की तैयारी में हैं। उनका कहना है कि अगर जल्द ही पुल का निर्माण नहीं हुआ, तो वे बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करेंगे और तब तक चुप नहीं बैठेंगे जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती।

जानकारी के मुताबिक, धोबौली घाट पर पुल का निर्माण सिर्फ आवागमन की सुविधा के लिए ही नहीं, बल्कि सामरिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। यह पुल बनने से गायघाट, बंदरा और बोचहा प्रखंड के ग्रामीण सीधे दरभंगा-मुजफ्फरपुर फोर-लेन से जुड़ सकेंगे। इससे न सिर्फ गांवों के बीच की दूरी घटेगी, बल्कि व्यापार और शिक्षा के अवसर भी बढ़ेंगे।

अभी हालात ऐसे हैं कि गांव के बच्चों को हाई स्कूल जाने के लिए नाव से नदी पार करनी पड़ती है, जो बारिश के मौसम में और भी खतरनाक हो जाता है। बीते साल बेनीबाद के मदुरपट्टी गांव में नाव दुर्घटना के बाद यहां के लोग और ज्यादा चिंतित हो गए हैं। हादसे के बाद सरकार ने नाव से नदी पार करने वाले क्षेत्रों में पुल निर्माण की योजना बनाने की बात कही थी, लेकिन धोबौली घाट अब भी इस सूची में शामिल नहीं हो पाया है।

ग्रामीणों का कहना है कि नेता सिर्फ वादे करते हैं, लेकिन चुनाव जीतने के बाद काम नहीं करते। अब वे खुद इस मुद्दे को लेकर संघर्ष करेंगे। उनके अनुसार, पुल बनने से रोजमर्रा के काम, व्यापार और बच्चों की शिक्षा में सुविधा होगी। साथ ही यह पुल समस्तीपुर जिले से भी कनेक्टिविटी बढ़ाएगा, जिससे दूरी 15 किलोमीटर कम हो जाएगी।

छपरा में पैर फिसलने से नदी में डूबा युवक, मौत

छपरा (एजेंसियां)।

छपरा जिले के मशरक थानाक्षेत्र में अहले सुबह शौच के लिए गए 20 वर्षीय युवक गोलू कुमार की नदी में डूबने से मौत हो गई। घटना चांद कुदरिया पंचायत के सुंदर गांव के घोघारी नदी में हुई। मृतक गोलू कुमार, मोगल राय का इकलौता बेटा था और सेना में भर्ती की तैयारी कर रहा था।

जानकारी के मुताबिक, गोलू रोज सुबह दौड़ने से पहले नदी किनारे शौच करने जाया करता था। सोमवार को उसका पैर फिसल गया, जिससे वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने हल्ला मचाया और अभिराम तिवारी, मुन्ना यादव, राजेश यादव सहित अन्य लोग नदी में कूदकर गोलू की तलाश करने लगे। लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद उसका शव निकाला जा सका।

इस घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया। बेटे गोलू की मौत होने की खबर से मां नैना देवी और पिता मोगल राय बार-बार बेसुध हो रहे हैं। गोलू अपने परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी एक बड़ी बहन है, जिसकी अभी शादी नहीं हुई है। गोलू की असामयिक मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। वहीं, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की आगे की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री ने 1,239 नये पुलिस अवर निरीक्षकों को दिया नियुक्ति प्रमाण-पत्र

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1,239 नये पुलिस अवर निरीक्षकों को नियुक्ति प्रमाण-पत्र दिया है। नियुक्ति प्रमाण-पत्र कार्यक्रम बापू सभागार में आयोजित किया गया था। इस मौके पर बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ-साथ विजय चौधरी भी मौजूद थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में पुरुष के साथ-साथ महिलाओं को भी आगे बढ़कर काम करने का मौका मिला है और इसी का नतीजा है कि महिलाएं हर एक विभाग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर बेहतर परिणाम समाज के सामने रख रही हैं। उन्होंने कहा कि आज 1,239 नये पुलिस अवर निरीक्षकों में महिलाओं की भी एक सम्मानजनक संख्या है और यही समाज की खूबसूरती है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस

मौके पर मधुकश्यप, गौतम कुमार, शोभा रानी, लाडली कुमारी, शिवेश कुमार झा, कोमल कुमारी, रीना कुमारी और रौशनी सिन्हा को नियुक्ति प्रमाण-पत्र दिया। उनके बाद उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मोहम्मद एजाज अंसारी, स्नेहा कुमारी, रोनित झा, प्रियंका कुमारी को नियुक्ति प्रमाण-पत्र दिया। उनके बाद उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बंटी कुमार और नवीन कुमार चौपाल सहित अन्य नये पुलिस अवर निरीक्षकों को नियुक्ति प्रमाण-पत्र दिया।

इस मौके पर डीजीपी आलोक राज ने कहा कि यह काफी ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण क्षण है, जब 1239 नए पुलिस और निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा रहा है। पुलिस विभाग के सर्वांगीण विकास के लिए किया गया कार्य मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संभव प्रयास से पूरा किया गया हैं। वर्ष 2010 से अब तक 75 हजार पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों की नियुक्ति की गई है, जिसमें लगभग 62 हजार सिपाही और 8204 पुलिस अवर निरीक्षक शामिल हैं। वर्ष 2024 में 21391 सिपाही भर्ती चयन की प्रक्रिया पूर्ण पर है। बहुत जल्द भविष्य में सिपाही संवर्ग एवं अवर निरीक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। 1239 नए पुलिस अवर निरीक्षकों में 442 महिला 794 पुरुष और 3 ट्रांसजेंडर शामिल हैं। पुलिस विभाग में महिलाओं की भागीदारी को लेकर पूरे देश में बिहार पहले स्थान पर है। इन्हें ट्रेनिंग के लिए बिहार पुलिस अकादमी राजगीर भेजा जाएगा।

निर्माणाधीन इंटीग्रेटेड भवन में मजदूर की संदिग्ध मौत

पटना (एजेंसियां)।

नालंदा जिले के राजगीर में सोमवार को निर्माणाधीन इंटीग्रेटेड भवन में काम करने वाले एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान मोतिहारी जिला के पंचपकुड़ी थानाक्षेत्र के सीरामा ढाका निवासी धर्मेंद्र कुमार (28) के रूप में हुई है। घटना के बाद से आत्महत्या के कारणों को लेकर रहस्य बना हुआ है, जबकि पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, धर्मेंद्र कुमार पिछले कुछ महीनों से राजगीर के इंटीग्रेटेड भवन में मजदूरी कर रहा था। हाल ही में उसने अपने साले को भी काम के लिए बुलाया था।

मृतक के साले ने बताया कि रात को सबने खाना खाया और सोने चले गए। सुबह जब नींद खुली तो धर्मेंद्र सीढ़ी के पास गमछे से लटका हुआ पाया गया। परिवार ने तुरंत पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद राजगीर थाना अध्यक्ष रमन कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फिर शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया।

पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और एफएसएल टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया है।

प्रारंभिक जांच में पारिवारिक कलह की वजह से आत्महत्या की संभावना जताई जा रही है, लेकिन मामले के अन्य पहलुओं पर भी पुलिस की नजर है।

गौरतलब है कि धर्मेंद्र कुमार की मौत ऐसे समय में हुई है जब इंटीग्रेटेड भवन का उद्घाटन 25 अक्तूबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किया जाना है। यह भवन देशी और विदेशी सैलानियों के लिए सभी प्रकार की सुविधाओं से लैस होगा। इसका शुभारंभ विश्व शांति स्तूप की 55वीं वर्षगांठ के अवसर पर होना है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com